आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹112910/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹137900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹150531/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अभी नहीं जंग...

- सीजफायर के बाद भी कुवैत से लेकर लेबनान और ईरान में मिसाइल अटैक
- ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा बंद किया, कहा- बिना इजाजत नहीं देंगे एंट्री
- अमेरिका ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल फिर से खोलने की मांग की
- सीजफायर टूटते ही ईरान ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख को मिला दिया फोन
- अमेरिका और ईरान का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए कल पहुंचेगा इस्लामाबाद

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 9 अप्रैल 2026

न यूरेनियम न परमाणु हथियार, ट्रंप ने जारी किया शांति प्लान

दुनिया की बड़ी मुसीबत फिलहाल टली
अमेरिका-ईरान युद्ध दो हफ्तों के लिए रुका

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बन गई। यह समझौता ऐसे समय में हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार तय समयसीमा तक समझौता न होने पर ईरान को तबाह करने की धमकी देते रहे। हालांकि, बाद में समयसीमा पूरी होने और यहां तक कि होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने से भी पहले ट्रंप ने खुद युद्धविराम का ऐलान कर दिया।

एजेंसी ▶▶| दुबई

अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से जारी युद्ध अब करीब 40 दिन बाद रुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकियों से अंतिम समय में पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं।

- अमेरिका-इजरायल और ईरान की थमी जंग, दो सप्ताह के लिए सीजफायर

फिलहाल समझौते की शर्तों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी अभी पता नहीं है कि क्या इससे स्थायी शांति स्थापित हो सकती है, क्योंकि दोनों पक्षों ने शर्तों के संबंध में बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। युद्धविराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान की ओर से मिसाइल हमले की ▶▶|शेष पेज 7 पर

इधर, इजरायली हमलों में लेबनान में 254 की मौत

अमेरिका-ईरान सीजफायर के ऐलान के बावजूद इजरायल ने लेबनान पर भीषण हमले तेज कर दिए। बुधवार को पूरे लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 254 लोग मारे गए और 1,165 से ज्यादा घायल हुए।

समझौते में लेबनान शामिल नहीं: ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि लेबनान को युद्धविराम समझौते में हिज़्बुल्लाह की वजह से शामिल नहीं किया गया है। ट्रंप ने कहा, उन्हें समझौते में शामिल नहीं किया गया है।

टैरिफ वार, ईरान को हथियार देने वाले देशों पर 50 फीसदी ट्रंप टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी देश ईरान को सैन्य हथियार या युद्ध सामग्री सप्लाई करेगा, उसे भारी आर्थिक नुकसान झेलना होगा। ट्रंप ने घोषणा की है कि ऐसे देशों से अमेरिका आने वाले हर सामान पर तुरंत प्रभाव से 50 फीसदी का आयात शुल्क, यानी की टैरिफ लगा दिया गया है। राष्ट्रपति ने साफ-साफ कहा कि इस फैसले में किसी भी देश को कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी। जानकारों का मानना है कि ट्रंप के इस '50% टैरिफ' वाले फैसले से वैश्विक व्यापार में हड़कंप मच सकता है। चीन और रूस जैसे देश ईरान के करीबी रहे हैं, उनके लिए अब अमेरिका के साथ व्यापार करना बड़ी चुनौती बन सकता है।

सीजफायर

अमेरिका

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दो हफ्ते के लिए ईरान पर बमबारी और हमले रोकने का फैसला किया है।
- ट्रंप की मुख्य शर्त यह थी कि ईरान को वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से, तुरंत और सुरक्षित रूप से खोलना होगा।

ईरान

- ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि अगर ईरान पर हमले रुके, तो ईरानी सेना भी अपने सैन्य अभियानों को रोकेगी।
- ईरान इस जलमार्ग को खोलने के लिए सहमत हो गया है, लेकिन उसकी शर्त है कि यह अगले दो हफ्ते तक ईरानी सशस्त्र बलों के प्रबंधन और समन्वय के तहत रहेगा।

शेयर बाजार उछला, निवेशकों को 16 लाख करोड़ का फायदा

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 3,018.96 अंक चढ़कर 77,635.54 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 873.70 अंक यानी 3.78 प्रतिशत बढ़कर 23,997.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों को एक ही दिन में करीब 16.25 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ।

इसलिए बाजार में लौटी रौनक

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक धारणा में सुधार के कारण यह तेजी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में काफी गिरावट आई। मुद्रास्फीति तथा वैश्विक वृद्धि को लेकर चिंताएं कम हुईं।

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर कायम

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में उम्मीद के मुताबिक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा।

शराब घोटाला

सौम्या, केके और डडसेना के खिलाफ 1000 पन्नों का चालान

- शराब घोटाले में तीनों अभियुक्तों के खिलाफ जांच एजेंसी का कोर्ट में 9वां चालान
- हाईकोर्ट से जमानत मिलने और चालान पेश होने के बाद सौम्या ने बेल फर्निश कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शराब घोटाले में बुधवार को ईओडब्ल्यू ने राज्य प्रशासनिक सेवा के निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया, कारोबारी के श्रीवास्तव तथा देवेंद्र डडसेना के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में 9वां पूरक चालान पेश किया है। चालान 1033 पन्नों का है। शराब घोटाले में जांच एजेंसी अब तक 51 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है। जांच एजेंसी ने कोर्ट ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

सौम्या की जमानत का वेल फर्निश

दिसंबर में ईडी ने शराब घोटाला प्रकरण में सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी की थी। इस दौरान ईओडब्ल्यू ने भी जनवरी में सौम्या चौरसिया को शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सौम्या ने हाईकोर्ट में बेल एप्लिकेशन लगाया। हाईकोर्ट ने जमानत आवेदन पर सुनवाई करते हुए सौम्या को ईओडब्ल्यू द्वारा चालन पेश करने के बाद जमानत देने की बात कही। जांच एजेंसी द्वारा चालान पेश किए जाने के बाद सौम्या के वकीलों ने आज बेल फर्निश कराई।

स्वास्थ्य, पोषण एवं आजीविका प्रबंधन के कामों का किया अवलोकन

तेंदुलकर परिवार पहुंचा अचानकमार अभयारण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

जन स्वास्थ्य सहयोग केंद्र गनियारी द्वारा संचालित स्वास्थ्य, पोषण एवं आजीविका प्रबंधन के विभिन्न कार्यों का अवलोकन करने चिकित्सक डॉ. अंजली तेंदुलकर, सारा तेंदुलकर तथा तेंदुलकर परिवार की बहू सानिया सहित अन्य सदस्य अचानकमार अभयारण्य के भ्रमण पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जन स्वास्थ्य सहयोग के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव अचानकमार एवं बम्हनी का दौरा किया। भ्रमण के दौरान अतिथियों ने संस्था द्वारा ग्रामीण समुदाय को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा विशेष रूप से 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए संचालित पोषण कार्यक्रम "फुलवारी" को नजदीक से समझा। ▶▶|शेष पेज 7 पर

गोपनीय रखा गया था दौरा

बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की धर्मपत्नी अंजली तेंदुलकर और उनकी बेटी सारा तेंदुलकर और बहू सानिया चांडोक की शहर में मौजूदगी को पूरी तरह से गोपनीय रखा गया। तीनों सुबह साढ़े पांच बजे बिलासपुर पहुंचने के बाद सीधे कोर्टयार्ड मैरियट में ठहरी, जहां उनका 24 घंटे का प्रवास बेहद सीमित और सधे दायरे में रखा गया। होटल परिसर में सुरक्षा की हलचल दिखी, लेकिन पूरे कार्यक्रम को जानबूझकर कम प्रोफाइल में रखा गया, ताकि किसी प्रकार की भीड़ या उत्सुकता न बने।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026

Accredited by NAAC with Grade 'A++' | UGC Graded Autonomy(Category-I) | NBA Accredited | ICAR Accredited | NABL Accredited | NABH Accredited
AICTE Approved | NMC Approved | DCI Approved | PCI Approved | BCI Approved | INC Approved | VCI Approved

PROGRAMMES OFFERED

B.TECH PROGRAMMES IN CORE ENGINEERING
Civil Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN ELECTRONICS DESIGN
Electrical and Electronics Engineering
Electronics and Communication Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology

B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
Computer Science and Engineering (AI and ML)
Computer Science and Engineering (Cyber Security)
Computer Science and Engineering (Data Science)
Computer Science and Engineering (Internet of Things)

M.TECH PROGRAMMES
Structural Engineering
Electric Vehicle Technology
Machine Design and Robotics
Embedded System and VLSI Design
Computer Science and Engineering

M.Sc. PROGRAMMES
Physics
Chemistry
Mathemetics
Biotechnology
Integrated M.Sc. Biotechnology

COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES
Bachelor of Computer Applications (BCA)
Master of Computer Applications (MCA)

LAW PROGRAMMES
BA. LL.B (H) - Integrated
BBA LL.B (H) - Integrated
LL.B. (H) - 3 Years
LL.M. - 1 Year

MANAGEMENT PROGRAMMES
BBA
MBA
Integrated MBA
MBA (Hospital Administration)
MBA (Artificial Intelligence and Data Science)

HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES
BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology)
MBA (Hospitality Management)

NURSING PROGRAMMES
B.Sc. (Nursing) (Basic)
B.Sc. (Nursing) (Post Basic)
M.Sc. (Nursing)

AGRICULTURAL PROGRAMMES
B.Sc. (H) Agriculture
M.Sc. Agriculture

PHARMACY PROGRAMMES
B. Pharm
M. Pharm

nirf
National Institutional Ranking Framework 2025
15th in University Category
22nd in Engineering Category
15th in Medical Category
09th in Dental Category
10th in Law Category

Globally Ranked By
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS

To apply for admission through SAAT,
Visit: www.soa.ac.in

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बड़ा फैसला

किसानों को सौगात, नहीं बढ़ेंगे खाद के दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बुधवार का दिन देश के विकास और करोड़ों अन्नदाताओं के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पांच ऐसे बड़े फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी से किसानों को राहत देने के लिए खरीफ सत्र 2026 के लिए फॉस्फेटिक एवं पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों पर सब्सिडी को 12 प्रतिशत बढ़ाकर 41,534 करोड़ रुपए कर दिया है। खरीफ सत्र 2025 में सरकार ने पीएंडके उर्वरकों पर 37,216 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी।

गुड न्यूज

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

- *कमला जलविद्युत परियोजना (1,720 एमडब्लयू) जिसकी लागत 26,070 करोड़*
- *कलाई-2 जलविद्युत परियोजना (1,200 एमडब्ल्यू) जिसकी लागत 14,106 करोड़*

खरीफ 2026 के लिए उर्वरक सब्सिडी स्कीम

कैबिनेट ने खरीफ 2026 सीजन के लिए न्यूट्रिएंट-बेस्ड सब्सिडी योजना को मंजूरी दी। इसके तहत कुल 41,534 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। सरकार ने कहा कि इस कदम का मकसद किसानों को उर्वरकों की वैश्विक कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से बचाना है। अधिकारियों ने बताया कि कोरोना के बाद के दौर में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। हालांकि, किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने इसकी खुदरा कीमतें 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम के बैग पर स्थिर रखी हैं।

कोयला सेक्टर में 'वॉटरशेड मोमेंट'

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोयला मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी संजीव कुमार कस्सी ने देश को भरोसा दिलाया कि भारत में कोयले की कोई कमी नहीं है। फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में भारत ने 200 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन और डिस्पैच का आंकड़ा पार कर लिया है। हमारे पास माइंस, पावर प्लांट और पोर्ट पर पर्याप्त स्टॉक है। पावर जेनरेशन के मामले में देश पूरी तरह स्टेबल है। साल 2022-23 के मुकाबले उत्पादन में 88% से ज्यादा की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो हमारी बढ़ती ताकत को दिखाती है।

कांग्रेस ने ईसी पर भी उठाए सवाल

वोटिंग से पहले 'कैश फॉर वोट' का बवाल, केरल में सियासत गरमाई

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासी पारा चरम पर है। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने एक कथित वीडियो जारी कर बड़ा आरोप लगाया है कि बीजेपी कार्यकर्ता वोट के बदले पैसे बांट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक बुजुर्ग महिला को पैसे दिए जा रहे हैं और यह सब पार्टी उम्मीदवार की मौजूदगी में हो रहा है। साथ ही सतीशन ने कहा कि यह सिर्फ एक सीट तक सीमित नहीं है, बल्कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में महिलाओं को पैसे और साड़ियां बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'यह केरल में पहली बार हो रहा है और बीजेपी वोटरों को प्रभावित करने के लिए नई व्यवस्था लागू कर रही है।' उनके मुताबिक, यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की गंभीर कोशिश है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

आयोग से हस्तक्षेप की मांग

कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। सतीशन ने चेतावनी दी कि यदि संबंधित अधिकारी कार्रवाई नहीं करते, तो पार्टी कानूनी रास्ता अपनाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के ठीक पहले इस तरह की गतिविधियां चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन हैं। अलाप्पुझा में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी पलक्कड़ में पैसे बांटने के आरोपों को 'चौंकाने वाला' बताया।

कांग्रेस-एलडीएफ के आरोप झूठे : बीजेपी का पलटवार

भाजपा नेता एस सुरेश ने कांग्रेस और एलडीएफ के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलक्कड़ में बीजेपी की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि 'पलक्कड़ की जनता ने तय कर लिया है कि यहां से बीजेपी का विधायक बनेगा, इसी डर से कांग्रेस भ्रामक बयान दे रही है।' महिलाओं को पैसे बांटने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये 'गंभीर आरोप नहीं हैं' और संबंधित महिला खुद स्पष्ट कर चुकी है कि बीजेपी ने कोई पैसा नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और एलडीएफ हार के डर से झूठ फैला रहे हैं। सोभा सुरेंद्रन का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि जनता उन्हें ही विधायक चुनने जा रही है। बीजेपी ने भरोसा जताया कि इस बार पलक्कड़ में जीत तय है।

टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने लगाए गंभीर आरोप | **आयोग बोला चिल्लाने लगे थे डेरेक बंगाल चुनाव के बीच महासंग्राम** | **बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होना है मतदान**

चुनाव आयोग ने तृणमूल नेताओं को सात मिनट में भगाया, बढ़ा विवाद

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और निर्वाचन आयोग (ईसी) के बीच कड़वाहट अपने चरम पर पहुंच गई है। बुधवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ और टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई महज सात मिनट की मुलाकात एक बड़े विवाद के साथ समाप्त हुई। टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, चुनाव आयोग की तरफ से भी सफाई दी गई और टीएमसी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। डेरेक ओ'ब्रायन ने दावा किया कि जब प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के अधिकारियों के तबादलों और भाजपा के साथ उनके कथित संबंधों के सबूत सौंपे तो मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनसे कहा कि 'दफा हो जाओ'। टीएमसी का कहना है कि 10:02 एएम पर शुरू हुई यह बैठक 10:07 एएम पर ही खत्म हो गई। ओ'ब्रायन के अनुसार, ज्ञानेश कुमार के अलावा किसी अन्य चुनाव आयुक्त ने एक शब्द भी नहीं बोला।

टीएमसी नेताओं ने चिल्लाकर बात की : आयोग

दूसरी ओर, चुनाव आयोग के सूत्रों ने टीएमसी के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठ करार दिया है। पीटीआई ने आयोग के सूत्रों के हवाले से कहा है कि डेरेक ओ'ब्रायन चुनाव आयुक्तों पर चिल्ला रहे थे और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को बोलने तक नहीं दिया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कथित तौर पर ओ'ब्रायन से मर्यादा बनाए रखने का अनुरोध किया और कहा कि 'चीखना-चिल्लाना और अभद्र व्यवहार' आयोग के कक्ष में उचित नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने टीएमसी नेताओं से केवल सीधी और स्पष्ट बात की थी, जिसे वे पचा नहीं पाए।

एसआईआर पर छिड़ी है रार

चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद आयोग ने बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी और गृह सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया था, जिसे ममता बनर्जी ने एकतरफा और अभूतपूर्व बताया। वहीं, टीएमसी का आरोप है कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के नाम पर बंगाल के लाखों वैध मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। विपक्षी दलों ने चुनाव को एक या दो चरणों में कराने की मांग की थी, लेकिन आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए इसे दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल) में कराने का निर्णय लिया है।

'चुनाव आयोग ने टीएमसी का नाम लेकर दी चेतावनी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसी॥) ने पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों को लेकर एक बेहद सख्त और स्पष्ट संदेश जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट करते हुए, चुनाव आयोग ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सीधे तौर पर 'दो टूक' शब्दों में चेतावनी दी है कि इस बार के चुनाव पूरी तरह से पारदर्शी और शांतिपूर्ण होंगे। आयोग ने अपनी पोस्ट में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट किया है कि चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या बाहुबल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आयोग की पोस्ट

अपनी पोस्ट में निर्वाचन आयोग ने लिखा, 'चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनावः भय रहित, हिंसा रहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ एवं सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे।'

ममता ने भवानीपुर से भरा नामांकन, दिखाई ताकत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर सीट से बतौर तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन दाखिल करने से पहले सीएम ममता ने पैदल मार्च किया। इस दौरान बड़ी संख्या में टीएमसी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि मैं आप लोगों से अपील करती हूं न सिर्फ भवानीपुर में बल्कि बंगाल की सभी 294 सीटों पर वे टीएमसी की जीत सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा 'मुझे सचमुच बहुत दुख है कि एसआईआर के दौरान बंगाल की वोटर लिस्ट से इतने सारे नाम हटा दिए गए हैं।

800 मीटर पैदल चलकर नामांकन करने पहुंची ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जब नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए अपने आवास से रवाना हुईं तो उनके साथ समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद थी। अपने चिर अंदाज में हाथ जोड़कर ममता बनर्जी ने सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का अभिवादन किया। वह लगभग 800 मीटर पैदल चलकर अलीपुर सर्वे बिल्डिंग पहुंचीं जहां नामांकन पत्र दाखिल किया।

कांग्रेस को सात सीटों पर उम्मीदवार बदलने पड़ गए

बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर रही हैं। कांग्रेस ने भी दूसरे चरण के चुनाव के लिए बुधवार को अपनी एक सूची जारी की, लेकिन उसमें बड़ा बदलाव देखने को मिला। पार्टी ने पहले से घोषित उम्मीदवारों में से 7 सीटों पर बदलाव किया है। कांग्रेस ने कई सीटों पर उम्मीदवार बदलते हुए नई सूची जारी की है। नाकाशिपारा से गोलाम किबरिया मंडल की जगह ताहिर एसके को उतार दिया गया है। छपरा में रहीदुल मंडल के स्थान पर आसिफ खान चुनाव लड़ेंगे, हावड़ा से प्रणब भट्टाचार्य को प्रत्याशी बनाया गया है।

उदलगुड़ी, असम में कांग्रेस को झटका

मतदान से एक दिन पहले उम्मीदवार ने छोड़ी पार्टी

एजेंसी ▶▶| गुवाहटी

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए कल यानी नौ अप्रैल को मतदान होगा। मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस को झटका लगा है। उदलगुड़ी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुरेन दैमरी ने बुधवार को पार्टी छोड़ने और अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। हालांकि, कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी को अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई' से कहा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दैमरी का नाम रहेगा। नामांकन पत्र वापस लेने की समय सीमा काफी पहले समाप्त हो चुकी है। इसलिए, लोग उन्हें अभी भी वोट कर सकते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता वेदब्रत बोरा ने कहा, दैमरी ने मीडिया के सामने इस्तीफे की घोषणा की है। लेकिन उन्होंने पार्टी को अभी तक इस्तीफा नहीं सौंपा है।

यह कहा दैमरी ने

इससे पहले दोपहर में दैमरी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। कांग्रेस में रहने का कोई फायदा नहीं है। इसने मेरे साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस केवल मिया समुदाय के लिए काम करती है। लेकिन मेरे जैसे अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए कुछ नहीं करती।

स्टालिन सरकार के 5 वर्ष में त्रस्त हो गई जनता : पलानी

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने वेलाचेरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने जनता से इसे सत्ता से हटाने की अपील की है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को फेल मॉडल करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सरकार अपने वादे पूरे करने में पूरी तरह नाकाम रही है। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में डीएमके शासन के दौरान लोगों ने काफी मुश्किलें झेली हैं और अब समय आ गया है कि इस बुरे शासन को हटाया जाए। उन्होंने अपनी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए दावा किया कि एआईएडीएमके सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था मजबूत रही और आम लोग सुरक्षित महसूस करते थे।

देशद्रोह केस में हाईकोर्ट से मिली जमानत

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा स्वयंभू संत रामपाल

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

सतलोक आश्रम के प्रमुख स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हत्या व अन्य धाराओं में दर्ज केस में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल को जमानत मिल गई है। रामपाल 11 साल, 4 महीने और 20 दिन से जेल हिसार सेंट्रल जेल-2 में बंद है। वह आज जेल से बाहर आ सकता है। हिसार सेंट्रल जेल-2 के सुपरिंटेंडेंट उमेश कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के जमानत ऑर्डर संबंधित कोर्ट में जाएंगे। उसके बाद वहां बॉन्ड भरा जाएगा। इसके बाद ऑर्डर जेल आएंगे। फिर रामपाल को जेल से रिलीज किया जाएगा। रामपाल को 19 नवंबर 2014 को हिसार जिले के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम से गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने उसे कोर्ट की अवमानना के एक मामले में पेश होने का आदेश दिया था, लेकिन वह पेश नहीं हुआ। जब पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तो समर्थकों से झड़प हो गई। इस टकराव में 5 महिलाओं और डेढ़ साल के बच्चे की मौत हुई थी।

2006 में करौंथा आश्रम में युवक की मौत

12 जुलाई 2006 को रोहतक के करौंथा आश्रम में रामपाल के समर्थकों और आर्य समाजियों के बीच हुए संघर्ष में एक युवक की हत्या हो गई थी। 14 जुलाई 2014 को रोहतक कोर्ट में इस केस की सुनवाई थी, जो हिसार कोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होनी थी। उस दिन रामपाल के समर्थकों पर हिसार कोर्ट परिसर में उपद्रव करने का आरोप लगा। वहां तोड़फोड़ के अलावा वकीलों से भी मारपीट की गई।

सरकारी कर्मचारियों के आतंकियों से संबंध

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी है। सूत्रों के मुताबिक लंबे समय से इन कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। बर्खास्त किए गए लोगों में से एक, रामबन जिले के शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी फरहत अली खंडे पर आरोप है कि वह हिजबुल मुजाहिदीन के लिए काम कर रहा था।

व्हाइट हाउस के बाहर हो रहा हंगामा
बड़ी संख्या जुटे प्रदर्शनकारी

सीजफायर के बाद ट्रंप से 85 सांसदों ने मांगा इस्तीफा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

एक महीना बाद मिडिल ईस्ट में 2 हफ्तों के लिए सीजफायर हो गया है। इसे ईरान और अमेरिका समेत कई देशों के लिए अच्छा बताया जा रहा है। एक तरफ ईरान के साथ सीजफायर की बात से अमेरिका में राहत देखी जा रही है। दूसरी तरफ सीजफायर के बाद अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। सीजफायर का ऐलान होते ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के इस्तीफे की मांग की है। लोगों के अलावा 85 सांसदों ने भी ट्रंप के इस्तीफे की मांग की है। कई सांसद और नेता कह रहे हैं कि ट्रंप का ईरान युद्ध को लेकर बार-बार शब्द बदलना, रणनीति बदलना और यह गाली भरा पोस्ट लिखना, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाता है।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) | डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं: 24x7 डिलीवरी, शिशु रोग, दूरबीन द्वारा ऑपरेशन, सोनोग्राफी, बांझपन का इलाज, खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाईल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाईरॉयड सर्जरी, ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिन रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाइल्स
क्षारकर्मा (लेप विधि) विशेषज्ञ
(ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

इन जिलों में निरक्षरता में कमी

- दुर्ग : यहां सबसे शानदार सुधार देखा गया है। 2011 में 4,74,058 निरक्षर थे, जो अब घटकर 4,13,615 रह गए हैं।
- कोरबा : औद्योगिक जिले कोरबा में निरक्षरता का आंकड़ा 4,57,881 से घटकर 3,87,144 पर आ गया है।
- दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) : नक्सल प्रभावित होने के बावजूद यहां सकारात्मक बदलाव दिखा है। निरक्षर जनसंख्या 1,66,706 से कम होकर 1,53,921 हो गई है।
- धमतरी : यहां भी साक्षरता दर में सुधार के संकेत हैं, निरक्षरों की संख्या 2,52,948 से गिरकर 2,25,252 हो गई है।

बालोद : जिले में निरक्षर आबादी 2,40,222 से घटकर 2,05,750 रह गई है।

पुराने जिलों में साक्षरता पर अच्छा काम

1 मार्च 2026 के ये आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के पुराने और स्थापित जिलों ने साक्षरता के मोर्चे पर अच्छी प्रगति की है। हालांकि, नए जिलों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी केंद्रों में अभी भी शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है, ताकि निरक्षरता के इस कलंक को पूरी तरह मिटाया जा सके। राज्य की निरक्षर आबादी में बदलाव के मिश्रित संकेत मिल रहे हैं। जहां एक ओर दुर्ग, राजनांदगांव और कोरबा जैसे जिलों ने निरक्षरता कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है, वहीं जनसंख्या वृद्धि के कारण कुछ जिलों में निरक्षरों का आंकड़ा पहले के मुकाबले बढ़ा है।

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने निकाले 2026 तक के साक्षरता दर के आंकड़े

बेहतर होनी थी, बदतर हो गई...छत्तीसगढ़ में जनसंख्या के साथ ही बढ़ गई 'निरक्षरता'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में साल-दर-साल जनसंख्या बढ़ती जा रही है। बढ़ती हुई आबादी के साथ ही राज्य में उन लोगों की संख्या बढ़नी थी, जो लिख-पढ़ सकते हों, लेकिन तस्वीर इसके उलट नजर आ रही है। राज्य में निरक्षर लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब छत्तीसगढ़ में दशकों से साक्षरता अभियान चलाया जा रहा है। छोटे- छोटे ⏭शेष पेज 7 पर

राज्य की वर्तमान स्थिति

आंकड़ों के अनुसार, 2011 में छत्तीसगढ़ की कुल निरक्षर जनसंख्या 1 करोड़ 1 लाख, 65 हजार 276 थी, जिसके 1 मार्च 2026 तक 1 करोड़ 4 लाख 52 हजार 902 होने के अनुमान हैं। हालांकि यह संख्या बढ़ी हुई दिख रही है, लेकिन राज्य के कई प्रमुख जिलों ने जमीनी स्तर पर शिक्षा के प्रसार में उल्लेखनीय काम किया है।

खबर संक्षेप

जगन्नाथ पुरी मंदिर के रत्न भंडार का दूसरा चरण शुरू

पुरी। ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने का दूसरा चरण बुधवार को शुरू हो गया। सेवकों, रत्न विशेषज्ञ और सुनारों की एक चयनित टीम ने रत्न भंडार समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंदा पाधी के साथ पूर्वाह्न 11:30 बजे पवित्र रत्न भंडार में प्रवेश किया। देवी-देवताओं के दैनिक उपयोग

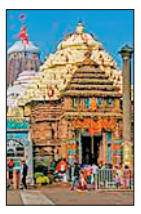

खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट से मांगी अग्रिम जमानत

हैदराबाद। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को तेलंगाना हाईकोर्ट रुख किया है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुयन सरमा पर आरोप लगाने के बाद असम में उनके खिलाफ दर्ज मामले में अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। खेड़ा ने हैदराबाद स्थित अपना पता बताया और कोर्ट से अनुरोध किया कि गिरफ्तारी की स्थिति में

पुलिस पर आरोप लगाकर जान दी, एसआई सस्पेंड

इंदौर। इंदौर में 25 वर्षीय टैक्सी चालक ने पुलिस पर पिटाई और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद जान दे दी और आत्महत्या से पहले

उसके द्वारा बनाया गया वीडियो प्रसारित होने के बाद एक उप निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि टैक्सी चालक अभिषेक पाटिल (25) ने मंगलवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी।

हवाई अड्डे से 12.9 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने 12.91 करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया है जिसके बारे में संदेह है कि वह गांजा है। अधिकारियों ने 31 मार्च को बैंकॉक से आने वाले एक यात्री को रोका और उसके सामान की एक्स-रे जांच की, जिसमें संदिग्ध सामग्री का संकेत मिला। सामान की जांच करने पर उसमें 13 पॉलीथीन बैग मिले जिनमें हरे रंग का पदार्थ था, जिसके मारिजुआना होने का संदेह है।

वरिष्ठ कांग्रेसी मोहसिना किदवई का निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उनके निधन पर दुख जताया और इसे पार्टी एवं देश के लिए बड़ी क्षति बताया। किदवई को बुधवार शाम दिल्ली के निजामुद्दीन में स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद अब सुगबुगाहट, कुछ में काम शुरू

रायपुर के कई स्कूलों में टॉयलेट जर्जर, बिलासपुर के 160 से अधिक स्कूलों में गर्ल्स टायलेट नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के करीब 4070 स्कूलों में बेटियों के लिए टॉयलेट सुविधा ही नहीं हैं। रायपुर जिले के गर्ल्स के लिए टॉयलेट तो हैं, लेकिन कई जर्जर है या कहिए, इस्तेमाल के लायक नहीं है। इससे ज्यादा खराब हालात बिलासपुर के हैं। यहां के 160 से अधिक स्कूलों में यह व्यवस्था नहीं है। कोटा, मस्तूरी के कई स्कूलों में तो 100 मीटर या उससे दूर जाना पड़ता है। हाईकोर्ट ने भी कहा है कि स्कूल में टॉयलेट न होना, छात्राओं की मानसिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी स्कूलों में टॉयलेट, हैंडवॉश, पीन के पानी जैसी सुविधाएं हों। छात्राएं स्कूल में 5-6 घंटे के लिए होती हैं। इस दौरान ज्यादा समय तक वे स्थिति को कंट्रोल करतीं हैं तो इसका प्रभाव उनके शरीर पर भी पड़ता है।

प्रदेश के पांच हजार से अधिक स्कूलों गर्ल्स टायलेट नहीं है तो 8 हजार से अधिक स्कूल ऐसे हैं जहां शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। इससे बच्चे और शिक्षक त्रस्त हैं और लगातार स्कूल शिक्षा विभाग से इसकी मांग कर रहे हैं। इसका खामियाजा बच्चों और शिक्षकों को यूरिन इन्फेक्शन के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बिलासपुर जिले की बात करें तो 160 से अधिक स्कूलों में टॉयलेट की बड़ी समस्या है। 200 से ज्यादा ऐसे विद्यालय है, जहां टायलेट तो हैं, लेकिन उपयोग के लायक नहीं।

हरिभूमि की खबर पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, कहा- ये शर्मनाक

पांच हजार से अधिक स्कूलों में लड़कियों के लिए नहीं है शौचालय

लड़कियां ज्यादा परेशान

"सबसे ज्यादा समस्या लड़कियों को मासिक धर्म के समय होती हैं। वहीं, जब लड़कियां स्कूल से बाहर जाती है तो भी उनके मन में असुरक्षा के भाव होते हैं, वो भी मानसिक स्थिति के लिए ठीक नहीं है। इसके कारण कई लड़कियां स्कूल छोड़ देती है। वहीं, डर और संकोच की भावना आती है, जो भविष्य के लिए सही नहीं हैं।

- डॉ. **श्रीमती पूजा दुबे**, वरीष्ठ, साइकोलॉजिस्ट

"निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009" जिसे राइट टू एजुकेशन कहते हैं। इस अधिनियम के शेड्यूल के आइटम में स्पष्ट और आज्ञापक प्रावधान है कि सभी स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग टॉयलेट होना अनिवार्य है। इसमें कहा गया है कि एक यूनिट में एक टॉयलेट और तीन यूरिनल होना चाहिए। जो कि लगभग 40 छात्रों में एक यूनिट होना ही चाहिए।

- **शशांक उपाध्याय**, हाईकोर्ट एडवोकेट

यह है हालत

घुरू प्राथमिक स्कूल शहर से लगा है लेकिन यहां लडकियों के लिए शौचालय नहीं है। लगातार मांग के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी तरह प्राथमिक स्कूल आशाबंद में लोगों के विरोध और मांग के बाद अब शौचालय बन रहा है। इसके साथ ही कई स्कूलों में टॉयलेट जर्जर या अनुपयोगी स्थिति में हैं। हालांकि विभाग का दावा है कि वहां मरम्मत शुरू कर दी गई है। ध्यान रहे कि राज्य की बात करें तो यहां संचालित 56 हजार 615 स्कूलों में से 54 हजार 715 में लड़कियों के लिए टॉयलेट तो हैं, लेकिन 52 हजार 545 टॉयलेट ही उपयोग करने की दशा में है। वहीं, छात्रों के लिए भी ऐसी ही स्थिति है, इनके लिए 53 हजार 142 स्कूलों में टायलेट तो हैं, लेकिन 49 हजार 355 चल रहे हैं। यानी 4070 स्कूल में गर्ल्स के लिए और 7260 में ब्वॉज के लिए नहीं है।

असम, केरलम और पुडुचेरी में थमा शोर, आज मतदान

3 राज्य, 296 सीटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

9 अप्रैल का दिन असम, केरल और पुडुचेरी के लिए बेहद अहम होने वाला है। इस दिन इन तीनों जगहों पर विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होगी और जनता तय करेगी कि सत्ता की चाबी किसे सौंपनी है। तीनों राज्यों में विधानसभा की 296 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान होगा। चुनाव प्रचार का शोर थम चुका है और अब मैदान में सिर्फ वोटर और उम्मीदवार बचे हैं। हर राजनीतिक दल ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, लेकिन असली फैसला अब जनता के हाथ में है। चुनाव आयोग ने हर बूथ पर कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए हैं ताकि कोई गड़बड़ी न हो।

असम में युवा वोटर बन सकते हैं गेम चेंजर

असम में इस बार करीब 2.5 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे. इनमें 5.75 लाख से ज्यादा युवा पहली बार मतदान करेंगे, जो चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं। यहां 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और बहुमत के लिए 64 सीटों की जरूरत है। असम की राजनीति में इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है। हर पार्टी ने युवाओं और स्थानीय मुद्दों पर जोर दिया है, जिससे वोटिंग प्रतिशत भी बढ़ने की उम्मीद है।

सियासत का बड़ा इम्तिहान

असम, केरल और पुडुचेरी में एक ही दिन वोटिंग होना अपने आप में बड़ा सियासी इवेंट है। कुल 296 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में हर पार्टी के लिए यह इम्तिहान की घड़ी है. असम में 126 सीटें, केरल में 140 और पुडुचेरी में 30 सीटों पर मतदान होगा। यह चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का नहीं, बल्कि जनता के मूड को समझने का भी मौका है. खासकर राष्ट्रीय दलों के लिए यह चुनाव उनकी साख से जुड़ा हुआ है, जहां हर सीट की अहमियत बढ़ जाती है।

महिला आरक्षण विधेयक राज्यों के लिए 'दोहरी चुनौती'

संसद और विस में हिस्सेदारी बढ़ाने की बड़ी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने की प्रक्रिया अब राज्यों के लिए एक "दोहरी चुनौती" बनती दिख रही है। इस विधेयक के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन से पहले जनगणना और परिसीमन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक होगा। समूचे शीर्षासन में चाहे जो वक्त लगे मोदी सरकार ने ये तय कर लिया है कि महिला आरक्षण अब लागू होकर रहेगा। ⏭शेष पेज 7 पर

राज्यों के सामने 'दोहरी चुनौती' क्यों?

समाजशास्त्री डॉ मधु लिमये अतुल्य कहती हैं, इस विधेयक के लागू होने से राज्यों को दो प्रमुख स्तरों पर काम करना होगा। सीटों का पुनर्विन्यास, परिसीमन के बाद नए सिरे से सीटों का निर्धारण और आरक्षण लागू करना। राजनीतिक संतुलन, आरक्षण के चलते मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में बदलाव को संभालना और दलों के भीतर महिला उम्मीदवारों की हिस्सेदारी बढ़ाना। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्रिया कई राज्यों में राजनीतिक असंतुलन भी पैदा कर सकती है।

महिलाओं की भागीदारी में बड़ा बदलाव

वर्तमान स्थिति में कई बड़े राज्यों में महिला विधायकों की संख्या बेहद कम है। उदाहरण के तौर पर कुछ राज्यों में यह आंकड़ा 10 फीसदी से भी नीचे है। इस विधेयक के लागू होने के बाद यह संख्या सीधे 33 फीसदी तक पहुंच जाएगी, जिससे नीति-निर्माण में महिलाओं की भूमिका मजबूत होगी।

परिसीमन और जनगणना से जुड़ी चुनौती

विधेयक के लागू होने से पहले देश में नई जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। परिसीमन के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों की संख्या और सीमाओं का पुनर्निर्धारण होगा। इसके बाद ही महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण संभव होगा। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा की कुल सीटें बढ़ाकर लगभग 543 से 816 तक की जा सकती हैं। इसी तरह राज्यों में भी सीटों की संख्या में वृद्धि संभावित है। यह वृद्धि जनसंख्या के अनुपात में होगी, जिससे विभिन्न राज्यों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर नई राजनीतिक बहस भी छिड़ सकती है।

कीर्तन सीखने वाली महिला की एआई से बनाई अश्लील फोटो, वसूले 20 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कीर्तन सिखाने वाले रागी ने महिला की अश्लील फोटो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग कर 20 लाख रुपए की वसूली कर ली। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर रागी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। रागी अब तक पकड़ा नहीं गया है।

सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली एक महिला घर के पास धन गुरूनानक दरबार गुरूद्वारा में परिवार सहित पूजा कीर्तन के लिए जाती थी। गुरूद्वारा में मनिन्दर सिंह खालसा कीर्तन करता था और वहां का रागी था। उससे महिला व उनके घरवालों की जान पहचान हो गई थी। वह महिला को कीर्तन करना सिखाया करता था। पहले रागी उनसे उधार के रूप में छोटी रकम लेता था। बाद में बदनाम करने की धमकी देकर व एआई के माध्यम से अश्लील फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर बड़ी रकम वसूली करने लगा। महिला ने एफआईआर में बताया है कि उनके पति व दोनों बेटियों की अश्लील फोटो वायरल ⏭शेष पेज 7 पर

ब्लैकमेलिंग के आरोपी की हो रही तलाश

रायपुर से बिलासपुर भेजा गया केस

ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर महिला अपने मायके रायपुर चली गई। घटना की रिपोर्ट रायपुर पुलिस में कराई गई। वहां से मामला बिलासपुर भेजा गया। रिपोर्ट पर सिविल लाइन पुलिस ने रागी के खिलाफ बीएनएस की धारा 308, 2, 351, 2, 351, 3 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है, फिलहाल वह पकड़ा नहीं गया है।

पुरुषों को 50 फीसदी आरक्षण के खिलाफ याचिका पेश

रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने 17 अप्रैल को होने जा रहे रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव में पुरुषों को दिए गए 50 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ पेश याचिका पर सुनवाई के बाद पूरे चुनाव पर रोक लगा दी है। जस्टिस नरेश कुमार चन्द्रवंशी ने डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के बायलाज में पुरुष आरक्षण की जानकारी मागी, प्रतिवादी ऐसा कोई प्रावधान नहीं बता सकें। इसके बाद कोर्ट ने बार चुनाव पर स्थगन आदेश जारी किया है। रायपुर बार एसोसिएशन का चुनाव 17 अप्रैल को होना है।

कार्यकाल समाप्ति के बाद निर्णय

बताया गया कि जिला अधिवक्ता संघ रायपुर का कार्यकाल गत जनवरी 2026 को खत्म हो गया था। इसके बाद पूर्व पदाधिकारी ने व्हाट्सएप ग्रुप में ही सहायक निर्वाचन अधिकारी और अपीलीय समिति बनाई गई। कोई सामान्य सभी नहीं बुलाई गई और 23 मार्च को प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से पूछा सवाल

जो भगवान अयप्पा के भक्त नहीं वो सबरीमला की परंपरा को कैसे दे सकते हैं चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सबरीमला विवाद और धर्म बनाम कानून को लेकर बहस जारी है। बुधवार को सुनवाई का दूसरा दिन रहा, जहां नौ जजों की बड़ी बेंच इस पूरे मामले की सुनवाई कर रही है। दिनभर चली इस बहस में पक्ष-विपक्ष से तमाम दलीलें पेश की गईं और तर्क रखे गए। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से अहम सवाल किया कि जो लोग भगवान भगवान अयप्पा के भक्त नहीं हैं, वे केरल के सबरीमला मंदिर की परंपराओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं? नौ जजों की इस पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर सात सवाल तय किए हैं। इनमें एक अहम सवाल यह है कि क्या कोई ऐसा व्यक्ति, जो किसी धार्मिक संप्रदाय या समूह से संबंधित नहीं है, जनहित याचिका दाखिल कर उस संप्रदाय की प्रथा को चुनौती दे सकता है? सुनवाई के अंत में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सबरीमला मामले में मूल याचिकाकर्ता कौन थे?

पीआईएल स्वीकार करने में सतर्क हो गई हैं अदालतें

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे मामलों में उन्होंने अक्सर 'ज्यूडिशरी सिस्टम के इनविजिबल विक्टिम' टर्म का इस्तेमाल किया है। तुषार मेहता ने इसे 'मौन बहुमत और मुखर अल्पसंख्यक के बीच की लड़ाई' बताया। उन्होंने कहा कि जनहित याचिका की शुरुआत बंधुआ मुक्ति मोर्चा वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया जैसे मामलों में हुई थी, जब आम लोगों के पास अदालत तक पहुंच के साधन नहीं थे। अब ई-फाइलिंग जैसी सुविधाओं के कारण कोई भी व्यक्ति सीधे अदालत तक पहुंच सकता है।

क्या है सबरीमला का विवाद

सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया था। इसके बाद 14 नवंबर 2019 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 3:2 के बहुमत से इस मुद्दे को बड़े संविधान पीठ के पास भेज दिया।

चिंतन

मध्यपूर्व में युद्धविराम दुनिया को देगा राहत

मध्यपूर्व की बारूदी जमीन पर 40 दिन तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम निस्संदेह दुनिया के लिए राहत की सांस लेकर आया है। यह विराम केवल गोलियों और मिसाइलों की खामोशी भर नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और आम आदमी की रसोई तक फैले संकट से अस्थायी निजात का संकेत भी है। सवाल यह है कि क्या यह युद्धविराम स्थायी शांति की प्रस्तावना है या सिर्फ एक खतरनाक संघर्ष का छोटा सा 'पॉज'? हालांकि उम्मीद की जा सकती है कि अब दुनिया को कुछ राहत मिलेगी। इससे तेल, गैस, उर्वरकों और खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। ईरान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिद्द ने पूरी दुनिया को संकट में धकेल दिया था। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से इस लड़ाई की आंच लोगों की रसोई तक पहुंच गई थी। श्रमिकों, व्यापारियों और आमजन समेत हर वर्ग पर इसका व्यापक असर साफ देखा गया था। तेल, रसोई गैस और उर्वरक तक महंगे हो गए थे। होर्मुज खुलने से तेल, गैस और खाद्य पदार्थ आसानी से लोगों तक पहुंच सकेंगे। उम्मीद की जा सकती है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाएंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने वैश्विक तेल आपूर्ति को हिला दिया था। तेल, गैस और उर्वरकों की कीमतों में उछाल ने विकासशील देशों की कमर तोड़ दी। भारत जैसे कृषि-प्रधान देश में इसका सीधा असर खेत और रसोई दोनों पर दिखा। महंगे उर्वरकों ने किसानों की लागत बढ़ाई तो रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की कीमतों ने आम आदमी की थाली को प्रभावित किया। ऐसे में यह युद्धविराम आर्थिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इससे तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद जगी है, जिससे महंगाई पर कुछ अंकुश लग सकता है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे बड़े कृषि उत्पादक देशों के लिए यह राहत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उनकी उर्वरक जरूरतें खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर हैं। यदि आपूर्ति बहाल रहती है, तो आगामी कृषि सत्र अपेक्षाकृत स्थिर रह सकता है, लेकिन इस राहत के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह युद्धविराम किसी स्थायी समाधान का परिणाम नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी का उत्पाद है। अमेरिका में चुनावी दबाव, इज़राइल की सैन्य रणनीति और ईरान की क्षेत्रीय पकड़ इन सबके बीच यह समझौता हुआ है। यह शांति की इच्छा से ज्यादा, थकान और दबाव का समझौता प्रतीत होता है।सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह युद्धविराम केवल दो सप्ताह के लिए है। इतने कम समय में दशकों पुराने अविश्वास, वैचारिक टकराव और सामरिक प्रतिस्पर्धा को खत्म करना लगभग असंभव है। पूरे घटनाक्रम में एक और महत्वपूर्ण पहलू है क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका। पाकिस्तान के जरिए हुई मध्यस्थता ने भले ही अस्थायी राहत दिलाई हो, लेकिन यह भी साफ है कि बिना व्यापक और ईमानदार कूटनीतिक प्रयासों के स्थायी समाधान संभव नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक शक्तियों को इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए। कहा जा सकता है कि अगर इस अवसर को गंभीर कूटनीतिक पहल, आपसी विश्वास निर्माण और दीर्घकालिक रणनीति से नहीं जोड़ा गया, तो यह केवल एक विराम बनकर रह जाएगा, जिसके बाद संघर्ष और अधिक तीव्रता के साथ लौट सकता है। दुनिया को अब युद्धविराम से आगे बढ़कर शांति की स्थायी इबारत लिखनी होगी। इसके लिए सभी शक्तिशाली देश प्रयास करें।

महिला आरक्षण बिल

नरेंद्र मोदी

नारी शक्ति का सशक्तिकरण जरूरी

16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं।

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है।

हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की

भागीदारी को मजबूती दी है। ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आर्थिकी

अनिरुद्ध प्रताप सिंह

बाजार की चाल, अस्थिर रुपया और आरबीआई की सीमाएं

पिछले कुछ समय से वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव, विशेषकर ईरान-अमेरिका–इजराइल के बीच जारी संघर्ष ने भारत की अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित किया है और इसका सबसे स्पष्ट असर रुपये पर देखने को मिला है। पिछले दो हफ्तों में रुपये का व्यवहार लगभग वैसा ही रहा है जैसा आर्थिक सिद्धांत बताते हैं, यानी जैसे-जैसे जोखिम बढ़ा, पूंजी बाहर निकली, तेल महंगा हुआ और घरेलू मुद्रा दबाव में आ गई। रुपये में आई तेज गिरावट केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह उस गहरे असंतुलन का संकेत है, जो वैश्विक और घरेलू कारकों के मिलन से पैदा हुआ है। यह स्थिति इस बात को भी उजागर करती है कि जब बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी तेजी से बाहर निकलती है, तो भारत का भुगतान संतुलन उतना मजबूत सुरक्षा कवच नहीं रह जाता, जितना सामान्य परिस्थितियों में माना जाता है। इस घटनाक्रम की शुरुआत ऊर्जा बाजार से हुई। युद्ध के कारण तेल की आपूर्ति पर खतरा बढ़ा और कीमतों में तेजी आई। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं, उन्हें अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसी के साथ विदेशी निवेशकों का भरोसा भी डगमगाया और उन्होंने भारतीय बाजारों से पैसा निकालना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप डॉलर की उपलब्धता और कम हो गई, जिससे रुपये पर दोहरा दबाव पड़ा। यह वही स्थिति है, जिसे अर्थशास्त्र में मांग और आपूर्ति के सरल सिद्धांत से समझाया जाता है-जब डॉलर की मांग बढ़ती है और आपूर्ति घटती है, तो उसकी कीमत बढ़ती है और रुपया गिरता है। 30 मार्च आते-आते यह स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि रुपया अपने इतिहास के सबसे कमजोर स्तर के करीब पहुंच गया, दिन के दौरान लगभग 95 प्रति डॉलर तक फिसल गया। पूरे वित्तीय वर्ष में रुपये में लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट यह दिखाती है कि यह केवल अल्पकालिक उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक दबाव है। असली कहानी केवल स्पॉट रेट की नहीं है, बल्कि उस व्यापक वित्तीय अस्थिरता की है जो इसके पीछे काम कर रही थी। जैसा कि हम जानते हैं कि जब भूराजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो उसका असर केवल शेयर बाजार या मुद्रा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी वित्तीय प्रणाली में फैल जाता है। विदेशी मुद्रा बाजार में यह अस्थिरता सबसे पहले दिखाई देती है, जहां रुपये और डॉलर की कीमतें तेजी से बदलने लगती हैं। बैंक और डीलर इस जोखिम को संभालने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे इसे स्प्रेड यानी खरीद और बिक्री के दाम के अंतर के रूप में ग्राहकों पर डाल देते हैं। सामान्य समय में यह अंतर बहुत कम होता है, लेकिन जब बाजार में घबराहट बढ़ती है, तो यही स्प्रेड बढ़ जाता है और हर लेन-देन महंगा हो जाता है। इस बार स्थिति और जटिल इसलिए हो गई है, क्योंकि बाजार में असंतुलन बहुत बढ़ गया है। सामान्यतः भारत के अंदर और विदेशों में रुपये की कीमत लगभग समान रहती है, लेकिन जब इन दोनों के बीच अंतर बढ़ने लगे, तो यह बाजार में गड़बड़ी और अनिश्चितता का संकेत होता है। इसी अंतर का फायदा उठाने के लिए ट्रेडर्स सक्रिय हो गए और आर्बिट्राज के जरिए लाभ कमाने लगे। 30 मार्च को डॉलर-रुपया बाजार में कुल लेन-देन लगभग 302 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो असामान्य रूप से अधिक था। इस पूरे तंत्र के केंद्र में एक असहज सच्चाई भी है-विदेशी मुद्रा बाजार केवल अस्थिरता को झेलता ही नहीं, बल्कि उससे लाभ भी कमाता है। बैंक और वित्तीय संस्थाएं बढ़ते स्प्रेड के जरिए ज्यादा मुनाफा कमाती हैं। इसके अलावा, उनके ट्रेजरी डेस्क भी बाजार की दिशा पर दांव लगाते हैं, जिसे तकनीकी रूप से जोखिम प्रबंधन कहा जाता है, लेकिन वास्तविकता में यह भी एक प्रकार की सट्टेबाजी होती है। ऑनशोर बाजार और ऑफशोर नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) के बीच का अंतर इस खेल को और बढ़ाता है। युद्ध, पूंजी का तेज बहिर्वाह, डॉलर की मजबूती और वैश्विक बाजारों की अस्थिरता जैसी स्थितियों से मुकाबले के लिए आरबीआई के पास सीमित उपकरण हैं, जैसे ब्याज दरों में बदलाव या विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग। जब बाहरी दबाव बहुत अधिक होता है, तो ये उपाय पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाते। यही कारण है कि आज का संकट केवल नीति की विफलता नहीं, बल्कि एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था का परिणाम है, जिसमें राष्ट्रीय संस्थाओं की सीमाएं स्पष्ट हो जाती हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल अल्पकालिक हस्तक्षेप पर्याप्त नहीं, बल्कि एक मजबूत, पारदर्शी और गहरे घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार का निर्माण करना होगा, ताकि बाहरी झटकों का असर प्रभावी ढंग से कम किया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्वास जीवन की पहली और आखिरी क्रिया

संकलित

दर्शन

क्या आपने कभी गिना है कि एक मिनट में आप कितनी बार श्वास लेते हैं? श्वास जीवन की पहली और अंतिम क्रिया है। पूरे जीवन भर हम श्वास लेते रहते हैं, पर उस पर ध्यान नहीं देते। शरीर की लगभग 90 प्रतिशत अशुद्धियाँ श्वास से बाहर निकलती हैं, क्योंकि हम 24 घंटे श्वास लेते हैं, पर अपनी फेफड़ों की क्षमता का केवल 30 प्रतिशत ही उपयोग करते हैं। एक मिनट में हम लगभग सोलह-सत्रह बार श्वास लेते हैं। यदि आप चिंतित हैं तो यह बीस तक बढ़ सकती है, यदि आप क्रोध या अत्यधिक तनाव में हैं तो यह पच्चीस तक जा सकती है। शांत और प्रसन्न होने पर यह लगभग 10 रहती है और ध्यानावस्था में केवल दो-तीन श्वास प्रति मिनट। गहरा ध्यान श्वास की गति को अत्यंत धीमा कर देता है। मन पतंग के समान है और श्वास उसकी डोर। पतंग जितनी ऊंची उड़ानी हो, डोर उतनी लंबी चाहिए। यदि आप श्वास पर ध्यान देना सीख लें, तो किसी औषधि की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। श्वास अपार ऊर्जा प्रदान करती है और प्राणशक्ति को बढ़ाती है। ऊर्जा के चार स्रोत बताए गए हैं- भोजन, नींद, प्राणायाम (सुदर्शन क्रिया) और ध्यान में बिताए गए क्षण। इन सबका संतुलन समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। सुदर्शन क्रिया के लयबद्ध श्वास-प्रवाह से शरीर की विषाक्तता घटती है और मन में शांति बढ़ती है। शोध से यह प्रमाणित हुआ है कि सुदर्शन क्रिया रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है।

मानव धर्म ही सर्वोपरि

संकलित

प्रेरणा

एक विदेशी को अपराधी समझ जब राजा ने फांसी का हुक्म सुनाया तो उसने अपशब्द कहते हुए राजा के विनाश की कामना की। राजा ने अपने मंत्री से, जो कई भाषाओं का जानकार था, पूछा- यह क्या कह रहा है? मंत्री ने विदेशी की गालियां सुन ली थीं, किंतु उसने कहा- महाराज! यह आपको दुआएं देते हुए कह रहा है- आप हजार साल तक जिएं। राजा यह सुनकर बहुत खुश हुआ, लेकिन एक अन्य मंत्री ने जो पहले मंत्री से ईर्ष्या रखता था, आपत्ति उठाई- महाराज! यह आपको दुआ नहीं गालियां दे रहा है। वह दूसरा मंत्री भी बहुभाषी था। उसने पहले मंत्री की निंदा करते हुए कहा- ये मंत्री जिन्हें आप अपना विश्वासपात्र समझते हैं, असत्य बोल रहे हैं। राजा ने पहले मंत्री से बात कर सत्यता जाननी चाही, तो वह बोला- हां महाराज! यह सत्य है कि इस अपराधी ने आपको गालियां दीं और मैंने आपसे असत्य कहा। पहले मंत्री की बात सुनकर राजा ने कहा- तुमने इसे बचाने की भावना से अपने राजा से झूठ बोला। मानव धर्म को सर्वोपरि मानकर तुमने राजधर्म को पीछे रखा। मैं तुमसे बेहद खुश हुआ। फिर राजा ने विदेशी और दूसरे मंत्री की ओर देखकर कहा- मैं तुम्हें मुक्त करता हूं। निर्दोष होने के कारण ही तुम्हें इतना क्रोध आया कि तुमने राजा को गाली दी और मंत्री महोदय तुमने सच इसलिए कहा- क्योंकि तुम पहले मंत्री से ईर्ष्या रखते हो। ऐसे लोग मेरे राज्य में रहने योग्य नहीं। तुम इस राज्य से चले जाओ।

अंतर्मन

आज की पाती

पौधे रोपना कितना जरूरी?

आज हमें जो पेड़ों से फल और जीने के लिए मुफ्त की ऑक्सीजन मिल रही है, और इन पेड़ों को हमारे पूर्वजों और बुजुर्गों ने लगाया था। सोचो! अगर उन्होंने अपने समय में पौधे न लगाए होते तो आज हमें बहुत से पेड़ न नजर आते। और उन्होंने भी अगर आज की तरह पेड़ धड़ाधड़ काटे होते तो आज हमारा देश, जोकि प्राकृतिक सौंदर्य का खजाना माना जाता है, यहां रेगिस्तान ही रेगिस्तान नजर आते। अगर हमें अपनी भावी पीढ़ी को पेड़ों से मिलने वाली मुफ्त ऑक्सीजन का तोहफा देना है तो हमें भी जहां भी जगह मिले, वहां पौधे लगाने चाहिए और जब भी कोई घर, फैक्टरी या अन्य किसी भी प्रकार का निर्माण करें तो अपने यहां एक-दो पौधे लगाने की जगह जरूर छोड़नी चाहिए।

– मुकेश देवांगन, बलौदाबाजार

ट्रेंड

बिना गारंटी के ऋण

मोदी सरकार के नेतृत्व में, छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप्स को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराकर, स्वरोजगार और लघु उद्योगों को नई शक्ति प्रदान की गई है। इस कल्याणकारी योजना के तहत 40 लाख करोड़ से अधिक मूल्य के 58 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

किसानों का दर्द

किसानों का दर्द वही लोग सही मायने में समझ सकते हैं जिन्होंने स्वयं खेतों में पसीना बहाया हो। हमारा संकल्प है कि 2027 तक राजस्थान के हर जिले के किसानों को दिन के समय बिजली मिलेगी।

-भजनलाल, सीएम, राजस्थान

चुनाव आयोग

अब यह कहने की भी जरूरत नहीं है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारों पर काम कर रहा है और भाजपा से सीधे निर्देश ले रहा है। यह बात अब सबके सामने आ चुकी है और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

युद्धविराम का स्वागत

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम स्वागत योग्य कदम है। आशा है कि इन दिनों में समझदारी से काम लिया जाएगा और हम स्थायी शांति की ओर बढ़ेंगे। बच्चों को संभावनाओं से भरा भविष्य मिलना चाहिए, न कि विनाश से।

-कैलाश सत्यार्थी, नोबल पुरस्कार विजेता

करंट अफेयर

ग्रामीण भारत में 46% लोग भूमिहीन : रिपोर्ट

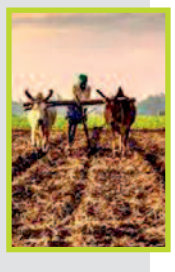

देश के ग्रामीण इलाकों में शीर्ष 10 प्रतिशत परिवारों के पास 44 प्रतिशत जमीन है, जबकि 46 प्रतिशत भूमिहीन हैं। 'वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब' के एक अध्ययन में यह बात कही गई है। 'भारत में भूमि असमानता : प्रकृति, इतिहास एवं बाजार' शीर्षक वाले इस कार्य-पत्र में कहा गया है कि ग्रामीण भारत में शीर्ष पांच प्रतिशत परिवार 32 प्रतिशत जमीन के मालिक हैं, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत परिवारों के पास 18 प्रतिशत कृषि भूमि है। यह अध्ययन नितिन कुमार भारती, डेविड ब्लेकस्ली और समरीन मलिक ने संयुक्त रूप से किया है। अध्ययन में करीब 65 करोड़ लोगों और 2.7 लाख गांवों के भूमि आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण स्तर पर भूमि असमानता का औसत गिनी सूचकांक (0 से 100 के पैमाने पर) भूमिहीन परिवारों को शामिल करने पर 71 तक पहुंच जाता है जबकि 46 प्रतिशत ग्रामीण परिवार पूरी तरह भूमिहीन हैं। अध्ययन रिपोर्ट कहती है कि औसतन किसी गांव में सबसे बड़ा जमींदार लगभग 12 प्रतिशत जमीन नियंत्रित करता है, जबकि कुछ गांवों में एक ही व्यक्ति के पास आधे से अधिक कृषि भूमि है। राज्यों के बीच असमानता के स्तर में भी बड़ा अंतर देखा गया है, जो वैश्विक स्तर पर देशों के बीच पाए जाने वाले अंतर के लगभग बराबर है।

ऑफ बीट

ब्यूटी पार्लर में बाल धुलवाने से बीपीएसएस का खतरा

थकान मिटाने, 'फील गुड' करने और बालों की चमक बढ़ाने के लिए लोग अक्सर हेयर स्पा का सहारा लेते हैं। हालांकि, ब्यूटी पार्लर या सैलून में हेयर

स्पा की प्रक्रिया के बाद बालों की धुलाई 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' (बीपीएसएस) नाम की एक गंभीर दुर्लभ स्वास्थ्य जटिलता का कारण बन सकती है। विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि ब्यूटी पार्लर या सैलून में बालों की धुलाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'बैकवॉश बेसिन' पर एक विशेष कोण पर सिर टिकाकर बैठने या लेटने से न सिर्फ गर्दन में दर्द और चोट की समस्या उभर सकती है, बल्कि कुछ मामलों में व्यक्ति के स्ट्रोक का भी शिकार होने का खतरा रहता है। अमेरिकी न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. माइकल वेनट्रॉब ने 1993 में पहली बार बीपीएसएस की पहचान की थी। उन्होंने पाया था कि स्ट्रोक से जुड़े गंभीर लक्षणों से जूझ रहे उनके कुछ मरीजों में ब्यूटी पार्लर या सैलून में बालों में शैंपू कराने के बाद ये समस्याएं उभरी थीं। स्ट्रोक एक तरह का मस्तिष्काघात है, जो मस्तिष्क में खून का प्रवाह घटने पर होता है। यह आमतौर पर मस्तिष्क में प्रमुख रक्त वाहिका में खून का थक्का जमने या उसके फटने के कारण होता है, जिससे कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, ग्लूकोज व अन्य पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं और वे दम तोड़ देती हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

कॉकटेल-2 के गाने जब तलक का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2 बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। मेकर्स थोड़े-थोड़े टाइम पीरियड में फिल्म से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इस बीच बुधवार कोभी उन्होंने फिल्म के गाने 'जब तलक'का लुक शेयर किया है। मेकर्स के साथ फिल्म के एक्टर्स ने भी इस गाने का लुक शेयर किया। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर कर लिखा- 'इस समर और भी ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है।'गाने के क्लिप में तीनों एक्टर्स काफी कूल लुक में नजर आए, साथ ही इंजॉए करते हुए और पार्टी करते दिखाई दिए।

लाइफ Style

मृणाल

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

एजेंसी ⏭ मुंबई

'धुरंधर 2' को लेकर रणवीर सिंह को लोगों से काफी प्यार मिल रहा है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी एक्टर की जमकर तारीफ की है और उनको लेकर बड़ा स्टेटमेंट दिया है। हाल ही में मृणाल ठाकुर रणवीर इलाहबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची थी।

मृणाल ने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा'के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है, क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।'बता दें कि रणवीर सिंह ने धुरंधर में हमजा का किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ कमाई की। फिल्म ने भारत में कुल 1,033.37 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,641.21 करोड़ का हो गया है।

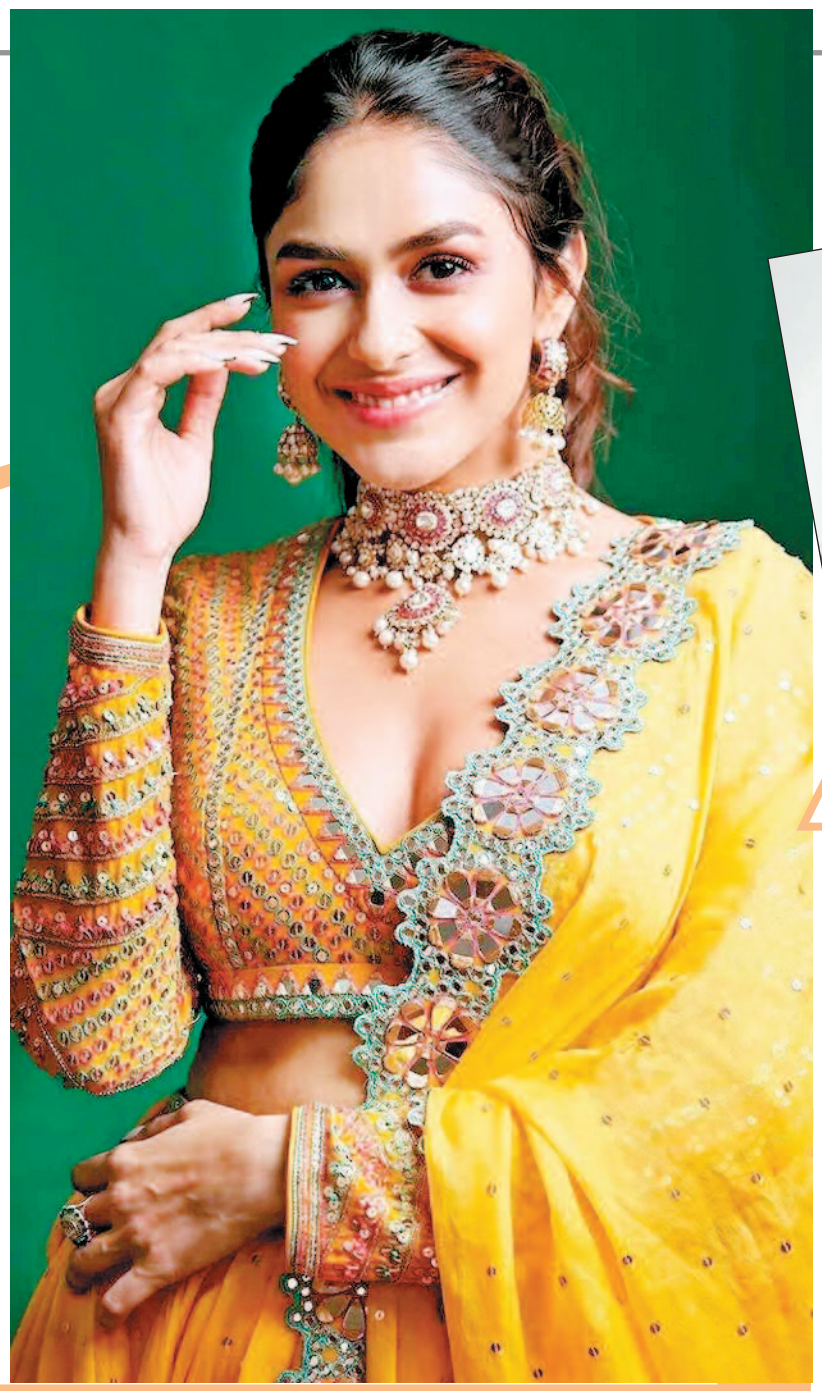

हॉलीवुड मसाला

जस्टिन के साथ शेयर की क्यूट तस्वीर

लॉस एंजिल्स। अपने गानों से सभी का दिल जीत चुकीं अमेरिकी सिंगर कैथरीन एलिजाबेथ उर्फ कैटी पेरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। कैटी ने अपनी इस नई पोस्ट में कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ अपनी खास तस्वीरें शेयर कर फैंस को फिर से सरप्राइज कर दिया है। कैटी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'कभी नहीं सोचा था कि कर्म इतना फलदायी हो सकता है।'

द डेविल वियर्स प्राडा 2 का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का फाइनल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दूसरे पार्ट में भी कई पुराने किरदारों नजर आ रहे हैं, जो पहली फिल्म का पार्ट थे। मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे 20 साल बाद इस फिल्म में साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मेरिल स्ट्रीप का किरदार इस बार भी नामी फैशन मैगजीन से जुड़ी हैं, लेकिन उनके किरदार को एक स्कैंडल का शिकार हो गया है। इस मुश्किल में ऐनी हैथवे का किरदार उनकी मदद के लिए आगे आता है। बता दें कि पहले पार्ट में एनी और मेरिल के किरदारों के बीच तीखी नोक-झोंक दिखी थी, जो इस बार भी देखने को मिल रही है। फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' में मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे के अलावा एमिली ब्लंट, स्टेनली टुकी, ट्रेसी थॉमस और टिबोर फेल्डमैन भी वापसी कर रहे हैं।

जिंदगी की तलाश गाने को सुनने के बाद खूब रोया था दुबई का असली डॉन...

नई दिल्ली। गीतकार समीर अनजान ने एक ऐसा गाना लिख दिया था जिसे सुनने के बाद दुबई का डॉन बहुत रोया था। रात भर रोने के बाद समीर को किया था फोन। ये था वो गाना जिसने असली डॉन तक को रुला दिया। गाना आज भी दिल छू जाता है। हिंदी सिनेमा में कई फिल्में डॉन पर बनाई गई हैं। अक्षय कुमार, अजय देवगन जैसे एक्टर्स ने माफिया डॉन के किरदार निभाकर ऑडियंस को खुश कर दिया है। कई फिल्मों में डॉन के अलग-अलग रूप को दिखाया, उनपर गाने भी बने। लेकिन क्या आपको पता है एक गाने के लिए असली माफिया डॉन इतना दीवाना हो गया था कि उसने गाना लिखने वाले गीतकार को सोने से लादने की बात कह दी थी। ये गीतकार हैं समीर अनजान। कई खूबसूरत गाने लिखने वाले समीर ने एक गाना डॉन की जिंदगी पर भी लिखा था। लेकिन, उन्हें नहीं पता था कि फिल्म की कहानी पर लिखा गया ये गीत असली डॉन के दिल को छू जाएगा।

समीर को डॉन ने किया था फोन

माफिया डॉन ने समीर को सुबह के 4 बजे फोन किया और जो कहा उसने उन्हें हैरान कर दिया। समीर कहते हैं कि उस डॉन ने उस समय शराब पी रखी थी। और कहा आप दुबई आ जाओ। मैं आपको सोने से लाद के भेजूंगा। ये सुनते ही समीर ने हैरानी से पूछा कि क्या हुआ, लेकिन डॉन ने फिर कहा कि आप आ जाओ। गीतकार ने उनसे वादा किया कि वो जरूर आएंगे। लेकिन, पहले वजह तो बताइए। समीर ने बताया कि डॉन ने उनसे कहा कि सर आपने एक ऐसा गाना लिख दिया है जिसकी दो लाइन में आपने मेरी पूरी जिंदगी कह दी। वो गाना सुना और रात भर मैं रोया हूं और रात भर दारू पी है और मैंने कहां-कहां से आपका नंबर अरेंज किया, जबकि मैं डायरेक्ट कभी किसी को फोन करता नहीं। मगर, मैंने बोला कि कुछ भी हो जाए आज तो मैं बात करूंगा ही। ये डॉन के शब्द थे।

फिल्म की सिचुएशन पर था गाना

समीर ने बताया कि उन्होंने फिल्म साथी के लिए एक गाना लिखा था 'जिंदगी की तलाश में हम मौत के कितने पास आ गए। जब ये सोचा तो घबरा गए हम कहां थे कहां आ गए'। इस गाने को सुनने के बाद डॉन खूब रोया और समीर को फोन किया। फिल्म में भी ये गाना एक डॉन के किरदार पर बेस्ड था। लेकिन, इसके मुखड़े भर ने डॉन को रुला दिया। ये किस्सा समीर अनजान आज तक नहीं भूल पाए हैं। उन्होंने फिल्म की सिचुएशन पर गाना लिखा था, लेकिन नहीं सोचा था कि कोई असली डॉन भी इससे प्रभावित हो जाएगा।

श्री बाबा नीम... में बने करोली महाराज

मुंबई। नीम करोली बाबा की जिंदगी पर कई फिल्में बन रही हैं। इनमें से एक फिल्म है 'श्री बाबा नीम करोली महाराज'। इसका टीजर बुधवार को रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होगी। इसमें अभिनेता सुबोध भावे नीम करोली बाबा का किरदार निभा रहे हैं। टीजर की शुरुआत सुबोध भावे की एंट्री से होती है, जो नीम करोली बाबा के रूप में गहरी समाधि में बैठे दिख रहे हैं। फिर उनकी आवाज सुनाई देती है- 'ये देख, मैं आ गया हूं तेरे लिए। इसी दिन का इंतजार था ना तुझे? देख, मैं तेरे सामने खड़ा हूं।' टीजर में राजेश शर्मा को भी हाथ जोड़ते हुए दिखाया गया है। सुबोध भावे एक अभिनेता, लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं। वह मुख्य रूप से मराठी फिल्मों में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने साल 2000 में टीवी से शुरुआत की। उन्होंने गीत रामायण, अवंतिका और कुलवधू जैसे सीरियल किए। 2002 से मराठी फिल्मों में काम किया। उनकी कुछ चर्चित फिल्मों में मन पखारू पखारू, रणभूल, अनुमती, फुगे, हृदयांतर, बालगंधर्व, लोकमान्य शामिल हैं।

टीवी मसाला

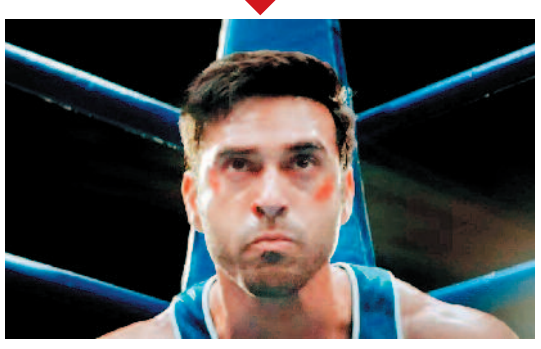

पुलकित इस बार रोमांस छोड़ लगाएंगे बॉक्सिंग का पंच...

मुंबई। पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी'का टीजर बुधवार को सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित 'ग्लोरी' का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है। करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित 'ग्लोरी' में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'धुरंधर' फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित 'ग्लोरी'1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए 'ग्लोरी' काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार 'राहु केतु' में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'साली मोहब्बत' में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म 'पेद्दी' भी शामिल है।

'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण-पूजा का दिखा रोमांटिक अंदाज

मुंबई। वरुण धवन और पूजा हेगड़े की नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' कथित तौर पर मई महीने में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन, रिलीज से पहले वरुण धवन ने फिल्म की शूटिंग की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरुण और पूजा नदी के किनारे रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। जिस पर जान्हवी कपूर ने एक खास कमेंट किया है। इस तस्वीर के साथ वरुण धवन ने कैप्शन में लिखा, 'इश्क सिर्फ एक बार होता है।' वरुण की इस तस्वीर पर जान्हवी कपूर ने मजाकिया कमेंट किया। जान्हवी ने लिखा, 'लेकिन आप कैप्शन में क्यों चिल्ला रहे हैं?' जान्हवी कपूर और वरुण धवन पहले 'बवाल' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का शीर्षक फिल्म 'बीवी नंबर 1' के गाने 'इश्क सोना है' से लिया गया है, जिसमें सलमान खान और सुष्मिता सेन ने अभिनय किया था। तस्वीर के

बैकग्राउंड में 1999 की पुरानी फिल्म 'इश्क सोना है' का गाना बज रहा है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश से वरुण के साथ गंगा आरती की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे। फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पूजा हेगड़े की आखिरी फिल्म 'देवा' थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। वरुण धवन आखिरी बार 'बॉर्डर 2' में नजर आए थे।

'तुम हो ना' से टीवी पर वापसी करेंगे राजीव

नई दिल्ली। एक बिल्कुल नया रियलिटी गेम शो 'तुम हो ना' आने वाला है। इस शो को 'कहीं तो होगा' फेम राजीव खंडेलवाल होस्ट करेंगे। इस शो को लेकर राजीव ने खास बाते बताई हैं। राजीव खंडेलवाल ने कहा, 'कई साल में मुझे कई तरह के रोल ऑफर मिले। कुछ प्रयोगात्मक थे तो कुछ बहुत अलग-अलग। लेकिन, मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी और वही काम चुना जो मुझे सच में मायने रखता हो। 'तुम हो ना' शो के साथ टीवी पर वापसी करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं एक बहुत सुंदर शो लेकर आ रहा हूं जो मेरे दिल के बहुत करीब है।' यह शो जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर शुरू होगा। राजीव खंडेलवाल ने मुख्य रूप से 5 से अधिक प्रमुख टीवी रियलिटी शो और टॉक शोज को होस्ट किया है। उनके चर्चित होस्टिंग प्रोजेक्ट्स में डील या नो डील (2006), सच का सामना (सीजन 1 और 2), सुपर कार्स, माय एंडेवर (2013), और जज्बात (2018) शामिल हैं। उन्होंने 2016 में द लीजेंड ऑफ जगन्नाथ' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी होस्ट की है। राजीव खंडेलवाल एक भारतीय फिल्म और टेलीविजन अभिनेता और होस्ट हैं, जिन्होंने कहीं तो होगा (2003-2005) से घर-घर में पहचान बनाई।

सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में डॉक्टर देव का किरदार इकबाल खान निभा रहे हैं। सीरियल में वे काफी फिट दिखते हैं। यहां शेयर कर रहे हैं अपना फिटनेस फंडा अपनी ही जुबानी।

कितना भी बिजी क्यों न रहूं वर्कआउट जरूर करता हूं

फिटनेस फंडा
इकबाल खान

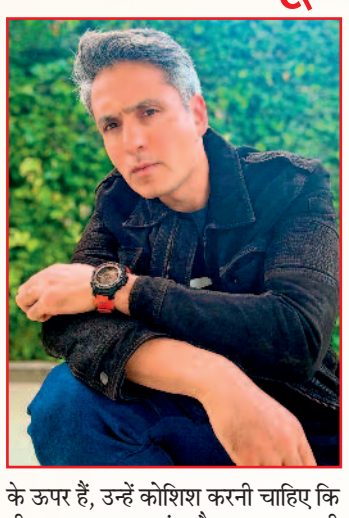

एक्टर इकबाल खान अपनी एक्टिंग के साथ फिटनेस पर भी पूरा ध्यान देते हैं। जिस तरह सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में अपने रोल को परफेक्ट बनाने के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ते, उसी तरह अपनी फिटनेस को भी मेंटेन करने के लिए सभी एफर्ट करते हैं। यहां जानिए उनका फिटनेस फंडा।

डाइट प्लानः मेरा बेसिकली कोई तय डाइट प्लान नहीं होता है। मुझे जिस किस्म की आवश्यकता होती है, मैं वैसे डाइट प्लान कर लेता हूं। मैं अपने आप को किसी चीज या काम से महरूम नहीं करता। थोड़ा-थोड़ा सब कर लेता हूं। उसी तरह थोड़ा-थोड़ा खा लेता हूं सब कुछ। जैसी आवश्यकता होती है, वैसी ही डाइट लेता हूं।

वर्कआउट रुटीनः मैं स्कूल के दिनों से ही वर्कआउट करता आ रहा हूं। मैं सिर्फ इसलिए डेली वर्कआउट नहीं करता कि मैं एक एक्टर हूं, ये आदत तो बचपन से ही मेरे अंदर बसी हुई है। मैं बेसिकली वेट ट्रेनिंग करता हूं और हफ्ते में पांच से छह दिन जिम जाता हूं। हालांकि रमजान के दौरान मैं वर्कआउट नहीं करता। बाकी दिनों में ज्यादातर फोकस वेट्स पर ही रहता है। जहां तक कार्डियो एक्सरसाइज की बात है तो सच कहूं तो मुझे उसे करने में बिल्कुल मजा नहीं आता है। मुझे पता है कि कार्डियो बहुत अच्छी एक्सरसाइज होती है, लेकिन वो मुझसे हो नहीं पाता है।

जरूर निकालता हूं टाइमः एक्टिंग की वजह से या पर्सनल वर्क से चाहे मैं कितना भी बिजी रहूं, लेकिन वर्कआउट के लिए वक्त तो निकालना ही पड़ता है। मुझे सुबह उठना ज्यादा ठीक लगता है, इसलिए मैं सुबह-सुबह ही अपना वर्कआउट खत्म कर लेता हूं। इससे पूरा दिन भी अच्छा गुजरता है, मैं फ्रेश और एनर्जेटिक फील करता हूं। इसलिए काम पर निकलने से पहले ही मैं अपना वर्कआउट कंप्लीट कर लेता हूं।

रीडर्स को मैसेजः हरिभूमि के रीडर्स और अपने फैंस को मैं यही फिटनेस फंडा देना चाहूंगा कि जो लोग अपनी ट्वेंटीज में हैं, वो अच्छा खाना खाएं और थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाएं। कभी-कभी थोड़ा ज्यादा भी हो जाए तो चलेगा। जो लोग थर्टीज में हैं, उन्हें मीठा थोड़ा कम खाना चाहिए और तला हुआ भी कम करना चाहिए। बाकी अच्छा और बैलेंस्ड खाना खाते रहें। और जो 40 के ऊपर हैं, उन्हें कोशिश करनी चाहिए कि मीठा बहुत कम खाएं, और अगर खाना ही है तो नेचुरल सोर्स से लें। तला हुआ खाना बिल्कुल अवॉइड करें और हफ्ते में कम से कम तीन बार वर्कआउट जरूर करें। ये बहुत जरूरी है, इससे आपका हार्ट, मसल्स और जॉइंट्स सब अच्छे रहते हैं। ये भी जरूरी नहीं है कि बहुत भारी वेट्स ही उठाएं। नॉर्मल वेट्स में, जहां आपका मसल्स सही से काम करें, वही काफी है। सबसे जरूरी है कि आप नियमित रूप से वर्कआउट करें। और खाने के मामले में सबसे जरूरी बात यह है कि सीमित मात्रा में खाना चाहिए, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि जैसे पता नहीं कल खाना मिलेगा या नहीं, इसलिए आज ही अधिक से अधिक खा लो।

मेंटल हेल्थ ऐसे रहती है सहीः जब हम छोटे थे, तब मानसिक स्वास्थ्य जैसी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन अब इसके प्रति काफी जागरुकता बढ़ गई है। मेरे शो 'हुई गुम यादें' में मेरा किरदार डॉ. देव भी इसी पहलू को दर्शाता है, जहां उसकी जिंदगी के उतार-चढ़ाव उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और वह इन भावनाओं से जूझते हुए खुद को संभालने की कोशिश करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक ही बात जो मेरे दिमाग में आती है कि वो ऊपर वाला है, जिसने पूरी कायनात बनाई है, जो चला रहा है उसके संपर्क में हमेशा रहिए। उसके संपर्क में रहने से जादुई असर होता है। जब हम ऊपर वाले को अपने साथ महसूस करते हैं तो कभी मन निराश, हताश नहीं होता। जिंदगी बहुत अच्छी गुजरती है। चूंकि हम सब वहीं से आए हैं और वहीं जाएंगे तो उसके टच में रहना सबसे अच्छा है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. सुषमा शर्मा
प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी
मैरेंगो एशिया अस्पताल, फरीदाबाद

स्पेशलः वर्ल्ड पार्किंसंस-डे, 11 अप्रैल

पूरी दुनिया में लगभग एक करोड़ से अधिक लोग पार्किंसंस डिजीज से ग्रस्त हैं। यह ओल्ड एज में होने वाला एक सीरियस न्यूरोलॉजिकल रोग है। इसमें पेशेंट का मूवमेंट और बॉडी फंक्शनिंग प्रभावित होती है। लेकिन सही ट्रीटमेंट और सपोर्टिव डाइट हैबिट, लाइफस्टाइल से इसे मैनेज किया जा सकता है। इस बारे में जानिए।

बुजुर्गों को होने वाला सीरियस न्यूरोलॉजिकल डिजीज है पार्किंसंस

पार्किंसंस रोग एक न्यूरोलॉजिकल (नर्वस सिस्टम) डिजीज है। यह मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो शारीरिक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।

क्या है पार्किंसंस रोग

इस रोग का कारण मस्तिष्क के एक खास हिस्से (सबस्टेंटिया निग्रा) में डोपामिन उत्पादक न्यूरॉन्स या सेल्स का धीरे-धीरे कमजोर या नष्ट हो जाना है। जो मुख्य रूप से डोपामिन नामक केमिकल का उत्पादन और स्राव करते हैं। जिसकी वजह से शरीर में डोपामिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर की कमी हो जाती है।

डोपामिन एक प्रकार का केमिकल है, जो दिमाग से पूरे शरीर और शरीर से दिमाग तक सिग्नल लेकर जाता है। शरीर के अन्य अंगों को कंट्रोल में रखता है और शरीर की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। डोपामिन केमिकल का स्तर कम होने पर दिमाग के सिग्नल शरीर के विभिन्न हिस्सों तक नहीं पहुंच पाते और व्यक्ति पार्किंसन डिजीज की चपेट में आ जाता है।

पार्किंसंस, डिजनरेटिड प्रोग्रेसिव डिसऑर्डर के साथ कंट्रोल की जा सकने वाली बीमारी है। एक बार पार्किंसंस रोग होने पर समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है या जिंदगी भर चलती है। शरीर के विभिन्न अंगों पर नियंत्रण कम होने लगता है। धीरे-धीरे उसकी गति, पॉश्चर और भाषा प्रभावित होने लगती है। जिससे मरीज को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी होने लगती है। ध्यान न दिए जाने पर पार्किंसंस, गंभीर रूप ले सकता है। लेकिन अगर इसका समुचित उपचार, स्वस्थ जीवनशैली और सही देखभाल शुरुआती अवस्था पर शुरू हो जाए, तो मरीज सामान्य जिंदगी जी सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर में पिछले 25 वर्ष में पार्किंसंस के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज द्वारा की गई स्टडी के हिसाब से 2019 तक तकरीबन 8.5 मिलियन से अधिक लोग पार्किंसंस रोग से प्रभावित थे। वर्तमान में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर तकरीबन 10 मिलियन (1 करोड़) से अधिक मरीज के होने तक पहुंच गया है। भारत में भी लगभग 5.76 लाख लोग पार्किंसंस बीमारी के साथ जी रहे हैं। 2050 तक पार्किंसंस के मरीजों की संख्या 25 मिलियन (2.5 करोड़) से अधिक होने की आशंका है।

बुजुर्ग होते हैं अधिक प्रभावित

पार्किंसंस डिजीज आमतौर पर 55-65 साल की उम्र के बीच शुरू होती है। लेकिन 10-15 प्रतिशत मामलों में यह 50 साल से पहले भी हो सकता है, जिसे यंग ऑनसेट पार्किंसंस डिजीज कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों में यह बीमारी महिलाओं की तुलना में 1.5 गुना अधिक देखी जाती है। फैमिली हिस्ट्री के कारण 40 साल से कम उम्र के लोगों में भी पार्किंसंस डिजीज बढ़ने की आशंका रहती है। आनुवांशिक या जीन म्यूटेशंस के कारण कई बच्चों में भी देखी जाती है, जिसे जुबेनाइल पार्किंसंस डिजीज कहते हैं। सिर में चोट लगने, दिमाग में सूजन, ब्रेन हैमरेज, ब्लड क्लॉटिंग, ब्रेन ट्यूमर से नर्वस सिस्टम में हुई क्षति से भी एक्वायर पार्किंसन होने की संभावना रहती है। कई बार कुछ दवाइयों के साइड-इफेक्ट की वजह से भी मरीज में किसी भी उम्र में आ सकती है। विषाक्त पदार्थों, कीटनाशकों और रसायनों के संपर्क में आना पार्किंसंस के जोखिम को बढ़ाता है।

रोग के प्रमुख लक्षणः शुरुआती अवस्था में मरीज के हाथों में झनझनाहट होना, हाथ-पैरों में अनियंत्रित कंपकपी होना खासकर आराम करते हुए भी एक हाथ में कंपन होना, विभिन्न अंगों की मांसपेशियों में अकड़न आना और दर्द महसूस होना जिससे चलने-फिरने में दिक्कत आना, बैलेंस न बना पाने और गिरने का डर रहना, आवाज धीमी हो जाना, सुनने की शक्ति कम होना, कमर आगे की तरफ झुकना, स्लोनेस आना यानी काम करने और चाल में धीमापन आना, बच्चे जैसे छोटे कदम लेकर चलना। समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है- मरीज के बोलने, लिखने की क्षमता में कमी आना, खाना खाने के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना, मनोभ्रम रहना, तनाव, घबराहट रहने के कारण दिनचर्या के काम ठीक तरह न कर पाना। एंग्जाइटी या डिप्रेशन के भी शिकार हो सकते हैं।

कैसे होता है डायग्नोज

व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखें, तो यथाशीघ्र न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर को कंसल्ट करना चाहिए। पार्किंसंस की पुष्टि के लिए क्लीनिकल डायग्नोज किया जाता है। मरीज की केस हिस्ट्री, लक्षण, जांच से पता लगाया जाता है कि मरीज पार्किंसंस की किस अवस्था में है? बीमारी से उसकी दिनचर्या और गतिविधियां कितनी प्रभावित हैं? एमआरआई, सिटी स्कैन भी कराया जाता है।

उपचार के तरीके

मरीज की स्थिति के हिसाब से मेडिकल मैनेजमेंट यानी दवाइयों के जरिए बीमारी मैनेज की जाती है। कोशिश होती है कि मरीज स्वाबलंबी बने, अपने दैनिक कार्य करने योग्य हो और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हों। प्रारंभिक अवस्था में ब्रेन में डोपामाइन को बढ़ाने वाली और पार्किंसंस के लक्षणों को नियंत्रित करने वाली दवाइयां दी जाती हैं। मरीज की फिजियोथेरेपी भी कराई जाती है ताकि उसकी मांसपेशियों की ताकत, बैलेंस और कॉर्डिनेशन में सुधार हो। ऑक्यूपेशनल थेरेपी भी दी जाती है। 8-10 साल बाद दवाइयों का असर कम होने या पार्किंसंस की एडवांस स्टेज में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया भी अपनाई जाती है। मरीज की स्थिति के आधार पर डीप ब्रेन स्टीमुलेशन नामक प्रक्रिया में मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड लगाए जाते हैं, जो पार्किंसंस के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

इन बातों का भी रखें ध्यान

समुचित उपचार के साथ पार्किंसंस के मरीज को स्थिति से उबरने के लिए परिवार और नजदीकी लोगों के पूरे सपोर्ट और देखभाल की जरूरत होती है। जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा दी गई मेडिसिन को समय पर देनी चाहिए। मरीज के लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेते रहना चाहिए। सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। एक्सरसाइज पार्किंसंस में सबसे बेस्ट डिजीज मॉडीफाइंग ट्रीटमेंट मानी जाती है। नियमित व्यायाम, शारीरिक गतिविधियों, डांस, योग और स्ट्रेचिंग से लचीलापन और बैलेंस कायम करने में मदद मिलती है। मरीज को पोषक और संतुलित आहार देना चाहिए। यथासंभव वसायुक्त आहार कम, फाइबर से भरपूर आहार देना चाहिए। यह पाचन तंत्र को सही रखने और वजन नियंत्रित रखने में मददगार है। ताजे फल-सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा आहार में शामिल करना चाहिए। स्वस्थ वसा (जैसे- ओमेगा-3 फैटी एसिड) और प्रोटीन से भरपूर आहार जैसे मछली, अंडे, दालें और नट्स भी फायदेमंद होते हैं। रोगी के हाइड्रेशन का ध्यान रखना चाहिए। पाचन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए रोजाना 6-8 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। तनाव प्रबंधन के लिए मेडिटेशन, योग और अन्य तनाव प्रबंधन तकनीकों को अपनाना सहायक होता है।

डाइट सजेशन
राजकुमार 'दिनकर'

यह तो हम सभी जानते हैं कि ड्राई फ्रूट्स हेल्थ के लिए यूजफुल होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इनको भोजन के ऑप्शन के तौर पर सेवन किया जाए। ड्राई फ्रूट्स का सेवन कब अधिक फायदेमंद होता है, आपको जरूर जानना चाहिए।

तभी होगा फायदेमंद ड्राई फ्रूट्स का सेवन

एक समय ऐसा था जब व्रत, त्योहार में ही लोग ड्राई फ्रूट्स खाया करते थे और इनके पोषण के स्तर को देखते हुए इन्हें ताकत से भरपूर माना जाता था। इसीलिए हमारे पारंपरिक भोजन में बादाम, अखरोट, खजूर, छुहारे, काजू, किशमिश, पिस्ता, अंजीर का भरपूर इस्तेमाल होता था। आजकल ड्राई फ्रूट्स का भोजन में काफी इस्तेमाल होने लगा है।

वेट लॉस में सहायक

आजकल ड्राई फ्रूट्स डाइट का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने और वजन घटाने के लिए भी किया जाता है। फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरे ड्राई फ्रूट्स भूख को नियंत्रित तो करते ही हैं, हमारे मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ाते हैं। वजन घटाने में इनका काफी इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए लोग बादाम, अखरोट और पिस्ते को फाइबर और प्रोटीन के लिए खाते हैं। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ये मेवे हमारे मेटाबॉलिज्म को तीव्र करते हैं। खजूर, किशमिश और अंजीर प्राकृतिक रूप से काफी मीठे होते हैं, उनको खाने के बाद मीठा खाने की इच्छा कम हो जाती है। ये विटामिन और मिनरल का स्रोत हैं जो हमारे शरीर की कमजोरी को दूर करके उसे मजबूत बनाते हैं।

भोजन का विकल्प नहीं

जो लोग इसे खाने के तौर पर खाते हैं, तो उनके लिए यह सुझाव है कि इसको पूर्ण संतुलित आहार नहीं माना जा सकता। हालांकि ड्राई फ्रूट्स हमारी हृदय की सेहत के लिए अच्छे होने के साथ-साथ सुपाच्य भी होते हैं। इसके बावजूद इनमें उतने पोषक तत्व नहीं होते, जो हमारे भोजन में होते हैं। हां, इनका इस्तेमाल हम कंप्लीट मील के विकल्प के तौर पर कभी-कभी कर सकते हैं। ड्राई फ्रूट्स का अगर ज्यादा मात्रा में सेवन किया जाए तो शरीर में ज्यादा फाइबर और शुगर के कारण अपच या पेट में गैस हो सकती है। क्योंकि इनमें मौजूद वसा, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स इन्हें पोषण से भरपूर बनाते हैं, लेकिन इनका कम मात्रा में सेवन करना चाहिए, क्योंकि इनमें कैलोरीज ज्यादा होती है। किसी भी कंडीशन में ड्राई फ्रूट्स को दिन में खाए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं माना जा सकता। दरअसल, भोजन हमारे शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा की आपूर्ति करते हैं और हमारे मेटाबॉलिज्म को स्थिर रखते हैं। ड्राई फ्रूट्स खाने भर से हमारे शरीर में इन तत्वों की आपूर्ति नहीं हो सकती। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि बादाम में मौजूद अनसैचुरेटेड फैटी एसिड और विटामिंस हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाकर हमारी स्मरणशक्ति को बढ़ाते हैं। सीमित मात्रा में अगर ड्राई फ्रूट्स का सेवन किया जाए तो ये हमारे लिए फायदेमंद हैं। लेकिन चीनी से भरे ड्राई फ्रूट्स जैसे किशमिश और खजूर की मात्रा सीमित रखनी चाहिए। वैसे भी ये दोनों ड्राई फ्रूट्स नेचुरल शुगर का भंडार होते हैं। इनको खाने के बाद हमारे दांतों से ये चिपक जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया की वृद्धि होती है। इसलिए इनको लेने के बाद पानी, पीना चाहिए और दांतों को अच्छी तरह साफ रखना चाहिए।

कितनी मात्रा है सही

हमें प्रतिदिन लगभग 20 से 30 ग्राम मिक्स ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। बच्चों को इससे कम मात्रा देनी चाहिए। वयस्कों के लिए पानी में भीगे 5 से 7 बादाम और 2 अखरोट के टुकड़े सुबह के समय लेने चाहिए, जो हमारे दिल और दिमाग की सेहत के लिए अच्छे होते हैं। महिलाओं को आयरन और कैल्शियम में लिए खजूर और अंजीर खाने चाहिए। स्टेमिना के लिए पुरुष पिस्ता और अखरोट ले सकते हैं। बादाम, अखरोट और अंजीर को अगर रात में पानी में भिगो दिया जाए तो ये सुपाच्य होते हैं और इनमें मौजूद पौष्टिकता भी बढ़ जाती है। ड्राई फ्रूट्स को सुबह खाली पेट या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए।

कैसे और किस समय खाएं ड्राई फ्रूट्स

- ड्राई फ्रूट्स की मात्रा पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। वयस्कों के लिए इनकी मात्रा 20 से 30 ग्राम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
- बादाम, अखरोट और अंजीर को सुपाच्य बनाने के लिए पूरी रात पानी में भिगोकर रखना चाहिए।
- इसे सुबह के समय या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए। ध्यान रखें ड्राई फ्रूट्स मुख्य भोजन की जगह पर ऑप्शन के तौर पर नहीं लेने चाहिए।
- सूखे मेवों को योगर्ट, फ्रूट, सलाद, दालों के साथ लेना चाहिए ताकि शरीर में फाइबर और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स का संतुलन बना रहे।
- तले, नमकीन या मीठे ड्राई फ्रूट्स लेने से बचें, क्योंकि इनमें शुगर और सोडियम का स्तर ज्यादा होता है।

अगर अधिक मात्रा में करें सेवन

- ड्राई फ्रूट्स में कैलोरी ज्यादा होती हैं। इससे वजन बढ़ता है और यदि इसकी मात्रा पर ध्यान न दिया जाए तो ब्लड शुगर भी बढ़ता है।
- इनके साथ प्रोटीन, कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और पानी की जरूरत होती है, ताकि यह शरीर की मसल्स को रिपेयर कर सकें।
- इनकी ज्यादा मात्रा भोजन को असंतुलित बनाती है। इसलिए ड्राई फ्रूट्स के साथ मोटे अनाज, दालें और सब्जियां ही लेनी चाहिए, लेकिन सीमित मात्रा में।
- कई ड्राई फ्रूट्स में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 कम मात्रा में होता है। अगर इनकी ज्यादा मात्रा ली जाती है तो अपच और पेट में गैस जैसी समस्या हो सकती है।
- डायबिटीज, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, किडनी संबंधी गंभीर बीमारियां और पाचन संबंधी रोगों से ग्रस्त व्यक्ति या जिन्हें ड्राई फ्रूट्स से एलर्जी हो, ऐसे लोगों को ड्राई फ्रूट्स नहीं खाने चाहिए। *

22 अप्रैल से खुलेंगे बाबा केदार के कपाट

19 अप्रैल को खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट

केदारनाथ में 20 घंटे से लगातार बर्फबारी

एजेंसी ▶▶| देहरादून

केदारनाथ धाम में बर्फबारी का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। भगवान शिव के पवित्र धाम पर मंगलवार से लगातार बर्फबारी हो रही है। लगातार गिर रही बर्फ के चलते यात्रा से जुड़ी तैयारियों में परेशानी आ रही है। श्रद्धालुओं के लिए 22 अप्रैल से बाबा केदार के कपाट खोले जाने हैं। दिसंबर-जनवरी के महीने में जहां बाबा का धाम बर्फ विहीन था। वहीं अप्रैल में बाबा के कपाट खुलने से ठीक पहले जोरदार बर्फबारी हो रही है। 19 अप्रैल को बाबा केदार की डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर से धाम के लिए प्रस्थान करेगी और 22 अप्रैल को बाबा केदार के कपाट खुलेंगे।

अद्भुत है नजारा : गोमुख ट्रैक पर लगभग आधा फीट तक बर्फ जम चुकी है। जबकि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में करीब 2 इंच मोटी बर्फ की परत चढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि जहां नजर डालो, वहां बर्फ ही बर्फ दिखाई दे रही है। पेड़ों की टहनियां तक बर्फ से लदी हुई हैं, जो इस क्षेत्र को किसी स्वर्गिक दृश्य में बदल रही हैं।

इस बार यह होगा खास

श्री बद्री केदार मंदिर समिति के सदस्य विनीत पोस्ती ने कहा कि धाम पर पिछले 20 घंटों से लगातार बर्फ गिर रही है। बर्फबारी के बीच धाम में तैयारियां जारी हैं। इस बार चार धाम यात्रा 2026 की शुरुआत कुछ खास और यादगार होने जा रही है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे। लेकिन इस बार श्रद्धालुओं को केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि बर्फ से ढकी अद्भुत वादियों का दुर्लभ नजारा भी देखने को मिलेगा। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम इस समय पूरी तरह बर्फ की चादर में लिपटे हुए हैं। मंदिर परिसर से लेकर आस-पास के पहाड़, पेड़-पौधे और रास्ते तक सफेद बर्फ से ढक चुके हैं।

राहुल की नागरिकता विवाद

हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड देखने से किया मना सुनवाई 15 को

एजेंसी ▶▶| इलाहाबाद

हाईकोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वह आरोपों की सच्चाई की जांच नहीं करेगा और न ही गृह मंत्रालय के रिकॉर्ड की पड़ताल करेगा। यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई, जिसमें लखनऊ ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से इनकार किया गया था। याचिकाकर्ता एक राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। उसने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने ब्रिटिश नागरिकता ली थी और इस संबंध में विभिन्न कानूनों के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान गृह

आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं

कोर्ट ने कहा कि यह न्यायालय आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं करता है और न ही प्रस्तुत रिकॉर्ड का परीक्षण करेगा। इससे पहले एक अन्य पीठ ने इन रिकॉर्ड को देख लिया था और बाद में उन्हें वापस कर दिया था। मामले की पृष्ठभूमि 2015 की एक शिकायत है, जिसमें राहुल पर ब्रिटेन की नागरिकता रखने का आरोप लगाया गया। इसके आधार पर गृह मंत्रालय ने 2019 में उनसे स्पष्टीकरण मांगा था।

सोशल मीडिया पर भारत के खिलाफ जारी दुष्प्रचार को नई दिल्ली ने किया सिरे से खारिज

भारत की मदद से इजरायली जेट्स ने चाबहार पोर्ट पर नहीं किया कोई हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच हुए संघर्षविराम को लेकर की गई 'कथित मध्यस्थता' के मामले में दुनियाभर में वाहवाही लूटने में लगा पाकिस्तान भारत के खिलाफ अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब उसने अपने सोशल मीडिया प्रोपेगेंडा खातों के जरिए नई दिल्ली के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान की शुरुआत की है। जिसमें यह दावा किया जा रहा है कि पश्चिम-एशिया में युद्ध के बीच हाल ही में इजरायल के लड़ाकू विमानों को ईरान के चाबहार बंदरगाह पर हमला करने के लिए भारतीय वायुसेना के गुजरात स्थित नलिया एयरबेस ने जरूरी सहायता प्रदान की थी। जिसमें इजरायली विमानों में ईंधन भरने से लेकर उन्हें अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। भारत ने बुधवार को इस तथ्य को दो टूक अंदाज में सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही कहा कि ऐसा कोई भी दावा पूरी तरह से गलत है। क्योंकि इसका उद्देश्य जानबूझकर भ्रम पैदा करने के साथ ही तनाव भड़काना है। सरकार ने पीआईबी फैक्ट चेक के माध्यम से 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी है।

दुश्मन के जाल में न फंसे

फैक्ट चेक में केंद्र ने देश के लोगों से भी पड़ोसी दुश्मन देश द्वारा फैलाई जा रही ऐसी किसी भी झूठी और भ्रामक सूचनाओं के जाल में न फंसने की अपील की है। इसके अलावा यह भी हिदायत दी है कि किसी भी असत्यापित सामग्री को तुरंत सोशल मीडिया पर साझा न करें।

हमेशा शांति का लिया पक्ष

भारत ने हमेशा से ही युद्ध में शामिल सभी पक्षों से बातचीत और कूटनीति के जरिए संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने पर जोर दिया है। जिसमें उसका यह भी कहना रहा है कि होर्मुज सहित अन्य वैश्विक नौवहन मार्गों पर जहाजों के स्वतंत्र आवागमन को हर हाल में बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पश्चिम-एशिया क्षेत्र में बड़े तादाद में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को भारत ने अपनी शीर्ष प्राथमिकता बताया है। बीते वक्त में खाड़ी क्षेत्र में मौजूद नागरिक और ऊर्जा संसाधनों पर किए जा रहे हमलों की भी नई दिल्ली ने सख्त अंदाज में निंदा की है।

नहीं हुआ भारत की जमीन का इस्तेमाल

गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 से हुई इस युद्ध की शुरुआत के बाद से लेकर संघर्षविराम तक भारत ने अमेरिका या इजरायल में से किसी भी देश को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी है। भविष्य में भी ऐसी कोई संभावना नहीं है। ऐसे में इजरायली लड़ाकू विमानों का नलिया एयरबेस से ईंधन इत्यादि लेकर चाबहार बंदरगाह पर हमला करने का कोई औचित्य ही नहीं बनता है। हां, यह बात भी 100% सच है कि बीते दिनों पाकिस्तान ने अमेरिका को अपनी भूमि का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमला करने के लिए देने की हामी भरी थी। जिसका उसके देश के अंदर रह रही शिया मुस्लिम आबादी ने कड़ा विरोध किया था।

ढाका की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने, संबंधों को बढ़ाने का इच्छुक भारत

वर्ष 2024 में बांग्लादेश की सरकार के खिलाफ हुए छात्रों के उग्र विरोध-प्रदर्शन के बाद से भारत के साथ संबंधों में पड़ी दरार के एक बार फिर से भरने के संकेत मिलने लगे हैं। इस तथ्य की पुष्टि बुधवार को राजधानी में भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ.खलीलुर रहमान के बीच हुई पहली द्विपक्षीय बैठक से हुई है जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा आपसी हितों से संबंधित क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है।

रहमान ने की भारत की तीन दिवसीय यात्रा

यहां बता दें कि बांग्लादेश के विदेश मंत्री बीते 7 अप्रैल से भारत के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। जिसके तहत ही विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर के साथ उनकी यह बैठक हुई है। मंत्रालय के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री से बातचीत में डॉ.जयशंकर ने ढाका की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के अपने देश के पक्ष को दोहराते हुए भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी जोर दिया है। दोनों पक्षों ने उचित आपसी तंत्र की मदद से साझेदारी को पहले के मुकाबले और ज्यादा गहराई प्रदान करने के लिए प्रासंगिक प्रस्तावों की तलाश करने को लेकर सहमति जताई है।

एफआईआर दर्ज कराने की मांग

भाजपा ने खड़गे के बयान को लेकर चुनाव आयोग में की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को चुनाव आयोग से मुलाकात असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर शिकायत दर्ज कराई। सात पन्नों की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष ने चुनावी रैली में धार्मिक और राजनीतिक तनाव भड़काने वाले बयान दिए। भाजपा की मांग है कि खड़गे के भड़काऊ बयानों को लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए, इसके साथ ही उन्हें भाषण देने से रोका जाए।

भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा कि खड़गे ने नीलांबजार, असम की रैली में मुस्लिम समुदाय के लोगों के सामने कहा, "अगर नमाज़ के दौरान जहरीला सांप आए, तो उसे मारना चाहिए।

गोवा सरकार को लगाई फटकार

हाई कोर्ट ने शिवाजी की प्रतिमा को ध्वस्त करने का दिया आदेश

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने गोवा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि उसने मोरमुगाओ बंदरगाह प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण रोकने में घोर लापरवाही हुई है। यह मामला वास्को के हेडलैंड साडा क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाए जाने से जुड़ा है। जिसकी अवैधता को लेकर बार-बार शिकायतें की गईं।जस्टिस वाल्मीकि मेनेजेस और जस्टिस अमित एस. जमसांदेकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह एमपीए को सशस्त्र सुरक्षा उपलब्ध कराए, ताकि प्रतिमा को ध्वस्त किया जा सके और उस जंक्शन को उसकी मूल स्थिति में बहाल किया जा सके।

अब यहां 'नो रूम' होते ही चलेगी 'क्लोन स्पेशल' ट्रेन'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर मध्य रेलवे ने दिल्ली में वेटिंग की झंझट खत्म की

उत्तर मध्य रेलवे ने दिल्ली जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए 'क्लोन स्पेशल' ट्रेन चलाने का अहम निर्णय लिया है। प्रयागराज एक्सप्रेस और हमसफर जैसी ट्रेनों में सीट न मिलने पर तुरंत यह विशेष ट्रेन चलाई जाएगी ताकि यात्रियों को आसानी से कंफर्म टिकट मिल सके। यह ट्रेन नई दिल्ली के बजाय दादरी स्टेशन तक जाएगी, जिससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा जाने वाले लोगों को ट्रैफिक से राहत मिलेगी। यह ट्रेन प्रयागराज से चलकर कानपुर और अलीगढ़ जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी रुकेगी।

इन स्टेशनों पर रुकेगी

इस ट्रेन से यात्री दादरी तक कम समय में पहुंच सकेंगे। इससे नई दिल्ली स्टेशन पर ट्रेनों की भीड़ कम करने में भी मदद मिलेगी। यह क्लोन ट्रेन प्रयागराज एक्सप्रेस की तरह ही चलेगी। यह प्रयागराज से चलकर कौशांबी, फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल और अलीगढ़ जैसे बड़े स्टेशनों पर रुकते हुए दादरी तक पहुंचेगी।

यात्रियों को वेटिंग से मिलेगा छुटकारा

रेलवे ने दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए मांग आधारित क्लोन स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह निर्णय दिल्ली रूट की ट्रेनों में भारी भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए लिया गया है। प्रयागराज एक्सप्रेस, हमसफर और रीवा एक्सप्रेस जैसी मुख्य ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट अक्सर 100-200 से ऊपर चली जाती है।

शारदा घोटाला, 13 साल बाद सुदीप्त को जमानत

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को करोड़ों के शारदा पोंजी घोटाले के आरोपी सुदीप्त सेन को उनके खिलाफ दर्ज लगभग 300 आपराधिक मामलों में से अंतिम दो मामलों में जमानत दे दी, जिससे 13 साल बाद उनकी जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात थाने से संबंधित दो मामलों में सेन को जमानत दे दी।

शरद पवार को झटका, घाटगे ने छोड़ा साथ

मुंबई। महाराष्ट्र के शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-SP) को बड़ा झटका लगा है। बुधवार को पार्टी के बड़े नेता समरजीतसिंह घाटगे अपने समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। बीजेपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने सभी का स्वागत किया। कागल से आने समरजीतसिंह घाटगे ने 2024 के विधानसभा चुनावों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता हसन मुश्रीफ को तगड़ी टक्कर दी

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO. 021-10/ PUBLICATION/ 1500 Korba West, dtd. 02.04.2026
(e-Bidding) TENDER NOTICE No. 1402/2026.
Online tenders are invited from experienced & prospective firms for the following Works/Supply :

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100050417	Installation of earth pit with all earthling material & accessories pertains to different circles for HTPS, Korba West.	590/-	6,655/-	24.04.2026
2.	Rfx No. 8100050480	MS Nut & Bolts for 4x210 MW, Korba West.	590/-	11,180/-	27.04.2026
3.	Rfx No. 810002571	Annual Overhauling work of mini hydel unit No. 2, HTPS, Korba West.	590/-	13,580/-	22.04.2026

NOTE: - 1.Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website**https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. .2. Quantity as per tender schedule.3.**Any Extension/ Corrigendum / Amendments if required, shall be displayed on our websites only. SUPERINTENDING ENGINEER (C)
SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P)HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

DISTRICT PROJECT LIVELIHOOD COLLEGE SOCIETY
DANTEWADA DISTT. DANTEWADA (C.G.)
Dantewada-Geedam Road, Karli, Dantewada, 494441
Email:dplcdantewada@gmail.com Contact No:- 9589573465

Request for proposal - Second (Revised)

Res No.: 1353/DPLCS/RFP/2026-27 Dantewada Date: 08/04/2026
Subject: Request for Proposal (RFP) for Development, Installation, Operation, and Management of a Tourism-Based Adventure Park at Barsur, District Dantewada, Chhattisgarh

The District Administration, Dantewada, invites Request for Proposals (RFP) from eligible and experienced organizations, including Tourism Start-ups, and Private Companies, for the development, installation, operation, and management of a Tourism-Based Adventure Park at Barsur, District Dantewada, Chhattisgarh.

- Issue Date: 08/04/2026
- Last Date for Submission: 23/04/2026 till 5 PM
- Opening Date: 24/04/2026

Submission Details

The detailed RFP document can be downloaded from the official website: https://dantewada.nic.in/en (Any updates or changes will be published on the official website; applicants are advised to check it regularly.)

Eligible applicants are required to submit their proposals in two separate sealed envelopes (Technical Proposal and Financial Proposal) at the following address:

District Project Livelihood College Society, Dantewada
Karli, Block Geedam
District Dantewada, Chhattisgarh
PIN Code- 494441

Important Instructions

- Late submissions will not be accepted under any circumstances.
- Proposals will be opened in the presence of the designated committee at the District Administration Office, Dantewada. (Approved by the District Collector, Dantewada)

Principal
District Project Livelihood College Society
Dantewada, Chhattisgarh
PIN Code 494441
S-47439/1

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LIMITED
CHHATTISGARH STATE LOAD DESPATCH CENTRE: RAIPUR
CIN-U40108CT2003SGC015820 GST – 22AADCC5773E1ZX (C.G. Govt. Undertaking)
PHONE : 0771- 2574172, FAX NO. 0771-2574174.Website :www.sldccg.com, Email : office@sldccg.com

e-Notice Inviting Tender (e-NIT)

No.: 03-02/SLDC/e-bidding/TR-269/23, Raipur, Dtd.: 07-04-2026
Tender No. : TR-269
Name of the Work:
Tender for Replacement of CCTV System at Main and Backup SLDC.

Online bids are invited through CSPTCL Tendering System (SAP-SRM) from Eligible Contractor/ Agencies who fulfill the Pre-Bid Qualification Criteria is opened & will be allowed registration for this tender till following date.

Important Dates:
Last date for Submission of Tender Document:**28.04.2026, upto 12:00 PM Only.**
Date of opening of Tender Document:**28.04.2026 at 12:30 PM.**
The detailed Tender is also available at our official website: www.sldccg.com&www.cspc.co.in.
// Save Electricity // CHIEF ENGINEER (SLDC), CSPTCL, RAIPUR

DISTRICT PROJECT LIVELIHOOD COLLEGE SOCIETY
DANTEWADA DISTT. DANTEWADA (C.G.)
Dantewada-Geedam Road, Karli, Dantewada, 494441
Email:dplcdantewada@gmail.com Contact No:- 9406334109

Res No./1340/DPLCS/RFP/2026-27 Dantewada Date - 06/04/2026
REQUEST FOR PROPOSAL

Selection of Agency for Designing, Engineering, Supply, Construction, Testing, Commissioning, of Infrastructure works at Multiproduct Food Irradiation Unit with AMC of 3 years in Patarras village, Dantewada.

DISTRICT PROJECT LIVELIHOOD COLLEGE SOCIETY (DPLCS)

1	Date of issue of RFP document	06.04.2026
2	Last date for sending Pre- Bid Query	15.04.2026
3	Last Date for Submission of Bids online	28.04.2026 until 5.00PM
4	Last Date for Submission of Bids physical	29.04.2026 until 5.00PM
5	Date of Opening of Technical Bids	30.04.2026 until 11.00AM

The tender is available on the Chhattisgarh State e-Procurement Portal under Tender Number: 188523 and shall be applied online only through https://eproc.cgstate.gov.in;

It is also available for reference on the NIC website www.dantewada.nic.in.

Principal
District Project Livelihood College Society Dantewada
District Dantewada, Chhattisgarh PinCode 494441
Mobile No: +91 9406334109
S-47434/1 E-mail: dplcdantewada@gmail.com

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

NIT NO: **/38/15FC/RMC/2026** RAIPUR DATED : **08/04/2026**

Online bids are invited for the following works of works up to **04/05/2026** at **17:30** hours.

System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Time allowed for Completion
188640	Selection of Agency for Public Awareness Activity and Customized IEC Activities Related to My Bharat Portal Under 15th Finance Commission (FY 2024-25)	50.00 Lakhs	5,000/-	38,000/-	12 months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate. gov.in from **08/04/2026, 17:30** Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:-
1. All eligible / interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System.*Help Desk at Toll Free No.* **18004199140** or through Email ID *helpdesk.eproc@cgswan.gov.in*
3. For More Details please download NIT details.
4. Contact No. **7580888088**

घरों से निकलने वाले गीला व सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
Office of the Executive Engineer, Public Works Division No.2, Nagpur
E-mail: div2nagpur.ee@mahapwd.gov.in Telephone No. 0712-2565048

E-TENDER NOTICE NO. 02 / 2026-2027

Online E-tenders in 'B-1' Forms are invited by **Executive Engineer, Public Works Division No. 2, "Bandhkam Sankul" Civil Lines, Nagpur** for the following works from the registered contractor who satisfy the qualifying criteria. The tender documents should be downloaded from the Government Website **https://mahatenders.gov.in** The competent authority reserves the right to accept or reject any or all the tenders. Conditional tenders will not be accepted.

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rupees in Lakhs)
1	2	3
1	Improvement to NH-07 to Parsodi Waroda Pewatha Godhani (Salai) Panchgaon Kuhi Mandhal road (SH-347) in Km. 4/800 to 9/200 in Tahasil and Distt.Nagpur (Rural)	Rs.600.00 Lakh

1	ई-निविदा उपलब्ध कालावधी	As per e-tender schedule uploaded on e-portal
2	निविदापूर्व बैठक	As per e-tender schedule uploaded on e-portal
3	ई-निविदा उघडणे	ऑनलाईन नमुद केलेले वेळापत्रक लागू व अंतिम राहील.

Information of e-tendering is available on the following website/ Notice Board. Terms & Conditions:-
1. **https://mahatenders.gov.in** 2. **https://mahapwd.com**
(If there is any changes in the notice, then the information will be communicated on the above website)
3. Executive Engineer, Public Works Division No.2, Nagpur Office Notice Board
4. Or any correspondence contact. Above mention e-mail & Telephone No.

Notice:- 1) All eligible interested Contractor are downloading and mandated to get enrolled on e-tendering portal **https://mahatenders.gov.in** in and further need to empanelled online on sub portal **https://mahatenders.gov.in** in the appropriate bidder applicable to them.
2) Bidders are requested to contact on following telephone numbers for any doubts / information/difficulty regarding online enrollment or obtaining digital certificate Help Desk Number - 0120-4200462, 0120-4001002.
3) Tender Document Fee and EMD. is to be paid via Online E-payment Gateway mode only. EMD. Exemption Certificate shall not be considered. The information of E-payment Gateway is available on E-tendering website **https://mahatenders.gov.in**

Outward No. 1680 /Tender/2026/Dt 02/04/2026 **(Rushikant V Raut)**
Executive Engineer,
आरओसी 2026-27/ क्र.-5/ C-107 **Public Works Division No. 2. Nagpur**

बजट का उपयोग नहीं कर पाए, चार जिलों के सहायक आयुक्त को शोकॉज नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं, आय-व्यय तथा आगामी कार्ययोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने विभागीय योजनाओं में बेहतर कार्य करने वाले जिलों की सराहना की, वहीं विभिन्न मदों के बजट आवंटन का सदुपयोग न करने वाले चार जिले बलौदाबाजार-भाटापारा, बेमेतरा, जशपुर और बिलासपुर के सहायक आयुक्तों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र को ध्यान में रखते हुए आश्रम छात्रावासों की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। छात्रावासों में अग्निशमन यंत्र और सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने "प्रोजेक्ट संकल्प" के तहत विद्यार्थियों के सांस्कृतिक, मानसिक एवं नैतिक विकास को और मजबूत करने के लिए ध्यान और योग को भी शामिल करने की बात कही। इसके अलावा सेप्टिक टैंकों की सफाई मैनुअल तरीके से न कराकर, नगरीय निकायों के माध्यम से सक्शन मशीनों से कराने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव बोरा ने ली राज्य स्तरीय विभागीय बैठक

छात्रवृत्ति की प्रक्रिया पारदर्शी बनाने पर जोर

बैठक में छात्रवृत्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष जताया गया। बताया गया कि नई व्यवस्था के तहत पिछले सत्र में 3.3 लाख विद्यार्थियों को माह दिसंबर तक छात्रवृत्ति की 72 प्रतिशत राशि और 99 प्रतिशत राशि 31 मार्च तक, सुगमतापूर्वक समय पर सीधे विद्यार्थियों के खातों में हस्तांतरित की गई। इसको और पारदर्शी बनाने के लिए जल्द ही पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा।

लंबित प्रकरणों का 15 दिन में करें निराकरण : वन अधिकार अधिनियम की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का 15 दिनों के भीतर ग्रामसभाओं के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्वीकृत परियोजनाओं को समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र में पूर्व प्रस्तावित छात्रावासों का निर्माण अब प्राथमिकता से किया जाए।

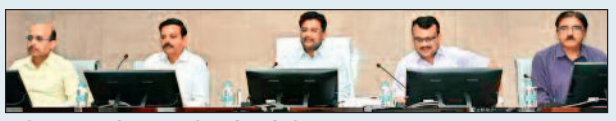

इन योजनाओं के कार्य शीघ्र पूरा करें

बैठक में एकलव्य एवं प्रयास आवासीय विद्यालयों में एक भी सीट खाली न रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत उत्कृष्ट विद्यालयों के चयन पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, पीएम जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष, देवगुड़ी एवं अखरा विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

रिसॉर्ट बनाने के नाम पर 3.25 करोड़ की ठगी, रायपुर के बिल्डर सहित दो गिरफ्तार

कोर्ट के आदेश पर परिवाद में कान्हाकिसली में रिसोर्ट बनाने के नाम पर शहर के एक व्यक्ति से 3 करोड़ 15 लाख की ठगी करने के मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज किया। इस मामले में रायपुर के बिल्डर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों को एक दिन की पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सिविल लाइन पुलिस के अनुसार, मिनोचा कालोनी निवासी विशाल सिंह चंदेल उर्फ विक्की ने कोर्ट में परिवाद पेश किया। इसके अनुसार वे 27 खोली, हालमुकाम प्रियदर्शनी नगर पचपेड़ी नाका राजेन्द्र नगर रायपुर निवासी दीपेन्द्र पाढ़ी पिता सुरेन्द्र नाथ पाढी 56 साल को अपने पिता के समय से 30 सालों से जानते हैं, वे उनके रायपुर स्थित पारिवारिक मकान में किराए से रहते थे। उनकी उसके दोस्त दुर्ग कातुल बोड़ हर्ष रायल हालमुकाम सरोना पार्थिवी प्रोविन्स कालोनी रायपुर निवासी कुसुमाकर राव भोसले पिता स्व. गुलाब राव भोसले 59 साल से जान पहचान थी। दीपेन्द्र पाढ़ी आर्किटेक्ट व बिल्डर है। उसका दोस्त उसके साथ काम करता है। सन् 2017 - 18 में श्री चंदेल से दोनों आरोपियों ने कहा वे मध्यप्रदेश कान्हा किसली में आईलैण्ड रिसार्ट बनवा रहे हैं। जिसके लिए उन्होंने श्री चंदेल से 2017 में 20 लाख रुपए एवं 24 जनवरी 2018 को 1 करोड़ रुपए उनके आफिस अग्रसेन चौक में लिखापढ़ी कर इकरारनामा साथ लिए थे। 24 जनवरी 2018 को आरोपियों के द्वारा अपनी फर्म आरकेबी टेक के नाम से चेक में हस्ताक्षर कर दिया गया था। उसके बाद वर्ष 2021 में 80 लाख रुपए एवं वर्ष 2022 में 1 करोड़ 15 लाख लिया गया था। रुपए लेने के बाद दोनों लौटाने के लिए घुमाने लगे। श्री चंदेल रायपुर स्थित उनके निवास में अपना पैसा वापस मांगने गए तो दोनों ने अपने किसी मित्र तिवारी के नाम की 3 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री करा देने की बात कही, इस पर श्री चंदेल ने मना कर दिया। विश्वास में लेकर उन्होंने अपने पिताजी से मिलवाया, आश्वासन दिया कि वे रकम वापस करा देंगे। रुपए वापस नहीं मिलने पर श्री चंदेल ने परिवाद पेश किया। कोर्ट ने दोनों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर कार्रवाई करने का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 420, 211, 34, 467, 468, 120 बी के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। सीएसपी निमितेश सिंह परिहार के निर्देश पर एएसआई चंद्रकांत डहरिया ने बल के साथ रायपुर में दबिश देकर आरोपी दीपेन्द्र पाढ़ी, कुसमाकर राव भोसले को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों को एक दिन की पुलिस रिमांड में पुलिस को सौंप दिया है।

कोर्ट के आदेश पर हुआ जुर्म दर्ज, दोनों आरोपी पुलिस रिमांड में

पीड़ित पर सूदखोरी का आरोप लगाया

पीड़ित श्री चंदेल के द्वारा लगातार अपना पैसा वापस मांगने पर दोनों आरोपी ने सिविल लाइन थाना बिलासपुर में श्री चंदेल व उनके भाई वैभव चंदेल के विरूद्ध सूदखोरी की आड़ में अधिक रकम वसूली की झूठी व मनगढ़ंत शिकायत की थी। आरोपियों ने 3 करोड़ 15 लाख लेकर उन्हें चेक देने के बाद अपना बैंक खाता बंद करा दिया था।

फाइल फोटो

आरोपी पुलिस रिमांड में : कान्हा में रिसार्ट बनवाने के नाम पर पीड़ित से 3 करोड़ 15 लाख की ठगी की गई है। कोर्ट के आदेश पर परिवाद में बिल्डर सहित दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर एक दिन के पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ की जा रही है।
-निमितेश सिंह परिहार, सिविल लाइन सीएसपी

हाईकोर्ट ने जेलों में 33 कैदियों की मौत के मामले में डीजी से मांगा हलफनामा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के जेलों में एक साल भीतर 33 कैदियों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए जेल महानिदेशक से हलफनामा मांगा है। अधिकांश मौतें बीमारी या हृदय, गुर्दा खराब होने के कारण बताई गई है। लेकिन 22 मामलों में पोस्टमार्टम रिपोर्ट लंबित है। इस मामले में अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है।

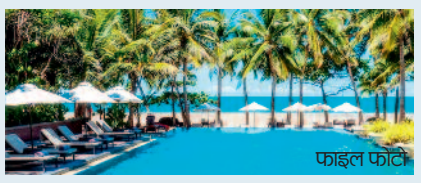

हाईकोर्ट ने कैदियों की बढ़ती मौतों पर गंभीर चिंता जताई है। जेल महानिदेशक के हलफनामे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में देरी और आरोपों की गंभीरता का उल्लेख किया गया है। इसी बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी जेल में हुई मौतों और चिकित्सा सुविधाओं पर विस्तृत रिपोर्ट की मांग की है, जिससे राज्य में हिरासत की स्थितियों में हो रही मौत की जांच तेज हो गई है। हाईकोर्ट ने विभिन्न जेलों में कैदियों की मृत्यु दर में वृद्धि दर्शाने वाली रिपोर्ट को स्वतः संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई प्रारंभ की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल ने महानिदेशक कारागार को इस मामले में व्यक्तगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार बिलासपुर केन्द्रीय जेल में सबसे अधिक 10 मौतें दर्ज की गई। दुर्ग जेल में 8 मौते और अंबिकापुर जेल में 5 मौत तथा जगदलपुर एवं गरियाबंद में 2-2 कैदियों की मौत दर्ज की गई। धमतरी, बलरामपुर, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़ और कांकेर से एक-एक कैदियों की मौत हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीमार पड़ने पर इनमें से कई कैदियों को छत्तीसगढ़ चिकित्सा विज्ञान संस्था सिम्स बिलासपुर या डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया था लेकिन वे बच नहीं पाए।

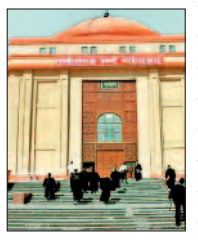

करंट से हाथियों की मौत एसीएस से शपथ पत्र के साथ मांगा जवाब

प्रदेश में लगातार बिजली करंट से हाथियों की मौत घटना मामले को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि उपरोक्त घटनाएं किन परिस्थितियों में हुई और विभाग द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 5 मई को निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ में लगातार बिजली करंट से हो रही हाथियों की मौत की घटनाओं को चीफ जस्टिस ने गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई प्रारंभ की है। बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में जनहित याचिका की सुनवाई हुई। याचिका में हस्तक्षेपकर्ता रायपुर निवासी नितिन सिंघवी की तरफ से कोर्ट में मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 12 मार्च को दो हाथी शावकों की करंट लगने से रायगढ़ जिले के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र में मौत हो गई।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर 4 लाख 20 हजार की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नवापारा-राजिम। नौकरी लगाने के नाम पर तीन बेरोजगारों से चार लाख से अधिक की ठगी करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

क्षेत्र में इन दिनों नौकरी दिलाने और ट्रांसफर कराने के नाम पर ठगी का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। शातिर ठग बेरोजगार युवाओं और सरकारी कर्मचारियों को अपना निशाना बनाकर लाखों रुपये की ठगी कर रहे हैं। ताजा मामले में पिपरौद निवासी राहुल देव साहू उम्र 28 वर्ष ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराया कि उन्हें तथा अन्य दो लोगो को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर भेंडरी गांव के जितेंद्र सिन्हा ने 4 लाख 20 हजार का ठगी कर लिया। रिपोर्ट होने पर पुलिस ने उक्त ठग को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

दो युवती व एक युवक की नौकरी के नाम पर लिए पैसे : दी गई जानकारी के मुताबिक राहुल देव साहू का जान पहचान पढ़ाई के दौरान जितेंद्र सिन्हा से हुई थी। इसी का फायदा उठाकर उन्होंने नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। उसने समग्र शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के अंतर्गत वोकेशनल ट्रेनर पद पर नियुक्ति करा देने की बात कही। ठग के झांसे में आकर प्रार्थी ने अपनी बहन की नौकरी के लिए अलग-अलग तारीखो में ऑनलाइन माध्यम से कुल 3 लाख 20 हजार रूपए आरोपी को दे दिए। इसके अलावा आरोपी ने इसी तरह कौशल यादव और करूणा यादव से भी 1 लाख रूपए ठग लिए। इस तरह तीन लोगो से उन्होने 4 लाख 20 हजार रूपए की धोखाधड़ी की।

पत्नी को नहीं भेजा तो युवक चढ़ा टावर पर

जगदलपुर। कोण्डागांव से जगदलपुर मायके आई पत्नी के साथ नहीं चलने से नाराज पति मोबाइल टॉवर में चढ़ गया। टावर से पत्नी को साथ भेजने के लिए कहता रहा। इस दौरान दो घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। काफी समझाइश के बाद युवक टॉवर से नीचे आने के लिए तैयार हुआ। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह बोधघाट थाना क्षेत्र के धरमपुरा मार्ग में विशाल मेगामार्ट के करीब स्थित मोबाइल टॉवर में चढ़े युवक के हाई वोल्टेज ड्रामा से सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। कोण्डागांव निवासी दीपक विश्वकर्मा नामक युवक टॉवर पर चढ़ गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। युवक अपनी पत्नी को ससुराल पक्ष द्वारा नहीं ले जाने देने से नाराज था। इसी के विरोध में टॉवर पर चढ़कर हाई वोल्टेज ड्रामा कर रहा था।

सात कबाड़ी दुकानों में पुलिस की दबिश, 37 लाख का सामान बरामद

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजनांदगांव

लगातार चोरी के सामानों की अवैध रूप से खरीदी-बिक्री किए जाने की शिकायतों के तहत पुलिस ने शहर व आसपास के लगभग 7 कबाड़ी दुकानों में दबिश दी, जहां से कई सामग्रियां पुलिस ने जब्त कर कार्रवाई की है।

विभिन्न जगहों पर लगातार चोरी के सामान की अवैध रूप से खरीदी एवं बिक्री किए जाने के संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त होने एवं कई स्थानों में चोरी की घटनाओं में स्थानीय अपराधियों के शामिल होने की सूचना को ध्यान में रखते पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के दिशा-निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के पर्यवेक्षण में 7 अप्रैल को 7 विशेष टीम राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में गठित किया गया।

ट्रक के अंदर मिला सामान : कोतवाली क्षेत्रांतर्गत लखोली के खैरा रोड कन्हारपुरी स्थित मोहम्मद अनीश 30 वर्ष निवासी राहुल नगर के कबाड़ी दुकान पर किए गए रेड कार्रवाई में लोहे का पाइप, वाहनों का नंबर प्लेट, लोहे का एंगल, गैस सिलेंडर (खाली), लोहे का चैनल आदि सामान कुल लगभग 500 किलोग्राम जब्त किया गया। थाना सोमनी के ग्राम जोरातराई स्थित अल्ताफ हुसैन निवासी पोलसाय पारा दुर्ग के यार्ड में ट्रक में ट्रक के अंदर भरा हुआ लोहे का विभिन्न सामान पाइप, एंगल, राड, छड़, नट-बोल्ट, वाहनों के डिस्क, रिंग, लोहे के पाट्र्स, गाड़ियों का नंबर प्लेट, मोटर साइकिल का साइलेंसर, लोहे का राड जब्ती कार्रवाई की गई।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

सिक्योरिटी गार्ड

आवश्यकता है- रायपुर के पॉश क्षेत्र सिविललाइन्स स्थित प्रतिष्ठित ऑफिस एवं बंगलो हेतु अनुभवी, जिम्मेदार, विश्वसनीय सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता ।योग्यता एवं अनुभवः न्यूनतम 5 वर्ष अनुशासित , जिम्मेदार व्यक्तित्व सतर्क एवं कार्य के प्रति समर्पित ड्यूटी समयः 12 घंटे परिसर की सुरक्षा एवं निगरानी वेतनः ₹15,000 – ₹18,000 प्रतिमाह (अनुभवनुसार) संपर्कः- 9109125252, 9109972720. (RO-847)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप सदर बाजार रायपुर में कार्य करने हेतु सुरक्षा कर्मियो की तत्काल आवश्यकता है। वेतन 15000/- से 18000/- संपर्क करे- रण विजय सिंह 6261704334.(RO-909)

हेल्पर

आवश्यकता है- इवेंट्स में लाइट/साउंड का काम करने के लिए हेल्पर / अनुभवी लड़के की जरूरत है। सैलरी 10-15000/- प्रतिमाह संपर्क करें- 9329908883.(RO-908)

हरिभूमि

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- प्लांट सुपरवाइजर (2 वर्ष का अनुभव) की आवश्यकता है। कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी, रायपुर मो नं 9522828888.(RO-0376)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी) मे बंडल खोलने पैक करने के लिए स्टॉफ लड़का/ लड़की की आवश्यकता है। एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7067048454. (आरो-6623)

Requirment- Ply and Hardware Shop, Janak Bada, Raipur requires a Male salesman for Plywood & Hardware distribution. Salary as per work experience. Contact : 9329536771. (RO-7251)

शिक्षाकर्मी

आवश्यकता है- गोदड़ीवाला प्राथमिक पाठशाला देवपुरी में हिन्दी माध्यम शिक्षिका की आवश्यकता है। योग्यता- डी. एड., इच्छुक स्वयं के हस्तलिखित आवेदन करें:- 9424208333, 9340873708. (RO-874)

रसोइया

आवश्यकता है- रायपुर के पॉश क्षेत्र सिविल लाइन्स में स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार (शुद्ध शाकाहारी) हेतु कुशल, अनुभवी एवं विश्वसनीय रसोइया की आवश्यकता है। अनुभव – कम से कम 5 वर्ष शुद्ध शाकाहारी व्यंजन बनाने में दक्षता साफ-सुथरा, जिम्मेदार और अनुशासित स्वभाव वेतनः (अनुभवनुसार) सुविधाएं: रहने, खाने की निःशुल्क व्यवस्था संपर्कः - 9109125252, 9109972720. (RO-847)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

केयर टेकर

आवश्यकता है- बैरन बाजार रायपुर स्थित व्यवसायिक प्रतिष्ठान में 25-40 वर्षीय पढ़ी-लिखी महिला केयरटेकर की। 24 घंटे रहने - खाने की सुविधा एवं अच्छा वेतन संपर्क करें- 7225844359.(RO-6626)

घरेलू कार्य

आवश्यकता है- गोवा में सम्मान जनक परिवार के लिए भरोसेमंद महिला घर सहायिका (House Help) आयु 25 से 40 वर्ष, हाई स्कूल पास, अच्छा वेतन संपर्क करें- 7225844359, 9848250331. (RO-6625)

ड्राइवर

ड्राइवर चाहिए - आवश्यकता हैं गायत्री नगर, रायपुर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। संपर्क करें- 8349933320. (RO-885)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है! रहने खाने की सुविधा, वेतन योग्यतानुसार, संपर्क करें:- 9425517333, कॉल करके मिलने का समय दोपहर 1 बजे के बाद! (RO-7395)

सेल्स/ऑफिस स्टॉफ

आवश्यकता है- एजेंसी में काम करने हेतु ऑफिस स्टाफ (पुरुष एवं महिला), सेल्समैन एवं सप्लायर की आवश्यकता है। (वेतन योग्यता अनुसार + रहने की सुविधा) संपर्क- अंबिका इंडस्ट्रीज, प्रोफेसर कॉलोनी रायपुर 99934-33481, 99932-32732. (RO-512)

आवश्यकता है- ड्राइवर, रियलस्टेट मार्केटिंग स्टाफ, डिजिटल मार्केटिंग, बैक ऑफिस स्टाफ व्हाट्सप्प करे 8839996498 सिटीहार्ट रेजिडेंसी कैलाशविहार कैलाशपुरी (RO-40324)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- ट्रॉली कारखाना में काम करने वाले वेल्डर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। पूरे साल काम की गारंटी, परिवार सहित रहने पर खेती/ सब्जी लगाने हेतु 40 डिसमील जमीन फ्री में उपलब्ध कमरा, बिजली, पानी मुफ्त सुविधा सम्पर्क करें- अमित कौशिक 9827892413.(RO-40464)

सिक्योरिटी गार्ड

आवश्यकता है- Security Guard की आवश्यकता है लोकेशन- आल छत्तीसगढ़, ओड़िशा में 100 गार्ड की आवश्यकता है। गार्ड पेमेन्ट- 15000 PF+ ESIC+ Room free+ Canteen डाक्यूमेन्टस आधार, पैन, मार्क शीट, दो पासपोर्ट फोटो पास बुक सम्पर्क करें- VF Security Service Pvt. Ltd. Raipur 7880190113, 7880190114, 7880190115, 9039990116 (Ro-40495)

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी सीधी पक्की भर्ती परमानेंट बेसेस पर (10+12th) पास लड़के लड़किया, आवेदन करे, कुल सीट-7220 , पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी सैलरी - (32020 - 44900) आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप / कॉल करे -9635451523.(RO-1381)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- मोवा थाना से 200 मीटर ग्रींडलेबिहार कैंपस 3 तल ग्राउण्ड, पार्किंग, प्रथम, द्वितीय कुल 2300Sqft नवनिर्मित गृह प्रवेश हेतु तैयार मकान खरीददार ही संपर्क करें - 9981575565, 9926111099. (RO-6621)

जमीन

बेचना है- ग्राम देवादा में डामर रोड से लगा हुआ दुर्ग राजनांदगांव नेशनल हाईवे से 700m तथा भारत माला परियोजना से 500m की दूरी पर 130 डिसमिल जमीन बेचना है संपर्कः- 9329208720 (आरो नं.- 10434)

वाहन

सेंट्रो कार बेचना है- मॉडल 2010/ 2011 रेट 1,30000/- (एक लाख तीस हजार) संपर्क करें- सुनील बर्मन रिंग रोड नंबर1 रायपुरा चौक मो.नं.- 7477222455 P.L यदु 9754685471 महामाईपरा 8823780696 रायपुर (RO-6622)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

जैकेट के शेष

दुनिया की बड़ी ....

सूचना दी, और कुवैत की सेना ने कहा कि उसकी सेना ड्रोन हमलों का जवाब दे रही है। वहीं, ईरान ने कहा कि उसकी एक तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने समझौते को एक नाजुक युद्धविराम बताया। बातचीत जल्द शुरू होने के संकेत मिल रहे थे, फिर भी समझौते के बारे में कई बातें अज्ञात हैं। ईरान ने कहा कि इस समझौते से उसे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की नयी व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की अनुमति मिल जाएगी, लेकिन समझौते की शर्तें स्पष्ट नहीं हैं। यह भी ज्ञात नहीं है कि कोई अन्य देश इस शर्त पर सहमत है या नहीं। पाकिस्तान, जिसने समझौते में मध्यस्थता करने में मदद की, और अन्य देशों ने कहा कि वे लेबनान में लड़ाई रोक देंगे, जहां इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के खिलाफ जमीनी आक्रमण शुरू किया है। इजराइल ने कहा कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले जारी रखेगा। युद्धविराम की घोषणा के बाद ईरान की राजधानी की सड़कों पर सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने 'अमेरिका मुर्दाबाद, इजराइल मुर्दाबाद, समझौता करने वाले मुर्दाबाद!' के नारे लगाए। आयोजकों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की लेकिन वे लगातार नारे लगाते रहे। उन्होंने सड़क पर अमेरिकी और इजराइल के झंडे भी जलाए।

युद्धविराम की शर्तों को लेकर अलग-अलग खबरें आई हैं : ट्रंप ने शुरू में कहा था कि ईरान ने एक व्यवहार्य 10-सूत्री योजना का प्रस्ताव दिया है जो 28 फरवरी को अमेरिका, इजराइल के हमले के साथ शुरू युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकता है। लेकिन, जब ईरान का संस्करण सामने आया तो ट्रंप ने बिना विस्तार से बताए इसे धोखाधड़ी करार दिया। ईरान के संस्करण में संकेत दिया गया था कि उसे यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति दी जाएगी-जो परमाणु हथियार बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।राजी किया।

सौम्या, केके और डडसेना ...

को बताया कि शराब घोटाले की अवैध राशि प्राप्त करने, सुरक्षित रखने तथा आगे भेजने का कार्य देवेंद्र डडसेना द्वारा किया जाता था। देवेंद्र द्वारा भेजी गई घोटाले की राशि को केके श्रीवास्तव अपने प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए व्यवस्थापन के साथ खपाने का काम करता था। कोर्ट में पेश चालान में उल्लेख किया गया है कि सौम्या चौरसिया अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शराब घोटाला सिंडिकेट को संरक्षण देने काम करती थीं। जांच एजेंसी के अनुसार प्रकरण में अन्य संलिप्त शासकीय, अशासकीय, राजनैतिक व्यक्तियों तथा संबंधित संस्थाओं, फर्मों एवं कंपनियों के विरुद्ध विवेचना जारी है। उल्लेखनीय है कि देवेंद्र डडसेना राजीव भवन का पुराना एकाउंटेट रहा है। साथ ही देवेंद्र सौम्या चौरसिया का करीबी रहा है। इसलिए शराब घोटाले में देवेंद्र सिंडिकेट से जुड़े लोगों के बीच सेतु का काम करता था।

तेंदुलकर परिवार पहुंचा ...

कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के समग्र पोषण, देखभाल एवं सामुदायिक भागीदारी के प्रयासों को देखकर उन्होंने सराहना व्यक्त की। इसके साथ ही, आजीविका प्रबंधन "गरिमा मंच" के तहत महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों जैसे मिलेट (श्री अन्न), दलहन एवं तिलहन उत्पादन के माध्यम से पोषण विविधता को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी उन्होंने प्रशंसा की। अतिथियों ने संस्था की "अप्रोप्रिएट टेक्नोलॉजी" इकाई का भी भ्रमण किया, जहां स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगी, सरल एवं किफायती उपकरणों के निर्माण और उपयोग की प्रक्रिया को देखा। इस पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं की लागत को कम करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ उपचार सुनिश्चित करने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की। इसके अतिरिक्त उन्होंने गनियारी स्थित अस्पताल का भी दौरा किया, जहां उपलब्ध सुविधाओं, समर्पित सेवाभाव एवं उत्कृष्ट उपचार प्रणाली को देखकर संतोष व्यक्त किया। तेंदुलकर परिवार ने संस्था द्वारा संचालित परंपरागत बीज संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम का भी अवलोकन किया। इस पहल को ग्रामीण आत्मनिर्भरता एवं जैव विविधता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल स्वास्थ्य और पोषण को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि स्थानीय आजीविका को भी मजबूत बनाते हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था द्वारा किए जा रहे समग्र विकास के इन प्रयासों को देखकर अतिथियों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यों के निरंतर विस्तार की अपेक्षा जताई।

मणिपुर में हालात में सुधार, हटाया गया इंटरनेट बैन

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर सरकार ने घाटी के पांच जिलों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक को बुधवार को सशर्त हटा लिया, जबकि मोबाइल डेटा सेवाएं अब भी निलंबित रहेंगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। गृह विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यह निर्णय मौजूदा स्थिति की समीक्षा और नागरिकों को हुई परेशानियों को देखते हुए लिया गया है। बयान के अनुसार, इंटरनेट पर प्रतिबंध के कारण महत्वपूर्ण कार्यालयों और उच्च न्यायालय में कामकाज तथा घर से काम करने जैसी गतिविधियों में व्यवधान आया। इंटरनेट सेवाएं मंगलवार अपराह्न दो बजे से तीन दिनों के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई थीं।

ऐसे भड़की थी हिंसा : अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बिष्णुपुर जिले में हुए एक बम हमले में दो बच्चों की मौत हो गई, जिससे हिंसा भड़क उठी। बम हमले के विरोध में प्रदर्शन कर रही भीड़ ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर पर धावा बोल दिया, उस दौरान गोली लगने से दो अन्य लोगों मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बम हमले के विरोध में लोगों के एक समूह ने दो तेल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी, एक पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की और प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही रोक दी। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा की आज सुबह कोई नयी घटना होने की सूचना नहीं है, लेकिन मंगलवार देर रात इंफाल पूर्वी और पश्चिमी जिलों के कुछ स्थानों पर सुरक्षा बलों तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

99वां ऑस्कर समारोह 14 मार्च को

लॉस एंजिलिस। ऑस्कर का आयोजन करने वाली संस्था ने एबीसी पर प्रसारित होने वाले अपने अंतिम दो शो की तारीखें तय कर दी हैं, जिनमें 100वां अकादमी पुरस्कार समारोह भी शामिल है। एकेडेमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज और एबीसी ने मंगलवार को घोषणा की कि 99वां ऑस्कर समारोह 14 मार्च, 2027 को और 100वां समारोह पांच मार्च, 2028 को आयोजित किया जाएगा। ये समारोह लंबे समय से अपने मूल नेटवर्क पर प्रसारित होने वाले अंतिम समारोह होंगे। इसके बाद साल 2029 से सभी शो यूट्यूब पर स्थानांतरित हो जाएंगे, और ये दोनों समारोह हॉलीवुड के डॉल्बी थिएटर में आयोजित होने वाले भी अंतिम समारोह होंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1) ई-निविदा संख्या: सीपीएम-इंजी-जीएसयु-बीएसपी-18-25-26 दिनांक: 30.03.2026

कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में उप मुख्य अभियंता/जीएसयू/बीएसपी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न आरओबी/आरयूबी के लिए डिज़ाइन और ड्राइंग सहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना और जमा करना।

निविदा मूल्य (रु): 2,54,52,096.08/- **अमानत राशि (रु):** 5,09,100.00/- **कार्य पूर्णता की अवधि:** 09 माह **निविदा जमा करने की आरंभ तिथी:-** दिनांक 16-04-2026 से **निविदा जमा करने की अंतिम तिथी:** दिनांक 30-04-2026 के 15:30 बजे तक

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है, उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उप मुख्य अभियंता गतिशक्ति
सीपीआर/10/AM/4 द.पू.म.रेलवे / बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्टेडियम लाइट की स्थापना हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या : 11–सीईई–एसईसीआर–सी–2026, दिनांक : 30.03.2026

कार्य का नाम : "द. पू. म. रेलवे बिलासपुर के अंतर्गत बिलासपुर में एस ई सी आर एस ए क्रिकेट स्टेडियम, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, और लॉन टेनिस कोर्ट, में स्टेडियम लाइट की स्थापना।"

निविदा मूल्य : ₹ 1,14,44,381.52/- (रुपये एक करोड़ चौदह लाख चौवालीस हज़ार तीन सौ इक्यासी और बावन पैसे मात्र)। **बयाना राशि : ₹ 2,28,900/-** (रुपये दो लाख अठाइस हज़ार नौ सौ मात्र)।

निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 21.04.2026, को **15:30** बजे। **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक : 21.04.2026,** को **15:40** बजे। **कार्य पूर्णता की अवधि :** स्वीकृति का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान : ऊपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई–निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइड www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
सीपीआर/10/07 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

आम सूचना

मै दीपक सोनी 'अधिवक्ता' व्यवहार न्यायालय पंडरिया अपने पक्षकार 1. श्री महादेव चन्द्राकर एवं 2. श्री बाबूजी चन्द्राकर दोनों पिता स्व. श्री गजानंद चन्द्राकर निवासी ग्राम - पेण्ड्रीकलॉ, तहसील कुण्डा जिला कबीरधाम (छ.ग.) की ओर से अधिकृत होकर आम जनतागण को निम्नानुसार सूचना देता हूँ-

1. यह कि ग्राम पेण्ड्रीकलॉ, प.ह.नं. 08, तहसील कुण्डा, जिला कबीरधाम (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं 533/2 एवं 537/3 रकबा क्रमशः 0.12 एकड़ एवं 0.25 एकड़ राजस्व अभिलेखों में प्रकाश पिता तुलसराम चन्द्राकर निवासी ग्राम पेण्ड्रीकलॉ, तहसील कुण्डा जिला कबीरधाम (छ.ग.) के नाम पर दर्ज है। जिसे आपसी तबादलानामा के तहत मेरे मेरे पक्षकारगण ने प्राप्त किया है और विगत लगभग 50 वर्षों से उक्त भूमि पर उनका कब्जा है। मेरे पक्षकारगण को विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि राजस्व अभिलेखों में अपने नाम पर दर्ज होने का अनुचित फायदा उठाने की मंशा से प्रकाश पिता श्री तुलसराम चन्द्राकर के द्वारा उक्त भूमि को चोरी-छिपे विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। जिस कारण मेरे पक्षकारगण द्वारा उक्त भूमि के संबंध में व्यवहार वाद प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।

2. यह कि उक्त कारणों से आम जनतागण को सूचित किया जाता है कि वे उक्त वर्णित भूमि का सौदा या विक्रय पत्र का निष्पादन ना करें और न ही उक्त भूमि के प्रतिफल के रूप में आंशिक अथवा पूर्ण राशि का भुगतान प्रकाश पिता तुलसराम चन्द्राकर को ना करें। यदि किसी व्यक्ति के द्वारा ऐसा किया जाता है तो उसे मेरे पक्षकारगण के विरूद्ध उक्त भूमि पर कोई वैधानिक अधिकार प्राप्त नही होगा और वे उक्त भूमि का कब्जा मेरे पक्षकारगण से प्राप्त करने के अधिकारी नहीं होंगे।

सो सूचना जानें।

भवदीय
दीपक सोनी (अधिवक्ता)
व्यवहार न्यायालय पण्डरिया,
जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
मो. 87700-25199

उद्घोषणा

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मेसर्स मिनरल्स डायनामिक प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, द्वारा ग्राम - पुसावड़, प.ह.नं. 29, तहसील - डौण्डी, जिला - बालोद स्थित खसरा नं. 359, 392, 393, 340 रकबा क्रमशः 0.05, 0.35, 0.12, 0.30 हे. कुल खसरा नं. 04 कुल रकबा 0.82 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में गैर वानिकी प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करने के हेतु आवेदन पत्र सहपत्रों सहित अनुविभागीय अधिकारी (रा.) डौण्डी के समक्ष पेश किया गया है।

इस सम्बन्ध में न्यायालय तहसीलदार डौण्डी द्वारा दिनांक 07/04/2026 को उद्घोषणा जारी की गई है। अतएव उक्त सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा / आपत्ति करना हो तो वह अपना लिखित दावा/ आपत्ति दिनांक 07/05/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने मान्य अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

दिनांकः 07/04/2026

तहसीलदार
डौण्डी, जिला - बालोद

गुमशुदा सूचना

श्रीमती निराशा जांगड़े

श्रीमती निराशा जांगड़े पति जितेन्द्र जांगड़े उम्र 33 साल, पता-तालाब पार आमासिवनी, थाना-विधानसभा, जिला रायपुर (छ.ग.) से दिनांक 19/03/2026 को घर से बिना बताये निकली हैं जो अभी तक वापस नहीं आई हैं। **हुलिया :-** उंचाई 5 फीट, रंग- हल्का गोरी, बाल काला, चेहरा-गोल, शारीरिक स्थिति- सामान्य, पीला रंग की साड़ी पहनी है, नाक मे सोने की फुल्ली पहनी है, कक्षा 07वीं तक पढ़ी-लिखी है। हिन्दी-छत्तीसगढ़ी बोलती हैं। कहीं पर दिखें तो नीचे दिए नंबर पर सूचित करें।

थाना प्रभारी विधानसभा,
जिला रायपुर (छ.ग.)
संपर्क नं. 9479191079, 0771-2283760

पेज एक के शेष

बेहतर होनी थी, बदतर...

गांवों में प्रायमरी शिक्षा के लिए स्कूल खोले जा रहे हैं। सवाल ये है आखिर यह क्यों हो रहा है? जबकि जनसंख्या बढ़ने के साथ पढ़े-लिखों की संख्या बढ़कर बेहतर स्थिति में आनी चाहिए, पर ये तस्वीर तो बदतर नजर आ रही है। राज्य में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर और उसके बाद हर साल बढ़ने वाली अनुमानित जनसंख्या के गणितीय अनुमान के हिसाब से 2026 तक के संभावित आंकड़े निकाले हैं, जिसमें यह बात सामने रखने की कोशिश की है कि 1 मार्च 2026 की स्थिति में राज्य कुल निरक्षरों की अनुमानित संख्या कितनी है। यही नहीं, राज्य के सभी 33 जिलों के लिए यही हिसाब-किताब निकाला गया है।

रायपुर, बिलासपुर में बढ़ रहे निरक्षर : **रायपुरः** राजधानी में यह आंकड़ा 6,65,731 से बढ़कर 6,75,924 हुआ है। **बिलासपुरः** यहां निरक्षर आबादी 5,93,310 से बढ़कर 6,61,368 तक पहुंच गई है। **कबीरधामः** यहां भी बड़ी बढ़त देखी गई है, जहां संख्या 4,08,359 से बढ़कर 5,12,609 हो गई है।

महिला आरक्षण विधेयक...

सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह संशोधन केवल संसद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। वर्तमान में राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी औसतन करीब 9 फीसदी है, जबकि संसद में महिला सांसदों की संख्या लगभग 13 फीसदी के आसपास है। ऐसे में यह विधेयक राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लैंगिक संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

राजनीतिक दलों के लिए नई रणनीति : महिला आरक्षण लागू होने के बाद राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे और टिकट वितरण में व्यापक बदलाव करने होंगे। अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को तैयार करना, उन्हें नेतृत्व में आगे लाना और जमीनी स्तर पर मजबूत करना दलों के लिए अनिवार्य हो जाएगा।

समयसीमा पर असमंजस : हालांकि विधेयक पारित हो चुका है, लेकिन इसके लागू होने की सटीक समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसे लागू किया जा सकेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि 2029 या उसके बाद के आम चुनावों में इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि महिला आरक्षण विधेयक भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक पहल है, जो महिलाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में मजबूत स्थान दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। हालांकि, इसके कार्यान्वयन की जटिल प्रक्रियाएं और राज्यों के सामने खड़ी "दोहरी चुनौती" यह स्पष्ट करती हैं कि इस बदलाव को जमीन पर उतारना आसान नहीं होगा। इसके बावजूद, यह कदम देश में समावेशी और संतुलित लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

कीर्तन सीखने वाली महिला की...

करने व तलवार से सभी को काट देने धमकी देकर रकम वसूल करता रहा। महिला के द्वारा शिकायत करने पर गुरूद्वारा कमेटी के द्वारा उसे नौकरी से हटा दिया गया तो वह मूल निवास गुरूनानक नगर सुलतान मिन्ड रोड कटरा सलग्राम अमृतसर पंजाब से भी डरा धमकाकर जान से मारने की धमकी देकर वसूली करने लगा। महिला से उसने ब्लैकमेलिंग कर 20 लाख रुपए की वसूली की। वहीं उनको 10 से 20 करोड़ रुपए वसूली करने की धमकी देता था।

न्यायालय तहसीलदार, देवकर
जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक डॉ. चन्द्र प्रताप सिंह पिता स्व. श्री पूरन सिंह उम्र 53 वर्ष निवासी नगर, गोंदवारा रोड, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि ग्राम कुरलू प.ह.न. 8 तहसील देवकर जिला बेमेतरा (छ.ग.) वाद भूमि ख.न. 246/2, 257, 545, 548, 562, 565/1,569, 640/1 रकबा क्रमशः 1.87, 0.12, 1.76, 0.16, 0.07, 0.73, 0.07, 0.20 हे. कुल ख.न. 08 कुल रकबा 4.98 हे. भूमि जो वर्तमान राजस्व अभिलेख में श्रीमती कुसुमबाई बेवा प्रहलादसिंह जाति गोड के नाम से भूमि स्वामी मद में दर्ज हैं। भूमि स्वामी कुसुमबाई बेवा प्रहलादसिंह के द्वारा अपने जीवन काल में 22/06/2015 को पंजीकृत वसीयतनामा के द्वारा आवेदक के पक्ष में वसीयतनामा निष्पादित की है। भूमि स्वामी का दिनांक 02/01/ 2026 को स्वर्गवास हो गया है। आवेदक के द्वारा उक्त पंजीयकृत बैनामा के आधार पर वाद भूमि को अपने नाम पर नामांतरण दर्ज करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के द्वारा अपने आवेदन के साथ वर्तमान बी-1 की प्रति, पंजीयकृत वसीयतनामा की प्रति, आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न कर नामांतरण हेतु निवेदन किया है।

अतएव उपरोक्त संबध में किसी भी व्यक्ति / संस्था / समुदाय को कोई उजर दावा / आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं / अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उजर दावा / आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक :- 06/04/2026
नियत दिनांक :- 29/04/2026

(मुहर) तहसीलदार
देवकर, जिला-बेमेतरा

-:: आम सूचना ::-

वाके मौजा मेमरा, प.ह.नं. 00009, रा.नि. मं. पिथौरा तहसील पिथौरा जिला महासमुंद (छ. ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 46/1, 46/2,49/2, 50, 53, 54, 55, 78 रकबा क्रमशः 0.0300 हे., 1.9100 हे., 0.0600 हे., 0.5400 हे., 0.5400 हे., 1. 1400 हे., 2.0200 हे., 1.3800 हे., एवं 1.0200 हे., भूमि के संबंध में

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार आर्जव जैन पिता श्री संजय जैन व श्रीमती रेखा जैन पति श्री संजय कुमार जैन निवासी चौबे कॉलोनी, रायपुर छ. ग. ने विक्रेता बाला जी डेव्लपर्स द्वारा डायरेक्ट श्री गणेश अग्रवाल पिता श्री सुभाष अग्रवाल निवासी-डालफिन ट्रेड, सांई मंदिर के पास, देवेन्द्र नगर रोड रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के भूमिस्वामी हक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की जो कि कृषि भूमि वाके मौजा मेमरा, प.ह.नं. 00009, रा.नि.मं. पिथौरा तहसील पिथौरा जिला महासमुंद (छ. ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 46/1, 46/2, 49/2, 50, 53, 54, 55, 78 रकबा क्रमशः 0.0300 हे., 1.9100 हे., 0.0600 हे., 0.5400 हे., 0.5400 हे., 1.1400 हे., 2.0200 हे., 1.3800 हे., एवं 1.0200 हे., भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर, इकरारनामा का निष्पादन कर ब्याना राशि अदा कर दिया है मात्र उपरोक्त भूमि का बैनामा निष्पादन एवं पंजीयन शेष है।

उपरोक्त संव्यवहार के संदर्भ में जिस किसी भी व्यक्ति (यों), संस्था, निगम, निकाय, साहूकार, बैंक, वित्त प्रदाय करने वाली अन्य समस्त संस्था, प्राधिकरण अथवा शासकीस- अर्ध्दशासकीय, निकाय या प्राईवेट संस्थान को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति, वाद-विवाद, निहित हित, हो तो वह अपनी आपत्ति मय प्रमाणित दस्तावेजों के मेरे अधोलिखित पते पर कार्यालयीन अवधि में इस आम सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के अन्दर प्रस्तुत करें उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरांत प्राप्त आपत्तियां एवं दावे शून्य एवं विधि विरूध्द समझी जायेगी और मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी। सो सूचना जानिये।

स्थान-रायपुर छ.ग. दिनांक 08/04/2026

भूपेन्द्र सिंह अधिवक्ता,
मलसाय तालाब के पास शिवाजी नगर,
कुशालपुर, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9893543048

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

क्रं./ लो.क.वि./2026/15 — रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006 — रिसाली, दिनाक 02/04/26

Website:-risall.urbanecg.gov.in

// निविदा सूचना //

नगर पालिक निगम, रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक कर्म विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से लो.क.वि. भवन एसओआर 01.01.2015, रोड एसओआर 01.01.2015/रोड सओआर 01.01.2025, इलेक्ट्रीकल एसओआर 01.06.2020 के आधार पर प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जातीः-

क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में) रू.
1	PROPOSED CONSTRUCTION OF COVER DRAIN AT-BLOCK A LOTUS 46,47, RISALI (C.G.)	0.98
2	Fencing work near B Block Shiv Temple, Talpuri, Ward No. 1	4.88
3	Construction of Dome shed in Block A of Talpuri, Ward 1	4.88
4	PROPOSED CONSTRUCTION OF INTERLOCKING WORK AT NEAR AMBEDKAR BHAWAN WARD NO.02, RISALI	2.91
5	construction of Boundary wall at the community building (Kosaria Yadav Para), Ruabandha North, Ward No. 2	9.74
6	Pavar block of Construction in front of Yadav Bhawan, Ruabandha North, Ward No. 2	9.75
7	Pavar block of Construction in front of Durga Manch, Ruabandha North, Ward No. 2	9.74
8	PRO. CONSTRUCTION OF DRAIN AND CULVERT AT- NEAR YADAV CHOWK, RUABANDHA, WARDNO. 3, RISALI	7.31
9	PRO. CONSTRUCTION OF C.C. ROAD & DRAIN AT DHANESHWAR SARTHI HOUSE TO SUNIL JAIN HOUSE, SHANICHARI MARKET, RUABANDHA, WARDNO. 3, RISALI(C.G.)	3.02
10	PRO. CONSTRUCTION OF C.C. ROAD AND DRAIN AT-SUNIL DEWANGAN HOUSE TO SANDHYA THAKUR HOUSE TO DHELU RAM HOUSE, WARD NO.-03, RUABANDHA, RISALI (C.G.)	7.70
11	PRO. CONSTRUCTION OF DRAIN AT YADAV CHOWK KARYALAYA TO RUPESH GUPTA TO PRAVIN RAJPUT TO MAMU HOUSE TO TALPURI CULVERT TO BAJRANG CHOWK TO PUNNI NISHAD TO DOMAN TADAV HOUSE TO GAJJU YADAV HOUSE, WARD 3	9.75
12	PRO.CONSTRUCTION OF DOME SHED AT NEAR BAJRANG CHOWK RUABANDHA, WARDNO. 03, RUABANDHA, RISALI (C.G.)	4.88
13	PRO. BEAUTIFICATION WORK AT JAISTAMBH AT- NEAR DEEPAK CHAUHAN HOUSE CHACHA CHOWK RUABANDHA, WARDNO. -03, RUABANDHA, RISALI (C.G.)	4.88
14	Construction of CC road from Ganesh Chowk to Rupesh Gupta's house, Ruabandha Basti, Ward No. 3	9.75
15	Construction of Drain from Gupta Sweets Store to Bajrang Chowk, Ruabandha North, Ward 3.	9.75
16	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT NEAR JAITKHAM ASHWANI BANJARE HOUSE TO KAMAL JAIN DUKAN, WARD NO. 04, RUABANDHA (C.G.)	3.49
17	PROPOSED CONSTRUCTION OF PAVER BLCOK WORK AT SABJI MANDI INFRONT OT STAGE, WARD NO. 04, RUABANDHA (C.G.)	2.78
18	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT-NEAR RAJURAM HOUSE WARD 4, RISALI (C.G)	3.90
19	PROPOSED BEAUTIFICATION OF GANESH MAIDAN GARDEN AT-WARD 5 HSCL COLONY, RISALI (C.G.)	8.84
20	PROPOSED CONSTRUCTION OF BOTH SIDE PAVER WORK AT MAITRI KUNJ ROAD TO NEW RUABANDHA STREET NO 2 TO ST. THOMAS ROAD, WARD 5 HSCL COLONY (C.G.)	8.39
21	PROPOSED CONSTRUCTION OF CULVERT AT- HSCL COLONY, WARD 5, RISALI (C.G.)	1.71
22	PROPOSED CONSTRUCTION OF PAVER WORK AT- IN FRONT OF QUARTER NO. 1, 10 AND 19 WARD 5 HSCL COLONY (C.G.)	9.26
23	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT- MAYANAGAR WARD 5 HSCL COLONY (C.G.)	8.78
24	PROPOSED BEAUTIFICATION AND SHED WORK AT- HANUMAN MANDIR GARDEN WARD 5 HSCL COLONY, RISALI	9.56
25	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT- BLOCK 180 TO 178, RUABANDHA SECTOR EAST, WARD 6, RISALI	9.32
26	PROPOSED CONSTRUCTION OF PAVER BLOCK AT- NEAR TRANSFORMER GARDEN, WARD 6, RISALI (C.G.)	4.88
27	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT- BLOCK 41 TO 47, RUABANDHA SECTOR EAST, WARD 6, RISALI	2.93
28	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT- BLOCK 49 TO 62, RUABANDHA SECTOR EAST, WARD 6, RISALI	2.93
29	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT-BLOCK 63 TO 70, 71 RUABANDHA SECTOR EAST, WARD 6, RISALI	3.12
30	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT- BLOCK 131 TO 140 RUABANDHA SECTOR EAST, WARD 6, RISALI	4.09
31	PROPOSED CONSTRUCTION OF PAVER BLOCK WORK AT - BLOCK 32 TO BLOCK 23, WARD 7, RISALI	4.72
32	PROPOSED CONSTRUCTION OF DRAIN AT - RISALI SECTOR EAST, 372\A TO 371 C, WARD 7, RISALI	4.37
33	PROPOSED CONSTRUCTION OF RCC WALL & LAYING OF PAVER BLOCKS NEAR KALYANI SHEETLA MANDIR RISALI SECTOR EAST WARD 7, RISALI	4.88

नियम एवं शर्ते तथा कार्यो का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रिसाली

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेण्ड्री
ब्लाक- राजनांदगांव जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)

क. / 01 / एकलव्य / निविदा / 2026-27 — दिनांक-08-04-2026

// निविदा सूचना //

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति, नई दिल्ली द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेन्ड्री, राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा विद्यालय के संचालन हेतु सत्र 2026-27 हेतु पंजीकृत फर्मों/आपूर्तिकर्ताओं से खाद्य सामग्री, सब्जी एवं फल, मांसाहार एवं हेयर कटिंग सामग्रियों के लिए मुहर बंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, प्राचार्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेन्ड्री राजनांदगांव के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर (जी.एस.टी. प्रमाण पत्र सहित) रू. 500 नगद भुगतान कर इस निविदा सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन के 21 दिवस के भीतर कार्यालयीन दिवस में विद्यालय कार्यालय/ विद्यालय कि वेबसाईट www.emrspendri.org.in से प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 30/04/2026 समय दोपहर 2:00 बजे तक, **निविदा खोलने की तिथि 05/05/2026**

संर्पक सूत्र - 07744296155

प्राचार्य
एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेन्ड्री जिला- राजनांदगाँव

न्यायालय नायब तहसीलदार बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार - भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक / 286/ ना. तह. वा / 2026 — बलौदाबाजार दिनांक 07/04/2026

ईश्तहार

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार का पत्र क्रमांक 1528 / लो.नि.वि./न.पा.प. /2025 बलौदाबाजार दिनांक 17/09/2025 के माध्यम से पूर्व आबंटित भूमि बस स्टैण्ड निर्माण हेतु ग्राम परसाभदेर स्थित भूमि खसरा 513 का टुकड़ा रकबा 0.720 हे. भूमि को निरस्त कर एस.टी.पी. निर्माण हेतु ग्राम परसाभदेर प.ह.नं. 06 तहसील बलौदाबाजार स्थित शासकीय भूमि खसरा 513 का टुकड़ा रकबा 0.720 हे. चिन्हांकित भूमि को आबंटित किये जाने हेतु माननीय कलेक्टर महोदय बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किये है, जो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बलौदाबाजार के माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जो कि प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में उक्त ग्राम परसाभदेर प.ह.नं. 06 रा.नि.मं. लटुवा तहसील बलौदाबाजार स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 513 का टुकड़ा रकबा 0.720 हे. भूमि को आवेदक मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार को आबंटन किये जाने से जिस किसी को आपत्ति / दावा हो तो अपना दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत 22/04/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। उक्त दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

(मुहर) नायब तहसीलदार
बलौदाबाजार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नीलामी सूचना

तारसा एवं तिरोड़ा में तालाब की सफाई और मछली पकड़ने के अधिकारों के लिए नीलामी सूचना

नीलामी क्र.: SECR/NAG/E/LMC/Auction Pond Tharsa & TRO/April-26/1

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के तारसा एवं तिरोड़ा स्टेशन पर तालाब की सफाई और नेटिंग/मछली पकड़ने के अधिकारों के लिए नीलामी की सूचना। नीलामी बिक्री लेखा प्रतिनिधि की उपस्थिति में सहायक मंडल इंजीनियर द्वारा उनके कार्यालय में निम्नलिखित तारीखों पर **13.30** बजे आयोजित किया जाएगा। रेलवे तालाब की सफाई और नेटिंग/मछली पकड़ने के अधिकार की अवधि सक्षम अधिकारी द्वारा मंज़ूरी की तारीख से 05 (पांच) साल होगी। नीलामी का विवरण, आरक्षित मूल्य और तिथि इस प्रकार है:

स्टेशन	तारसा	तिरोड़ा
आरक्षित मूल्य	₹ 14,49,459/-	₹ 6,48,230/-
नीलामी की तिथि	17.04.2026 को 13.30 बजे	20.04.2026 को 13.30 बजे
नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने हेतु आरक्षित मूल्य का 2% जमा राशि	₹ 28,989/-	₹ 12,965/-
स्थान	ADEN (Track), नागपुर माउन्ट रोड, नागपुर	ADEN, तुमसर रोड

नोट: सफल नीलामीकर्ता को स्वीकृत बोली राशि का 18% जीएसटी भी देना होगा। नीलामी और अनुबंध पर रेलवे प्रशासन का निर्णय अंतिम होगा और बोलीदाता के लिए बाध्यकारी होगा। अन्य नियम और शर्तें ठेकेदार द्वारा संबंधित सहायक मंडल अभियंता, गोंदिया के कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

वरिष्ठ मंडल अभियंता (मध्य),
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर AIM/02-07

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

शब्द पहेली - 6190

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6189 का हल

सूडोकु नवताल- 6200

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6199 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

खबर संक्षेप

कल्याण ज्वेलर्स का राजस्व 64% बढ़ा

नई दिल्ली। कल्याण ज्वेलर्स इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में अपने कुल राजस्व में 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। आभूषणों की ज़ोरदार खरीदारी की वजह से हुई, जबकि सोने की कीमतें अस्थिर बनी रहीं। खुदरा आभूषण विक्रेता का पिछले साल इसी तिमाही में राजस्व 6,222.35 करोड़ रुपये था।

एफसीएल ने ब्याज, मूलधन के भुगतान में चूक की

नई दिल्ली। फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड ने मार्च 2026 के अंत तक बैंकों, वित्तीय संस्थानों और असूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों से लिए गए ऋण के ब्याज और मूलधन के भुगतान में 615.67 करोड़ रुपये की चूक की है। एफसीएल ने 31 मार्च, 2026 तक बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए 325.26 करोड़ के ऋण और अन्य नकद सुविधाओं के भुगतान में चूक की थी।

इक्सिगो का ट्रेन में भोजन मुहैया कराने स्विगी से करार

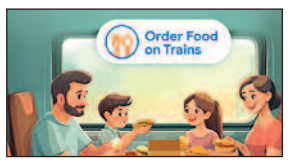

नई दिल्ली। ट्रेन टिकट बुकिंग मंच इक्सिगो ट्रेन्स एंड कन्फर्म टिकट ने खाद्य ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। इस साझेदारी से यात्री देश के 160 से अधिक रेलवे स्टेशन पर 40,000 से अधिक रेस्तरां से खाना ऑर्डर कर पाएंगे। अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की जा रही है।

मैक्स हेल्थकेयर, केएचएल में खरीदेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट लिमिटेड ने हॉस्पिटल कॉरपोरेशन ऑफ ओडिशा इंक. से कलिंगा हॉस्पिटल लिमिटेड (केएचएल) में 58.4 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर खरीद समझौता किया है। इस सौदे का इक्विटी मूल्य 300 करोड़ रुपये है। इस अधिग्रहण के साथ मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट ओडिशा के भुवनेश्वर में उतर जाएगी।

जापान के एमयूएफजी बैंक की एसएफएल में हिस्सेदारी

नई दिल्ली। जापान के प्रमुख ऋणदाता एमयूएफजी बैंक ने बुधवार को श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (एसएफएल) में 39,618 करोड़ रुपये में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। यह निवेश भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो देशों के बीच होने वाला अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

बद्री संभालेंगे फ्लिपकार्ट की एआई परियोजना

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपने वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रमुख हेमंत बद्री को कृत्रिम मेधा (एआई) कायाकल्प परियोजना की कमान सौंपने की जानकारी दी है। फ्लिपकार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति ने कर्मचारियों को भेजे गए आंतरिक ई-मेल में इस नियुक्ति की सूचना दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम फ्लिपकार्ट को 'एआई-केंद्रित' संगठन बनाने की दिशा में अहम है।

ट्राई का कॉल, एसएमएस के लिए कम कीमत वाले प्लान का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने दूरसंचार परिचालकों के लिए यह अनिवार्य किये जाने का प्रस्ताव किया कि वे केवल कॉल और एसएमएस सेवाओं के लिए कम कीमत पर मोबाइल प्लान जारी करें।

- इसकी कीमत मौजूदा विशेष शुल्क वाउचर की तुलना में कम हो

इसकी कीमत मौजूदा विशेष शुल्क वाउचर की तुलना में कम हो, जिनमें डेटा (इंटरनेट) सुविधा भी शामिल है। दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियमन, 2026 के मसौदे में ट्राई ने कहा कि उसने प्रत्येक दूरसंचार परिचालक के लिए कम से कम एक विशेष शुल्क वाउचर जारी करना अनिवार्य किया है, जो केवल कॉल (वॉयस) और एसएमएस के लिए हो। लेकिन कंपनियों ने लंबी वैधता वाले कुछ ही प्लान जारी किए।

परिचालक के लिए एक विशेष शुल्क वाउचर जारी करना अनिवार्य किया

पिछले बदलाव का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने यह भी पाया कि केवल वॉयस और एसएमएस पैक को पेश करते समय, दूरसंचार परिचालकों ने शुरू में अपेक्षाकृत अधिक कीमत तय की और प्लान से डेटा लाभ हटाने के अनुपात में इन कीमतों को कम नहीं किया गया। नियामक ने कहा कि पिछले बदलाव का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा है और इसलिए उसने एक नया प्रस्ताव पेश किया है।

विशेष शुल्क वाउचर भी देना अनिवार्य होगा

ट्राई ने कहा, 'प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य इस समस्या का समाधान करना है। इसके तहत, वॉयस, एसएमएस और डेटा वाले विशेष शुल्क वाउचर (चाहे उनमें अतिरिक्त सेवाएं हों या न हों) के लिए दी जाने वाली प्रत्येक वैधता अवधि के लिए, सेवा प्रदाता को केवल वॉयस और एसएमएस के लिए एक अलग विशेष शुल्क वाउचर भी देना अनिवार्य होगा।'

वॉयस व एसएमएस पैक के अधिक विकल्प मिलेंगे

नियामक ने कहा, 'साथ ही, इससे उपभोक्ताओं को केवल वॉयस और एसएमएस वाले पैक के अधिक विकल्प मिलेंगे, जिससे वे डेटा-युक्त पैक के बराबर हो जाएंगे। ट्राई ने इस प्रस्ताव पर संबंधित पक्षों से 28 अप्रैल तक सुझाव देने को कहा है।

अनावश्यक सेवाओं की जबरन खरीद पर रोक लगेगी

नियामक ने कहा कि इस संशोधन से पारदर्शिता बढ़ेगी, अनावश्यक सेवाओं की जबरन खरीद पर रोक लगेगी और यह सुनिश्चित होगा कि जिन उपभोक्ताओं को डेटा की आवश्यकता नहीं है, उन्हें इसके लिए भुगतान के लिए बाध्य नहीं किया जाए।

चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

आरबीआई ने रेपो दर को यथावत रखा, 2026-27 में वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए बुधवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई ने इसके साथ सतर्क रुख अपनाते हुए 'देखो और इंतजार करो' की नीति का रुख अपनाया है।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में लगभग 40 दिन चले युद्ध के कारण कच्चे तेल दाम में उल्लेखनीय तेजी आई है। इससे ईंधन के आयात पर निर्भर भारत जैसे देशों के लिए मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ा है।

महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए नीतिगत दर यथावत रखी

आरबीआई ने सतर्क रुख अपनाते हुए देखो और इंतजार करो की नीति अपनाई

ईंधन के आयात पर निर्भर भारत के लिए मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह अप्रैल से शुरू तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, ''एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एमपीसी ने मौद्रिक नीति के मामले में 'तटस्थ' रुख को बनाये रखा है।

अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत

गवर्नर ने कहा, ''हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद अधिक मजबूत है, जिससे अब इसमें झटकों का सामना करने की क्षमता पहले की तुलना में अधिक है। इसके साथ ही आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है।

रुपए में 50 पैसे का उछाल

इसके साथ ही अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से चार प्रतिशत से अधिक टूटा है। इससे आयातित मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम है। हालांकि, संघर्ष विराम की घोषणा के बाद रुपया 50 पैसे चढ़कर 92.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है।

मासिक किस्त यथावत बनी रहेगी

इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त जस-की-तस बने रहने की संभावना है।

खुदरा महंगाई 4.6 फीसदी रहने का अनुमान

आरबीआई ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के कारण वृद्धि दर में नरमी रह सकती है। नई जीडीपी श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के तहत दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, भारत की वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 2025-26 में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक तीन से पांच जून को होगी।

मुद्रा योजना ने छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप को मजबूत बनाया : शाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों में छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप को बिना गारंटी ऋण देकर उन्हें मजबूत बनाया है और स्वरोजगार तथा छोटे उद्योगों को नई गति दी है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अमित शाह ने कहा कि मुद्रा योजना के 11 वर्षों में 58 करोड़ ऋण वितरित किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इससे 12 करोड़ युवाओं को लाभ मिला है और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा को नई गति मिली है। शाह ने कहा, /"मुद्रा योजना के 11 वर्षों में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना गारंटी ऋण देकर छोटे कारोबारियों और नए उद्यमों को सशक्त बनाया है, जिससे स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को नई ताकत मिली है।/ उन्होंने यह भी कहा कि हर तीन में दो मुद्रा ऋण महिलाओं को दिए जाना महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

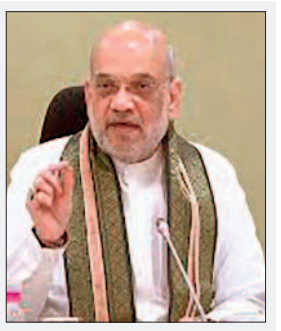

पिछले 11 वर्षों में स्वरोजगार व छोटे उद्योगों को गति दी

मुद्रा योजना के 11 वर्षों में 58 करोड़ ऋण वितरित किए गए

20 लाख तक ऋण दिया जा रहा

यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल 2015 को शुरू की थी। इसके जरिए बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

रायपुर में रामा ग्रुप ने लांच किया 'रामा ईको लग्जरी फ्लोर्स', बुकिंग शुरू

रायपुर। रियल एस्टेट क्षेत्र में सक्रिय रामा ग्रुप ने राजधानी रायपुर के शंकर नगर इलाके में अपने फ्लैगशिप रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट 'रामा ईको' के अंतर्गत नए प्रीमियम फेज 'रामा ईको लग्जरी फ्लोर्स' के लांच की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट को रेरा की मंजूरी मिल चुकी है, जिसके साथ ही अल्ट्रा-लक्जरी अपार्टमेंट्स की बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। कंपनी के डायरेक्टर प्रखर अग्रवाल के अनुसार, यह प्रोजेक्ट आधुनिक होमबायर्स की प्राइवेसी, डिजाइन और बेहतर लाइफस्टाइल की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

लो-डेंसिटी कॉन्सेप्ट पर आधारित इस प्रोजेक्ट में कुल 16 आकर्षक टावर्स बनाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक टावर में 7 फ्लोर और हर फ्लोर पर एक ही 4 एवं 5 बीएचके अपार्टमेंट उपलब्ध है। इस तरह कुल 112 स्पेशियस अपार्टमेंट्स तैयार किए गए हैं, जो प्राइवेसी और एक्सक्लूसिविटी पर केंद्रित हैं। नई दिल्ली के आर्किटेक्ट राजीव अग्रवाल द्वारा डिजाइन किए गए इस प्रोजेक्ट में मॉडर्न अर्बन लिविंग का विशेष ध्यान रखा गया है, जबकि जापान के योकोहामा स्थित एसटीजीके ने इसका लैंडस्केप तैयार किया है।

पेंटहाउस और प्राइवेट लिफ्ट जैसी खास सुविधाएं : अपार्टमेंट्स का आकार 7,100 से 12,800 वर्गफुट के बीच है और 12 फीट सीलिंग हाइट घर को और भी स्पेशियस और एयरी फील देती है। प्रत्येक यूनिट में प्राइवेट लिफ्ट की सुविधा दी गई है। हर टावर में स्मूथ ऑपरेशन के लिए 8 लिफ्ट्स की सुविधा भी है। प्रोजेक्ट में 7वें फ्लोर पर विशेष पेंटहाउस भी शामिल है, जिसमें लगभग 4,500 वर्गफुट की प्राइवेट टैरेस उपलब्ध होगी। इसके अलावा 1.86 एकड़ के हरित क्षेत्र के साथ सेमी-ओलंपिक स्विमिंग पूल, एम्फीथिएटर, जॉगिंग ट्रैक, स्पोर्ट्स जोन और गोल्फ पुटिंग पिच जैसी लाइफस्टाइल अमेनिटीज दी गई हैं। साथ ही, हर रेसिडेंस के साथ 3 डेडिकेटेड कार पार्किंग स्पेसेस भी दिए गए हैं।

हुंडई मोटर मई से वाहनों की कीमतें एक फीसदी बढ़ाएगी...

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने बढ़ती लागत के कारण मई से अपने वाहनों की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की बुधवार को जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने मई 2026 से अपने सभी मॉडल की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की योजना बनाई है। यह मूल्य संशोधन विभिन्न लागतों में वृद्धि के कारण किया जा रहा है। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी विभिन्न मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा, '' हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि बढ़ती लागत को खुद वहन कर ग्राहकों को कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाया जाए। हालांकि, कच्चे माल की लागत में लगातार वृद्धि से इसका एक हिस्सा मामूली मूल्य वृद्धि के रूप में ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।''

भारत में स्टार्टअप का कर्ज-आधारित वित्तपोषण 2025 में तीन अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में स्टार्टअप कंपनियों को कर्ज के जरिये मिलने वाले वित्तपोषण में तेजी आई है।

वर्ष 2025 में बिना हिस्सेदारी दिए मिलने वाला कर्ज (उद्यम ऋण) 1.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि बड़ी कंपनियों के विस्तार के लिए दिया जाने वाला कर्ज (वृद्धि ऋण) 1.68 अरब डॉलर रहा। स्ट्राइड वेंचर्स की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान स्टार्टअप वित्तपोषण के तरीके में बड़े बदलाव का संकेत है। पहले इस तरह का कर्ज केवल कंपनियों की नकदी जरूरत (रनवे) बढ़ाने तक सीमित था लेकिन अब इसका इस्तेमाल विस्तार, अधिग्रहण और कारोबार को मजबूत करने में भी हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में करीब 187 स्टार्टअप कंपनियों ने उद्यम ऋण लिया।

- बड़ी कंपनियों को दिया जाने वाला कर्ज 1.68 अरब डॉलर रहा

बीएमडब्ल्यू ग्रुप की बिक्री रिकॉर्ड 4,567 इकाई पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने चालू कैलेंडर साल की पहली तिमाही के दौरान 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी सबसे अधिक 4,567 वाहनों की बिक्री दर्ज की है। जर्मनी की कार विनिर्माता कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़त जारी रही। अब कंपनी की हर चौथी कार इलेक्ट्रिक है। भारत के लक्जरी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से ज्यादा है। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी पहली तिमाही में 26 प्रतिशत रही। कंपनी के पास इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे बड़ी श्रृंखला है, जिसमें बीएमडब्ल्यू आई7, बीएमडब्ल्यू आईएक्स, बीएमडब्ल्यू आई5, बीएमडब्ल्यू आईएक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस, मिनी कंट्रीमैन ई, मिनी कंट्रीमैन एसई ऑल4 जैसी कारें और बीएमडब्ल्यू सीई 04 व बीएमडब्ल्यू सीई 02 जैसे दोपहिया वाहन शामिल हैं।

- पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़त जारी रही

सबसे अधिक पहली तिमाही की बिक्री हासिल की

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरदीप सिंह बरार ने कहा, /"बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2026 में बेहद मजबूत स्थिति में प्रवेश किया है। हमने व्यापक आर्थिक और भूराजनीतिक बाधाओं के बावजूद ठोस दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक की सबसे अधिक पहली तिमाही की बिक्री हासिल की है।/"

न्यायालय नायब तहसीलदार गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)
// ईश्तहार //
रा.प्र.क्र.-202604242600005 अ-19 (3) वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम ग्रामवासी ग्राम कन्हारपुरी एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रदीप कुमार अध्यक्ष नगर पंचातय गुरुर, जिला बालोद के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि नगर पंचायत गुरूर में शासन की महत्वकांक्षी योजना स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन हेतु एस.टी.पी. निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है किन्तु निकाय क्षेत्रांतर्गत पर्याप्त मात्रा में शासकीय भूमि उपलब्ध नही होने के कारण निकाय के ढलान की दक्षिण दिशा में नजदीकी ग्राम कन्हारपुरी, प.ह.न. 32 में उपलब्ध शासकीय भूमि खसरा नंबर 683/1 रकबा 7.65 हेक्टेयर भूमि में से रकबा 0.5 हे. भूमि में उक्त योजना हेतु नगर पंचायत गुरूर को निःशुल्क अधिपत्य प्रदाय किये जाने हेतु कलेक्टर महोदय बालोद को प्रस्तुत आवेदन जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर प्रकरण की कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्ताशय के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा-आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति- दावा पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
गुरूर जिला-बालोद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालोद, जिला - बालोद (छ.ग.)

क्रमांक / 397 / लो.नि.वि. / न.पा./2026 **मैनुअल पद्धति निविदा सूचना** बालोद, दिनांक 07/04/2026

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 17/04/2026 सायं 5:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र शुल्क जमा / प्रदाय की अंतिम तिथि - 20/04/2026 सायं 5:00 बजे तक
3. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 29/04/2026 सायं 5:00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 30/04/2026 दोपहर 12:00 बजे से

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार / फर्म से अधोसंरचनामद अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

क्र	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानत राशि	कार्य की समयावधि
1	वार्ड क्र. 01 में लक्ष्मीनारायण घर से रामकुमार घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	3.78	750.00	3800.00	03 माह
2	वार्ड क्र. 03 राजेन्द्र साहू घर से प्रेम साहू घर तक सी.सी. टॉप कोट कार्य	1.26	300.00	2000.00	03 माह
3	वार्ड क्र. 04 देवांगन चाट सेंटर से रामदेव चौक होते हुए बंशीलाल जैन तक सी.सी. टॉपकोट	3.36	750.00	3400.00	03 माह
4	वार्ड क्र. 04 दीलीप सायकल स्टोर्स से महेन्द्र नाहर घर तक सी.सी. टॉप कोट कार्य	2.52	750.00	2600.00	03 माह
5	वार्ड क्र. 04 गंगा मैय्या बुक डिपो से संजीव चौंच, तम्बाकू दुकान तक आर.सी.सी. नाली	4.41	750.00	4500.00	03 माह
6	वार्ड क्र. 05 प्रमोद यादव घर से पटेल घर तक सी.सी. टॉप कोट कार्य	1.47	300.00	2000.00	03 माह
7	वार्ड क्र. 05 ठाकुर घर से माला घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	5.52	750.00	4200.00	03 माह
8	वार्ड क्र. 06 कांशीवन तालाबपार में सी. सी. टॉप कोट कार्य	1.76	300.00	2000.00	03 माह
9	वार्ड क्र. 07 पंकज गुप्ता घर से किरण सोनी घर तक सी.सी. टॉप कोट कार्य	2.94	750.00	3000.00	03 माह
10	वार्ड क्र. 08 आटा चक्की से चिनार काम्पलेक्स तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	4.41	750.00	4500.00	03 माह
11	वार्ड क्र. 08 गणेश मंदिर से योगी जी घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	1.91	300.00	2000.00	03 माह
12	वार्ड क्र. 09 डॉ. चौबे घर से नवीन राजपूत घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	4.04	750.00	4100.00	03 माह
13	वार्ड क्र. 09 पोषण ठाकुर घर से मोहन लाल साहू घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	9.24	750.00	7000.00	03 माह
14	वार्ड क्र. 10 अनुराग प्रेस से गुरूदेव ट्रेडर्स तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	4.03	750.00	4100.00	03 माह
15	वार्ड क्र. 10 सुहैल घर से मस्जिद घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1.92	300.00	2000.00	03 माह
16	वार्ड क्र. 10 हरियाणा जलेबी से अनुराग प्रिंटिंग प्रेस तक सी.सी टॉप कोट कार्य	2.70	750.00	2700.00	03 माह
17	वार्ड क्र. 12 डॉ. खोटेश्वर घर के पास सी.सी. टॉप कोट कार्य	9.24	750.00	7000.00	03 माह
18	वार्ड क्र. 13 ईश्वर सिंह राजपूत घर से विमला गौतम घर तक सी.सी. टॉप कोट कार्य	3.94	750.00	4000.00	03 माह
19	वार्ड क्र. 14 मणी नायर घर से ईश्वर सिंह राजपूत घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	8.07	750.00	6100.00	03 माह
20	वार्ड क्र. 16 गंगरेले घर के सामने सी. सी. टाप कोट कार्य	3.78	750.00	3800.00	03 माह
21	वार्ड क्र. 16 मोहित परचानी दुकान से गुरूद्वारा तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	7.35	750.00	5600.00	03 माह
22	वार्ड क्र. 17 महादेव सपाहा घर से भीम दीमर घर तक सी.सी. टॉप कोट कार्य	3.70	750.00	3800.00	03 माह
23	वार्ड क्र. 17 शैलेष घर से कमल केरकेटा घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	7.35	750.00	5600.00	03 माह
24	वार्ड क्र. 18 रामानंद दुबे घर से संजीव सोनी घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	5.26	750.00	4000.00	03 माह
25	वार्ड क्र. 19 युनियन बैंक से मनोज चांडक घर तक सी. सी. टॉप कोट कार्य	5.04	750.00	3800.00	03 माह
26	वार्ड क्र. 20 गौठान से कमला घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	6.39	750.00	4800.00	03 माह

उपरोक्त कार्यों के निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईड www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती हैं।

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बालोद

बिजनेस साइट

सोनालीका ट्रैक्टर्स ने 30वें वर्ष में दर्ज की रिकॉर्ड 1,80,504 ट्रैक्टरों की बिक्री

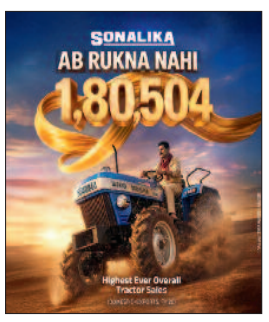

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख ट्रैक्टर कंपनी सोनालीका ने अपने 30वें वर्ष में 1,80,504 ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक बिक्री दर्ज की, जो कंपनी के लिए खास उपलब्धि है। यह सफलता किसानों के बढ़ते भरोसे, तकनीकी नवाचार और कंपनी की किसान-केंद्रित रणनीति का परिणाम है।

जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर रमन मित्तल ने कहा कि यह संख्या केवल आंकड़े नहीं, बल्कि टीम और पार्टनर्स की लगातार मेहनत का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 50,000 से लेकर अब 1,80,504 ट्रैक्टरों तक का सफर कंपनी की निरंतर वृद्धि और किसानों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सोनालीका ने वित्त वर्ष 2026 में नए प्रोडक्ट लॉन्च और उन्नत रिसर्च एवं डेवलपमेंट क्षमताओं पर जोर देते हुए आधुनिक कृषि समाधानों को किसानों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का कहना है कि यह केवल शुरुआत है और भविष्य में और भी बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ा जाएगा।

क्रूड की कीमतें 15% तक क्रैश ऑयल कंपनियों के शेयर उछले

- गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट ने भारतीय ऑयल कंपनियों के शेयरों में बड़ा उतार-चढ़ाव पैदा कर दिया है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 15–17 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई।

इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार में ऑयल सेक्टर पर पड़ा। तेल की कीमतों में गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ,जैसे एचपीसीएल, आईओसी और बीपीसीएल। इन कंपनियों का काम कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल-डीजल बनाना होता है। कच्चा तेल सस्ता होता है, तो इनकी लागत घटती है, मुनाफा बढ़ता है। यही वजह है कि इनके शेयरों में 6 से 10 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। वहीं रिलायंस के शेयरों में भी बढ़त दर्ज हुई, क्योंकि इसका रिफाइनिंग बिजनेस भी इस ट्रेंड से फायदा उठाता है।

एचपीसीएल में जबरदस्त तेजी

एचपीसीएल में जबरदस्त तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 10.09 प्रतिशत उछलकर 364.95 रुपए पर बंद हुआ। दूसरी ओर अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए यह गिरावट नुकसानदायक साबित हुई। ऑयल और नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 3.43 प्रतिशत तक गिर गए। ये कंपनियां सीधे कच्चे तेल का उत्पादन करती हैं, इसलिए तेल की कीमत गिरने से उनकी कमाई पर असर पड़ता है। कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की गिरावट से ओएनजीसी के राजस्व पर 300-400 करोड़ रुपए का असर पड़ सकता है।

दिव्या ने ड्रा को जीत में बदला, हासिल की बढ़त

एजेंसी ▶▶| पाफोस

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट : वैशाली ने असौबायेवा के साथ खेला ड्रॉ

भारतीय शतरंज की युवा सनसनी दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए ड्रॉ की तरफ बढ़ रही बाजी को जीत में बदलकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। महिला वर्ग में विश्व कप विजेता देशमुख ने काले मोहरों से खेलते हुए यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया और 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बना ली। अब कुल चार खिलाड़ी संयुक्त रूप से आगे चल रही हैं।

एक समय लग रहा था कि बाजी ड्रॉ पर समाप्त हो जाएगी लेकिन दिव्या देशमुख ने उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम समय में अपनी प्रतिद्वंदी की एक अनचाही गलती का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की। महिला वर्ग में भाग ले रही दूसरी भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली ने कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा के साथ ड्रॉ खेला। वह आठ बाजियों के बाद 4.5 अंकों के साथ देशमुख, यूक्रेन की कटेरीना लागनो, चीन की झू जिनर और मुजिचुक के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। ओपन वर्ग में खेल रहे आर प्रज्ञाननंदा आठवें दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी से हार के बाद खिताब हासिल करने की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं।

आयुष ने 51 मिनट में चीन के फेंग को हराया

एजेंसी ▶▶| निंगबो

बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप

भारत के आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप में चीन के विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाले विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने 51 मिनट में 21-13 21-16 से जीत दर्ज की। लिन ने शुरुआत में ही 4-1 की बढ़त बना ली, लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 4-1 से बढ़त हासिल कर दी और फिर इसे 12-9 तक बढ़ा दिया, लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 18-13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16-18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

खबर संक्षेप

पी सेफ ने स्मृति को बनाया कंफर्ट रेंज का चेहरा

नई दिल्ली। स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने एक प्रमुख महिला हाइजीन (स्वच्छता) ब्रांड की ब्रांड दूत बनने के बाद स्वास्थ्य और महिलाओं की हाइजीन को प्राथमिकता देने की अहमियत पर जोर दिया। 'पी सेफ' ने अपने स्थापना दिवस पर भारतीय महिला टीम की उप कप्तान को अपनी 'कंफर्ट रेंज' का चेहरा बनाया है और इस दिग्गज खिलाड़ी के साथ इस साझेदारी का मकसद महिलाओं की हाइजीन के संदेश को फैलाना है। स्मृति मंधाना ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कंफर्ट कभी ऐसी चीज होनी चाहिए, जिसके बारे में आपको दो बार सोचना पड़े या कोई समझौता करना पड़े। यह बस आपको मिलनी चाहिए। पी सेफ के बारे में यही बात मुझे सबसे अलग लगी क्योंकि वे कंफर्ट को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहे हैं।'

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा अहमदाबाद

अहमदाबाद। राष्ट्रमंडल खेलों की सर्वोच्च वैश्विक संस्था कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने अहमदाबाद में 2030 में होने वाले इन खेलों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को गुजरात का अपना चार दिवसीय दौरा शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आठ से 11 अप्रैल तक राज्य में रहेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारी भी शामिल हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की आम सभा की पिछले साल नवंबर में हुई बैठक में अहमदाबाद को 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार दिया गया था। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

आईपीएल 2026 : टाइटंस ने कैपिटल्स को दी मात, सीजन की पहली जीत

शुभमन, सुंदर और बटलर की फिफ्टी गुजरात की दिल्ली पर 1 रन से जीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराकर आईपीएल के इस सत्र में पहली जीत दर्ज की जबकि केएल राहुल और डेविड मिलर की साहसिक पारियां भी दिल्ली को इस नाटकीय हार से बचा नहीं सकी।

जीत के लिए 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 52 गेंद में 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से 92 रन बनाए। दिल्ली को आखिरी दो ओवर में 36 रन चाहिए थे और मोहम्मद सिराज ने 19वें ओवर में 23 रन दे डाले। डेविड मिलर (20 गेंद में नाबाद 40) ने उन्हें दो छक्के और दो चौके लगाकर दिल्ली को मैच में बनाए रखा। आखिरी ओवर में दिल्ली को 13 रन की जरुरत थी और प्रसिद्ध कृष्णा की पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़ दिया। अगली गेंद पर निगम आउट हो गए जबकि चौथी गेंद पर मिलर ने छक्का लगाया। आखिरी गेंद पर दो रन की जरूरत थी लेकिन कुलदीप यादव रन आउट हो गए। दिल्ली ने वाइड गेंद के लिए रिव्यू भी लिया, जो नाकाम रहा। गुजरात के लिए अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट लिए।

टी20 में बटलर के 600 छक्के पूरे

जोस बटलर ने अरुण जेटली स्टेडियम में पांच छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने टी20 क्रिकेट में 600 छक्के पूरे कर लिए। इस मैच से पहले उनके 595 छक्के थे। टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों में कैरेबियाई खिलाड़ियों का दबदबा है। क्रिस गेल शीर्ष पर हैं। कीरोन पोलार्ड दूसरे, आंद्रे रसेल तीसरे और निकोलस पूरन चौथे नंबर पर हैं। बटलर पांचवें नंबर पर हैं।

गिल-सुंदर ने की 104 रन की साझेदारी

गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के विरुद्ध इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें मैच में वाशिंगटन सुंदर के साथ तीसरे विकेट के लिए 60 गेंदों में 104 रन की साझेदारी की। यह गुजरात टाइटंस के लिए तीसरे विकेट या उससे निचले क्रम पर तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इस लिस्ट में शीर्ष पर जोस बटलर और शेरफेन रदरफोर्ड की जोड़ी है,जिसने साल 2025 में अहमदाबाद के मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 119 रन जोड़े थे। वहीं, डेविड मिलर और हार्दिक पंड्या की जोड़ी ने साल 2022 के क्वालीफायर मैच में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ 106 रन की अटूट साझेदारी की थी।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन बो मुकेश	12	7	2	0
गिल का राणा बो एनगिडि	70	45	4	5
बटलर बो कुलदीप	52	27	3	5
सुंदर का राणा बो मुकेश	55	32	6	2
वॉलेन फिलिप्स नाबाद	14	9	1	1
तेवतिया नाबाद	1	1	0	0
अतिरिक्त : लह रन, कुल : 20 ओवर में 210/4 रन				
गेंदबाजी : मुकेश 4 - 0 - 55 - 2, एनगिडि 4 - 0 - 24 - 1, अक्षर 3 - 0 - 32 - 0, कुलदीप 4 - 0 - 42 - 1, नटराजन 4 - 0 - 34 - 0, निगम 1 - 0 - 23 - 0				
दिल्ली कैपिटल्स	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
निसांका का तेवतिया बो कृष्णा	41	24	6	0
राहुल का बटलर बो सिराज	92	52	11	4
राणा का सुदर्शन बो राशिद	5	6	1	0
समीर रिजवी बो राशिद	0	1	0	0
डेविड मिलर नाबाद	41	20	3	3
पटेल का फिलिप्स बो राशिद	2	3	0	0
ट्रिस्टन स्टब्स रन आउट	7	6	0	0
निगम का गिल बो कृष्णा	12	7	2	0
कुलदीप यादव रन आउट	1	1	0	0
अतिरिक्त : 8 रन, योग : 20 ओवर में 8 विकेट पर 209				
गेंदबाजी : सिराज 4 - 0 - 52 -1, रबाडा 4 - 0 - 32 - 0, राशिद 4- 0 - 17 -3, अशोक 3 - 0 - 45 - 0, कृष्णा 4 - 0 -52 - 2, सुंदर 1 - 0 - 11 - 0				

निशानेबाजी विश्व कप

पिस्टल मुकाबले में रिदम ने दिखाया दम, टॉप-6 में एंट्री

- 25 मीटर में सिमरनप्रीत कौर 45वें स्थान पर
- एयर पिस्टल में पुरुषों ने किया निराश

एजेंसी ▶▶| ग्रेनाडा

मिश्रित टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष निशानेबाजों ने बुधवार को आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में निराश किया, जहां तीनों प्रतिभागी फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहे।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपियन रिदम सांगवान प्रीसीजन चरण में 292 (99, 96, 97) का स्कोर बनाकर पहले दिन के बाद छठे स्थान पर है। दिव्या टी ने भी 291 (96, 98, 97) के स्कोर के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए आठवां स्थान प्राप्त किया। स्पर्धा में चुनौती पेश कर रही तीसरी भारतीय खिलाड़ी सिमरनप्रीत कौर बराड़ 282 (93, 94, 95) के स्कोर के साथ 45वें स्थान पर है। प्रतियोगिता का दूसरा चरण (रैपिड चरण) गुरुवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें शीर्ष आठ निशानेबाज पदक चरण में प्रवेश करेंगे।

फाइनल में जगह बनाने से चूके नेलावल्ली

युवा मुकेश नेलावल्ली ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। वह 579 के स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। चीन के विश्व नंबर एक हू काई भी संघर्ष करते हुए 578 के स्कोर के साथ 15वें स्थान पर रहे। मुकेश क्वालीफाइंग के शुरुआती और अंतिम चरण में 94 और 95 के दो कमजोर स्कोर के कारण पिछड़ गए। उन्होंने बीच के चारों चरणों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 98, 98, 97 और 97 के स्कोर बनाए थे। यू शी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाइंग में 588 के स्कोर से शीर्ष स्थान के साथ फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने 98, 99, 97, 98, 99 और 97 के स्कोर बनाए। काहिरा विश्व कप (2024) में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेता उज्जवल मलिक 577 के कुल स्कोर (95, 96, 96, 97, 95, 98) के साथ 22वें स्थान पर रहे।

वैष्णवी ने दिलाई भारत को न्यूजीलैंड पर बढ़त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा वैष्णवी अडकर ने वापसी करते हुए बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक मुकाबले के पहले एकल मैच में आइशी दास को सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराकर भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। पदार्पण कर रही वैष्णवी को मंगलवार को अपने पहले मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था, जिससे भारत वर्षा से प्रभावित मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1-2 से हार गया।

दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर वैष्णवी ने काफी सुधार दिखाया। उन्होंने सहज गलतियां कम की और बेहतर नियंत्रण के साथ शॉट खेले, जिससे न्यूजीलैंड की खिलाड़ी को एक घंटे 30 मिनट में हराने में सफल रहीं। वैष्णवी ने कहा, ' यह बिली जीन किंग कप में मेरा पहला मैच था इसलिए मैं निश्चित रूप से बहुत नर्वस थी। मैंने अपनी घबराहट से ठीक तरीके से नहीं निपट पाई लेकिन यह मेरे लिए एक सबक था।' उन्होंने कहा, 'आज कोर्ट पर आकर मुझे उस चीज पर ध्यान देना था, जिसमें मैं सबसे अच्छी हूं। मुझे बस कोर्ट पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।'

ई–नीलामी विक्रय सूचना

निलामी की तिथि एवं समय :– 15-मई-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

स. क्रं.	(A) ऋणी(यों) का नाम	(B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	(C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	(D) कब्जे का प्रकार	(E) आरक्षित मूल्य (रु.)	(F) (G) ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री गुप्ता घनश्याम दास,** मकान नंबर-99, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव – छत्तीसगढ़, पिन – 491441 – भारत। **श्री गुप्ता घनश्याम दास,** गुप्ताजी रस्सीवाला हार्डवेयर, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव – 491441& **श्री गुप्ता संदीप,** मकान नंबर–99, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव – छत्तीसगढ़, पिन – 491441 – भारत **श्रीमती गुप्ता पूर्णिमा,** मकान नंबर–99, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव – छत्तीसगढ़, पिन – 491441 – भारत।	₹ 11,13,473/- 30 जून 24* की स्थिति में	खसरा 312/22/छ, {312/22, 313/11, 314/12, 315/20, 316/12} पुराना प.ह.नंबर 34, कॉलोनी मोतीपुर तुलसीउर, जिला राजनांदगांव, राजनांदगांव छ.ग. खुला प्लॉट, क्षेत्रफल (बिक्री विलेख के अनुसार):– 1262 वर्ग फुट (117.28 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल (वास्तविक स्थल के अनुसार):– 1050 वर्ग फुट (97.58 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड–21.101545, लांगिट्यूड–81.020273.**	भौतिक	₹7,35,000/-	₹73,500/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :– 17-अप्रैल -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :–28-अप्रैल -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का खुलासा: एचडीएफसी के अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में कोई भार नहीं है।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई–नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई–मेल: Auction.Manager@BidDeal.in; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई–बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 09 अप्रैल, 2026
स्थान: राजनांदगांव
रजिस्टर्ड पता–एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

ई–नीलामी विक्रय सूचना

निलामी की तिथि एवं समय :– 30-अप्रैल-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

स. क्रं.	(A) ऋणी(यों) का नाम	(B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	(C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	(D) कब्जे का प्रकार	(E) आरक्षित मूल्य (रु.)	(F) (G) ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री चक्रवर्ती कुणाल,** मकान नं. 123/पी, पारिजात मोंगरा जूही ब्लॉक बी, तालपुरी, दुर्ग तालपुरी वार्ड 63, भिलाई नगर, दुर्ग – छत्तीसगढ़, पिन – 491001 – भारत। **श्री चक्रवर्ती कुणाल,** टाइडल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, घाटकोपर–वेस्ट, ए–101, घाटकोपर इंडस्ट्रियल एस्टेट, एलबीएस मार्ग, घाटकोपर–वेस्ट मुंबई – 400086 **श्रीमती चक्रवर्ती तृप्ति,** मकान नं. 123/पी, पारिजात मोंगरा जूही ब्लॉक बी, तालपुरी, दुर्ग, तालपुरी वार्ड 63, भिलाई नगर, दुर्ग – छत्तीसगढ़, पिन – 491001 – भारत।	₹ 4,77,291/- 31 अगस्त 24* की स्थिति में	फ्लैट–123/O, मंजिल–3, पारिजात अपार्टमेंट्स, स.क्र., ट्विन सिटी, तलपुरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आमदी; रुआबन्धा; भिलाई छ.ग., कुल निर्मित क्षेत्रफल–365.19 वर्ग फुट (33.94 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड–21.170860, लांगिट्यूड–81.323730.**	भौतिक	₹ 6,33,000/-	₹ 63,300/- / ₹ 5,000/-
2.	**श्री देवांगन जगत राम,** जुगनूबाई कॉलोनी, संतोषी नगर, रायपुर – 492001. **श्री देवांगन जगत राम,** श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड, श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड, ग्राम पंडलोई, लपांगा, संबलपुर – 761016. **श्रीमती देवांगन कमला बाई,** पत्नी जगत राम देवांगन, मकान नंबर 494/1, वार्ड नंबर 20 नीम चौक, देवांगन मोहल्लाकुरूद, चांपा – जांजगीर चांपा – 495671.	₹ 23,07,161/- 31 दिसम्बर 24* की स्थिति में	परिवर्तित रिहायशी प्लॉट निर्माण सहित क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट,खसरा नं. 15002/1, भाग–मौजा–कुम्हारी, प्लॉट नं. 667 अविनाश ट्विन सिटी, प.ह.नं.–53, रानिमं–अहिवारा एवं तहसील धमधा, जिला–दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं चौहद्दी–उत्तर में भूमि संख्या 668, दक्षिण में भूमि संख्या 666, पूर्व में भूमि संख्या 1227 और पश्चिम में रोड कॉलोनी से घिरा हुआ है। भूखंड का क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट (92.90 वर्ग मीटर) है। **लेटिट्यूड–21.25988, लांगिट्यूड– 81.536753.**	भौतिक	₹ 33,30,000/-	₹ 3,33,000/- / ₹ 5,000/-
3.	**श्री कुमार पंकज,** मकान/भवन/अपार्ट.:288के, ग्राम/नगर/शहर मोहल्ला, भाटा, जिला– बलौदा बाजार पोस्ट मोहभट्ठा राज्य छत्तीसगढ़, मोहभट्ठा – बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ – 493113. **श्री कुमार पंकज,** सुश्री पंकज पांजरिया, मकान नं. 288 के, मोहभट्ठा, मोहभट्ठा – बलौदा बाजार – 493113. **श्रीमती पंजियारा बिन्दु कुमारी** उपनाम श्रीमती साह बिन्दु कुमारी, मकान नं. 288 के, मोहभट्ठा, बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़, पिन–493113.	₹ 15,30,550/- 31 दिसम्बर 24* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की फ्लैट, क्षेत्रफल 499 वर्गफीट, खसरा नं. 303/2, 303/10 भाग, 303/115 ग्राम मौजा–जांजगीर, फ्लैट नं.–508, 2बी.एच.के., ब्लॉक–बी, पांचवा तल, साई विलास एंड अपार्टमेंट्स, प.ह.नं.44/49, रानिमं.–अहिवारा, तह.–धमदा एवं जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में स्थित एवं चौहद्दी–उत्तर में खुला आकाश, दक्षिण में फ्लैट संख्या 507, पूर्व में फ्लैट संख्या 506 एवं पश्चिम में खुला आकाश। कुल निर्मित क्षेत्रफल = 499 वर्ग फुट (46.37 वर्ग मीटर)। **लेटिट्यूड–21.241649, लांगिट्यूड–81.479512.**	भौतिक	₹ 1752000/-	₹ 1,75,200/- / ₹ 5,000/-
4.	**श्री रोक्कम श्रीधर,** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई–493441. **श्री रोक्कम श्रीधर** मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001. **श्रीमती आर. रजनी** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई–493441. **श्रीमती आर. रजनी** मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001.	₹ 9,23,756/- 31 जनवरी 25* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की यूनिट–एल–76, जिसका क्षेत्रफल 690 वर्ग फुट है, खाता संख्या 323, खसरा संख्या 88/2 भाग, लोटस सिटी, प.ह.नं.–4, रानिमं.–भिलाई–3, ग्राम–परसदा, तहसील–पाटन एवं जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ में स्थित है। चौहद्दी–उत्तर में प्लॉट संख्या एल–65, दक्षिण में रास्ता, पूर्व में प्लॉट संख्या एल–75 एवं पश्चिम में प्लॉट संख्या एल–77, कुल निर्मित क्षेत्रफल 690 वर्ग फुट (64.12 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड–21.236783, लांगिट्यूड–81.521741.**	भौतिक	₹ 13,81,000/-	₹ 1,38,100/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :– 23-अप्रैल -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :–13-मई -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का प्रकटीकरण: एचडीएफसी के अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में कोई भार नहीं है।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई–नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई–मेल: Auction.Manager@BidDeal.in; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई–बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 09 अप्रैल, 2026
स्थान: भिलाई, दुर्ग
रजिस्टर्ड पता–एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

ये है भारत का लव मैरिज कैपिटल! हर हीर को मिल जाता है रांझा, परिवार भी करता है सपोर्ट

आइजोल। भारत में आज भी ज्यादातर शादियां अरेंज्ड होती हैं और लव मैरिज को कई परिवार टैबू समझते हैं। अगर दो लोगों को आपस में प्यार है और उनकी कास्ट अलग है तो आज भी अधिकांश परिवार वाले शादी को राजी नहीं होते। भारत के कई राज्यों में तो लव मैरिज करने पर परिवार वाले जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन, देश के उत्तर-पूर्व में एक ऐसा राज्य है जहां लव मैरिज ना सिर्फ आम है, बल्कि परिवार भी इसे खुशी-खुशी सपोर्ट करता है। हम बात कर रहे हैं हम बात कर रहे हैं मिजोरम की, जहां ज्यादातर कपल लव मैरिज ही करते हैं।

सबसे आगे मिजोरम

मिजोरम में इंटर-कास्ट और लव मैरिज की दर पूरे भारत में सबसे ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर भारत में सिर्फ 5% शादियां इंटर-कास्ट होती हैं, जबकि मिजोरम में यह आंकड़ा 55% तक पहुंचता है। कई सर्वे और रिपोर्ट्स में मिजोरम को लव मैरिज के मामले में नंबर-1 बताया गया है। यहां लड़का-लड़की खुद अपना साथी चुनते हैं, परिवार विरोध की बजाय सलाह और आशीर्वाद देता है।

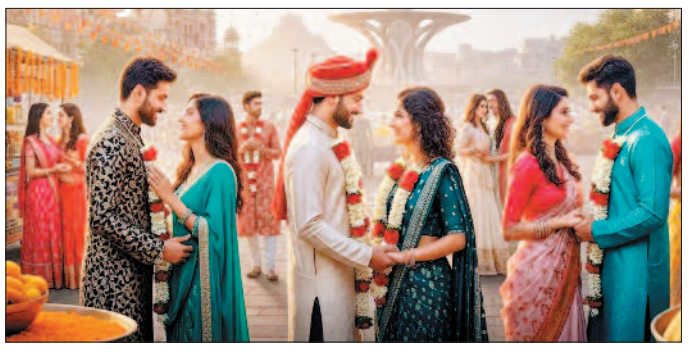

क्यों ज्यादा होती है लव मैरिज?

मिजोरम मुख्य रूप से ईसाई बहुल राज्य है। ईसाई संस्कृति में व्यक्तिगत पसंद को ज्यादा महत्व दिया जाता है। मिजो समाज में महिलाओं की स्थिति भी मजबूत है। हालांकि पूर्ण मातृसत्तात्मक नहीं, लेकिन महिलाओं को परिवार और समाज में अच्छा दर्जा मिलता है। लड़कियां पढ़ती हैं, नौकरी करती हैं और अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेती हैं। यहां 'हीर-रांझा' वाली कहानी सच होती दिखती है। लड़का-लड़की स्कूल, कॉलेज या काम के दौरान एक-दूसरे से प्यार करते हैं और परिवार को बताते हैं। ज्यादातर मामलों में परिवार सहमत हो जाता है। अगर कोई छोटी-मोटी आपत्ति होती है तो चर्च या परिवार के बुजुर्ग सलाह देकर मामला सुलझा देते हैं।

तलाक के मामले भी अधिक

हालांकि, एक फैक्ट ये है कि यहां डिवोर्स रेट भी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है, लेकिन इसका कारण महिलाओं की स्वतंत्रता और जागरूकता को माना जाता है। मिजोरम में महिलाएं घर की मुखिया की भूमिका निभाती हैं। वे फैसले लेने में बराबर की भागीदार होती हैं। लड़कियों की शिक्षा और स्वावलंबन पर खास ध्यान दिया जाता है। इसी वजह से लव मैरिज में लड़की की राय सबसे ज्यादा मायने रखती है। सोशल मीडिया और सर्वे रिपोर्ट्स में मिजोरम को बार-बार 'लव मैरिज कैपिटल' जैसे नामों से पुकारा जाता है।

रोचक खबरें

70 साल के शेख ने की 19 की लड़की से शादी, तोहफे में दी करोड़ों की कार

रियाद। उम्र का फर्क हो या ना हो, अमीरी और लग्जरी के आगे सब कुछ फीका पड़ जाता है। सऊदी अरब में हुए एक वेडिंग का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस शादी में दूल्हा और दुल्हन के बीच उम्र के फासले ने जितना लोगों को हैरान किया है, उतना ही वेडिंग गिफ्ट्स की लिस्ट ने भी। एक 70 साल के अमीर शेख ने 19 साल की जवान लड़की से शादी कर ली है। शादी के बाद शेख ने अपनी नई बेगम को इतने भारी-भरकम तोहफे दिए हैं कि पूरी दुनिया हैरान है। लोग इस शादी को पैसे की वजह से मुकम्मल बता रहे हैं। इसकी खूब चर्चा हो रही है। शादी के तुरंत बाद शेख ने अपनी दुल्हन को एक नई रॉल्स रॉयस लग्जरी कार गिफ्ट की। इसके अलावा उन्होंने करीब 5 किलो सोने की ईंटें भी तोहफे में दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में दुल्हन बेहद खुश नजर आ रही है। शेख और उनकी जवान बेगम साथ में खड़े नजर आए। शादी का पूरा आयोजन फिल्मी स्टाइल में हुआ. मेहमानों की भारी भीड़ थी और हर तरफ लग्जरी का माहौल था। शेख ने अपनी नई पत्नी को 'जिंदगी भर लग्जरी में रखने' का वादा किया है।

बारात में कचरा गाड़ी लेकर पहुंचा दूल्हा, देखते ही इम्प्रेस हो गई दुल्हन

बीजिंग। चीन के अनहुई प्रांत के सुईशी काउंटी में 28 मार्च को एक अनोखी शादी हुई जिसने पूरे सोशल मीडिया को हिला दिया। दूल्हा पान हाओनान ने अपनी बारात में 9 कचरा गाड़ियां (सेप्टिक टैंक ट्रक) लेकर पहुंचा। जहां आमतौर पर दूल्हे महंगी लग्जरी कारों, घोड़ों या हेलीकॉप्टर से इम्प्रेशन जमाने की कोशिश करते हैं, वहां पान हाओनान ने पूरी तरह अलग और अनोखा रास्ता चुना। सबसे हैरानी की बात यह है कि दुल्हन इस अनोखे अंदाज से इतनी इम्प्रेस हुई कि उसने शादी के बाद उसी कचरा गाड़ी में दूल्हे के साथ बैठकर विदाई ली और ससुराल के लिए रवाना हो गई। ये मजेदार शादी सोशल मीडिया के साथ ही साथ लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पान हाओनान अपने माता-पिता के साथ सीवेज और कचरा हटाने का काम करते हैं। उन्होंने फैसला किया कि अपनी शादी में भी वे उसी पेशे को सम्मान देंगे. इसलिए उन्होंने अपनी बारात में 9 सेप्टिक टैंक ट्रक शामिल किए। बारात जब दुल्हन के घर पहुंची तो पूरा इलाका देखकर हैरान रह गया। दुल्हन ने जब यह अनोखा स्टाइल देखा तो वह मुस्कुरा पड़ी और अपने पति का साथ दिया। शादी के बाद जब विदाई का समय आया तो दुल्हन ने खुद उसी कचरा गाड़ी में बैठकर ससुराल जाने का फैसला किया।

कलपक्कम प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बिजली पैदा करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में वह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है, जिसका सपना देश के महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने दशकों पहले देखा था। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने आज अपनी क्रिटिकलिटी हासिल कर ली है। अगर आम भाषा में कहें तो इस रिएक्टर ने अब खुद से बिजली पैदा करने वाली परमाणु प्रक्रिया को नियंत्रित तरीके से शुरू कर दिया है। यह केवल एक मशीन की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के थ्री-स्टेज वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण स्टेज की बड़ी जीत है।

क्यों खास है यह फास्ट ब्रीडर टेक्नोलॉजी?

दुनिया के ज्यादातर परमाणु रिएक्टर 'थर्मल रिएक्टर' होते हैं, लेकिन भारत का यह पीएफबीआर एक 'फास्ट ब्रीडर' रिएक्टर है। यह रिएक्टर यूरेनियम-प्लूटोनियम मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। इसके चारों तरफ 'यूरेनियम-238' की एक परत होती है। इससे जब रिएक्टर चलता है, तो इससे निकलने वाले न्यूट्रॉन इस बेकार यूरेनियम-238 को प्लूटोनियम में बदल देते हैं, जिसे दोबारा ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस टेक्नोलॉजी से प्रदूषण और कचरे की समस्या बहुत कम हो जाती है। इसको ठंडा रखने के लिए पानी की जगह तरल सोडियम का इस्तेमाल होता है, जो इसे बहुत एडवांस बनाता है।

भारत ऊर्जा के मामले में 400 सालों तक बन सकता है आत्मनिर्भर!

थोरियम का खजाना और भारत का मास्टरप्लान

भारत के पास दुनिया के थोरियम भंडार का लगभग 25% हिस्सा है, लेकिन थोरियम सीधे तौर पर ईंधन नहीं बन सकता। थोरियम को ईंधन बनाने के लिए उसे 'फास्ट न्यूट्रॉन' से रिएक्शन कराना पड़ता है, जो केवल कलपक्कम जैसे फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ही दे सकते हैं। यह सफलता भारत को ऊर्जा के मामले में अगले 400 सालों तक आत्मनिर्भर बना सकती है। इसके बाद अब हमें किसी दूसरे देश से यूरेनियम मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

क्रिटिकलिटी का क्या मतलब है?

परमाणु विज्ञान की भाषा में क्रिटिकलिटी का मतलब है कि अब रिएक्टर के अंदर न्यूक्लियर फिशन की प्रक्रिया स्थिर और नियंत्रित हो गई है। इसका मतलब अब यह रिएक्टर बिजली पैदा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह किसी भी परमाणु प्लांट के लिए सबसे अहम पड़ाव होता है।

यह रिएक्टर खास क्यों है?

कलपक्कम का यह 500 मेगावाट का रिएक्टर एक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितना ईंधन इस्तेमाल करता है, उससे कहीं ज्यादा ईंधन पैदा करता है। इसके साथ ही जहां साधारण परमाणु रिएक्टरों में गर्मी कम करने के लिए पानी का इस्तेमाल होता है, तो वहीं इस ब्रीडर रिएक्टर में लिक्विड सोडियम का इस्तेमाल किया जाता है। सोडियम पानी की तुलना में गर्मी को बहुत तेजी से सोखता है।

दुनिया रह गई दंग भारत बना दूसरा देश!

यह रिएक्टर पूरी तरह से 'मेड इन इंडिया' है। इसे भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने दशकों की मेहनत से तैयार किया है। इस नई उपलब्धि के बाद भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसके पास व्यावसायिक स्तर पर ऑपरेशनल फास्ट ब्रीडर रिएक्टर है। इसके पहले यह कारनामा रूस ने किया है। अमेरिका, फ्रांस और जापान जैसे विकसित देश भी अभी तक इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे थे, लेकिन भारत ने उनसे पहले बाजी मार ली है।

होमी जहांगीर भाभा का सपना हुआ पूरा

आपको बता दें कि भारत के परमाणु कार्यक्रम को डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने दशकों पहले तीन स्टेज में डिवाइड किया था। इसका पहला स्टेज भारी पानी रिएक्टर बनाना था, जो अभी चल रहे हैं। इसके बाद फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बनाना था, जिसकी शुरुआत कलपक्कम से हो गई है। अब भारत के इस प्रोग्राम का तीसरा स्टेज थोरियम आधारित रिएक्टर बनाना है, जो आने वाले समय में पूरा होगा। भारत के वैज्ञानिक इस स्टेज के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं।

सिगरेट छोड़ना अब होगा आसान? फ्रांस की नई रिसर्च ने बदली तंबाकू की परिभाषा

पेरिस। अक्सर कहा जाता है कि तंबाकू छोड़ना दुनिया के सबसे मुश्किल कामों में से एक है। कई देशों की सरकारें इसके लिए विज्ञापन दिखाती हैं, डराती हैं और टैक्स भी बढ़ा देती हैं, लेकिन सिगरेट और तंबाकू की लत है कि पीछा नहीं छोड़ती. लेकिन क्या हो अगर हम कहें कि सिगरेट के धुएं से होने वाली मौतों को कम करने का एक 'बीच का रास्ता' है? हाल ही में फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय और वहां की एजेंसी एन्सेस ने तंबाकू को लेकर अपनी बरसों पुरानी सोच बदल दी है। एक बड़ी साइंटिफिक रिपोर्ट के बाद फ्रांस अब स्मोकलेस टोबैको (जैसे हीटेड प्रोडक्ट्स) को सिगरेट के मुकाबले कम खतरनाक मान रहा है। अब सवाल यह है कि जब ब्रिटेन, जापान और फ्रांस जैसे देश अपनी पॉलिसी बदल रहे हैं, तो क्या भारत को भी

अपनी पुरानी पाबंदियों पर फिर से विचार करने की जरूरत है? क्या हार्म रिडक्शन का यह फॉर्मूला भारत में लाखों लोगों की जान बचा सकता है?

सिगरेट और स्मोकलेस में बड़ा अंतर: नई रिसर्च का सबसे बड़ा आधार यह है कि सिगरेट और स्मोकलेस तंबाकू एक जैसे नहीं हैं। सिगरेट में तंबाकू जलता है और उसी जलने से धुआं बनता है। यही धुआं शरीर के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक माना जाता है।

दुनिया के बाकी देशों का क्या अनुभव है?

सिर्फ फ्रांस ही नहीं, कई और देश भी अब 'हार्म रिडक्शन' (नुकसान कम करने) की राह पर चल पड़े हैं। जहां ब्रिटेन अपने यहां 'स्वैप टू स्टॉप' प्रोग्राम चला रहा है। जिसमें सरकार खुद स्मोकलेस किट बांट रही है, जिससे लोग सिगरेट छोड़ सकें। अब तक 1.25 लाख लोग इसकी मदद ले चुके हैं। वहीं, जापान में भी सिगरेट छोड़कर इन प्रोडक्ट्स को अपनाने वाले लोगों में से सिर्फ 1% से भी कम लोग वापस सिगरेट की तरफ लौटे हैं। साउथ कोरिया की एक स्टडी कहती है कि इन पर स्विच करना 'सिगरेट छोड़ने' जितना ही फायदेमंद साबित हुआ।

क्या है फ्रांस की इस रिपोर्ट में?

फ्रांस की सरकारी एजेंसी एन्सेस ने करीब 2,500 साइंटिफिक रिसर्च की गहराई से जांच की। उसके बाद उन्होंने जो निष्कर्ष निकाले, वे सभी के लिए चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट का मानना है कि स्मोकलेस टोबैको प्रोडक्ट्स पूरी तरह सुरक्षित तो नहीं हैं, लेकिन सिगरेट के मुकाबले इनका खतरा बहुत कम है। जहां सिगरेट जलाने पर जो धुआं निकलता है, उसमें 7,000 से ज्यादा जहरीले केमिकल होते हैं। वहीं, स्मोकलेस प्रोडक्ट्स में तंबाकू जलता नहीं है, इसलिए वे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले जहर से बच जाते हैं।

सर्वप्रथम अत्याधुनिक
(अल्ट्रामॉडर्न) बर्न यूनिट
10 इंटेंसिव आइसोलेशन केयर ग्लास केबिन, हेपा फिल्टर/लेमिनर फ्लो 100% जीवाणु रहित ग्लास केबिन.
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

कुदरत ने इस जीव को अनोखे तरीके से किया है तैयार

नई दिल्ली। दुनिया तरह-तरह के अनोखे जीवों से भरी हुई है, जिनकी बनावट और जीवन जीने के तरीके हमें हैरान कर देते हैं। इन्हीं में से एक दिलचस्प जीव है टिड्डा, जिसे हम अक्सर बरसात के मौसम में इधर-उधर कूदते हुए देख लेते हैं। देखने में साधारण सा लगने वाला यह हरे रंग का कीट अपनी शारीरिक रचना के कारण काफी खास होता है। इसकी

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसके कान सिर पर नहीं, बल्कि पेट के हिस्से में होते हैं। टिड्डे की यह अनोखी बनावट केवल दिखने भर की खासियत नहीं है, बल्कि इसके जीवन और सुरक्षा से गहराई से जुड़ी हुई है। प्रकृति ने इसे इस तरह विकसित किया है कि यह अपने आसपास के वातावरण के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढाल सके और खतरों से समय रहते बच सके।

नहीं दिखाई देते कान : दिलचस्प बात यह है कि टिड्डे के ये कान सीधे दिखाई नहीं देते। ये उसके पंखों के नीचे सुरक्षित रूप से छिपे रहते हैं।

क्यों खास है ये अंग?

दरअसल, टिड्डे के पेट के पहले खंड के दोनों ओर एक बेहद पतली झिल्ली होती है, जिसे टिम्पैनल अंग कहा जाता है। यही झिल्ली उसके सुनने का मुख्य माध्यम होती है। जब आसपास से ध्वनि तरंगें आती हैं और इन झिल्लियों से टकराती हैं, तो उनमें हल्का कंपन पैदा होता है। यही कंपन टिड्डे के शरीर में संकेत के रूप में पहुंचता है, जिससे वह आवाज को पहचान पाता है। यह प्रक्रिया इंसानों के कानों से थोड़ी अलग जरूर है, लेकिन काम लगभग वही करती हैआवाज को पकड़ना और उसे समझना. फर्क सिर्फ इतना है कि जहां इंसानों के कान सिर पर होते हैं, वहीं टिड्डे ने अपने पेट को ही सुनने का सेंटर बना लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com